जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Who were the Hessians?

The Hessians were supposed to quickly end the American Revolution. Instead, they endured years of battles and suffered thousands of casualties

The Hindu in Ancient History

How Bagore in Madhya Pradesh proves that Hinduism existed long before recorded history

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में सड़कों पर उतरे लोग

जंतर मंतर पर एक्टिविस्ट्स, छात्रों और विपक्षी दलों के नेताओं ने प्रदर्शन किया, पुलिस ने भारी बैरिकेडिंग कर सभी को रोका

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 25 सितंबर। चुनाव आयोग के कथित गलत कामों को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। इसी बीच मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीजन-एसआईआर) से संबंधित को लेकर विवाद अब चुनाव आयोग की फाइलों से निकलकर दिल्ली की सड़कों तक पहुंच गया है। शुक्रवार को जंतर-मंतर पर ऐक्टिविक्ट्स छात्रों और राजनीतिक नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने तो वहां भारी बैरिकेडिंग कर दी।

शुक्रवार को पुलिस की कार्रवाई ने निर्धारित प्रदर्शन स्थल को सुरक्षा घेरे में बदल दिया। चुनाव आयोग के कार्यालय की ओर जाने वाली सड़क पर प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने वहां से हटा दिया, जबकि वामपंथी नेताओं और अन्य प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड के पीछे रोक दिया गया।

- **सीईसी ज्ञानेश कुमार और एसआईआर संबंधी उनके मनमाने फैसलों के खिलाफ लोगों में भारी गुस्सा है, देश भर से इस्तीफे की मांग उठ रही है।**
- **इसी बीच सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें सीईसी ज्ञानेश कुमार द्वारा कथित तौर पर दोनों अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लिए गए फैसलों को चुनौती दी गई है। यह याचिका वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी ने अधिवक्ता चांद कुरैशी के जरिए दायर की।**
- **एक अन्य अधिवक्ता, बृजेश सिंह ने अटॉर्नी जनरल वेंकेट रमणी से सीईसी के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी और सीईसी पर सुप्रीम कोर्ट की अवमानना का आरोप लगाया।**

प्रदर्शनकारियों ने "द ट्रिब्यून" को बताया कि सी पी आई (एमएल) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, ऐक्टिविस्ट योगेंद्र यादव और अन्य प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। एआईएसए (आईसा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा को भी जंतर-मंतर से हिरासत में लिए गए लोगों में शामिल बताया गया।

तत्काल मुद्दा ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग है, लेकिन यह टकराव केवल एक पदाधिकारी तक सीमित नहीं है। तीन सदस्यीय चुनाव आयोग के भीतर सामने आई कथित आपत्तियों ने एक बुनियादी सवाल खड़ा कर दिया है कि किसी नागरिक का नाम मतदाता सूची में जोड़ने, हटाने या दोबारा शामिल करने जैसे फैसलों पर आखिरकार नियंत्रण किसका है। मतदाता सूची के डेटा पर केन्द्रीकृत नियंत्रण और ऐसी घटनाओं को लेकर भी चिंता जताई गई है, जहां अधिकारियों के फैसले सॉफ्टवेयर के माध्यम से दर्ज नहीं किए जा सके।

इस अभियान को तब और गति मिली, जब सीजेपी ने कुमार से 48 घंटे के भीतर इस्तीफा देने की मांग की और कहा कि अगर उन्होंने पद नहीं छोड़ा तो देशभर में आंदोलन तथा जंतर-मंतर पर फिर से बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा।

इस बीच, प्रसिद्ध लेखक अमिताव घोष ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार के इस्तीफे की सीजेपी की मांग का समर्थन किया है। उन्होंने मतदाता सूची के एस आई आर के दौरान पूरे देश में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जम्मु-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग के प्रस्ताव पर वि.सभा में हंगामा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को श्रीनगर में राज्य विधानसभा में जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया। इसके

- **मु.मंत्री उमर ने जम्मु-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने का प्रस्ताव रखा, भाजपा ने हंगामा किया और प्रस्ताव की प्रतियां फाड़ दीं।**

बाद सदन में भारी हंगामा और धक्का-मुक्की हुई तथा भाजपा सदस्यों ने प्रस्ताव की प्रतियां फाड़ दीं।

प्रस्ताव में उमर अब्दुल्ला द्वारा जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पहले पारित किए गए प्रस्तावों, जिसमें 2000 में पारित जम्मू-कश्मीर की स्वायत्तता का प्रस्ताव भी शामिल था, का उल्लेख किए जाने पर विवाद खड़ा हो गया।

भाजपा सदस्य सदन के वैल में आ गए और नारेबाजी करते हुए प्रस्ताव की प्रतियां फाड़ दीं। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के सदस्यों ने भी भाजपा के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा पेश प्रस्ताव में कहा गया है, "26 जून 2000 और 6 नवंबर 2024 को इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ज्ञानेश कुमार और उनके परिवार को "स्पेशल प्रिविलेज"?

ज्ञानेश कुमार की पुत्री और नोएडा की डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट मेघा रुपम की याचिका को सुप्रीम कोर्ट द्वारा विशेष तरजीह दिए जाने पर वकीलों ने विरोध जताया

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। विपक्षी नेताओं द्वारा उनके महाभियोग की मांग तेज कर दी है, और इसी बीच, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और उनका परिवार कई विवादों में और अधिक घिरते दिखाई दे रहे हैं।

निर्वाचन आयोग (इलैक्शन कमीशन ऑफ इंडिया-ईसीआई) ने उत्तर प्रदेश में होने वाले दो "इलैक्टोरल लिटरेसी क्लब" (ई.एल.सी.) क्षेत्रीय सम्मेलनों को स्थगित कर दिया है, जिन्हें ज्ञानेश कुमार को संबोधित करना था। आयोग ने इसके लिए सामान्य प्रशासनिक और व्यवस्थागत कारण बताए हैं। मेरठ में 25 सितंबर को और वाराणसी में 28 सितंबर को होने वाले कार्यक्रमों को 21 सितंबर को स्थगित कर दिया गया। ये दोनों कार्यक्रम ईएलसी 2.0 मतदाता जागरूकता अभियान का हिस्सा थे, जिसका उद्देश्य 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को जागरूक करना था। अधिकारियों ने

- **मेघा रुपम ने याचिका में इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी जिसमें हाईकोर्ट ने दिल्ली युनिवर्सिटी की छात्र नेता आकृति चौधरी को नैशनल सिक्युरिटी एक्ट में गिरफ्तार करने के फैसले को रद्द कर दिया था और आकृति को 5 लाख रु. का हर्जाना देने का फैसला किया था। हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि यह राशि मेघा के वेतन से वसूली जाए।**
- **मेघा की याचिका की प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मेघा से वसूली के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर भी रोक लगा दी।**

आयोजन स्थल की उपलब्धता, वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यक्रम और प्राकृतिक परिस्थितियों का हवाला दिया। उन्होंने यह भी बताया कि हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और उत्तराखंड में भी इसी तरह के कार्यक्रम पहले स्थगित किए जा चुके हैं।

हालांकि कार्यक्रमों के स्थगित होने के समय ने इस मामले की ओर ज्यादा ध्यान खींचा है। यह फैसला "इंडियन एक्सप्रेस" की एक जांच रिपोर्ट के बाद आया है। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों के दौरान कम से कम 14 बार चुनाव आयोग के फैसलों और आदेशों पर औपचारिक आपत्ति दर्ज की थी। उनकी आपत्तियां, जो 2025 के अंत से अगस्त 2026 के बीच दर्ज की गईं और अक्सर ज्ञानेश कुमार को भी भेजी गईं, मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीजन/एसआईआर) से जुड़ी थीं। इनमें नए मतदाताओं को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ज्ञानेश कुमार का मेरठ और वाराणसी दौरा स्थगित

चुनाव आयोग ने स्पष्टीकरण जारी किया, दौरा रद्द होने का संबंध मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े हालिया विवाद से नहीं है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मेरठ और वाराणसी का दौरा स्थगित कर दिया गया है। चुनाव आयोग के वरिष्ठ सूत्रों ने बताया कि यह फैसला 21 सितंबर को लिया गया था और इसका चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों की खबरों से कोई संबंध नहीं है।

सूत्रों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के दोनों शहरों के जिला अधिकारियों को ईमेल के जरिए इसकी जानकारी दी गई थी। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के दौरे को व्यवस्थागत और स्थानीय कारणों के साथ-साथ उनके

- **उत्तर प्रदेश में मेरठ और वाराणसी में ज्ञानेश कुमार नए वोटर्स के साथ संवाद करने वाले थे।**
- **सूत्रों ने बताया कि सीईसी के उत्तराखंड, हिमाचल व लद्दाख के दौरे को भी स्थगित कर दिया गया है।**

आधिकारिक कार्यक्रम में हुए बदलावों के कारण रीशिड्यूल किया गया है।

आयोग के सूत्रों ने बताया कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और लद्दाख के दौरे भी स्थगित किए गए हैं। हिमाचल प्रदेश का कार्यक्रम पर्यटन सीज़न और परीक्षाओं के कारण टाल दिया गया था।

उत्तराखंड में युवाओं के साथ होने वाली बातचीत का कार्यक्रम एसआईआर पूरा होने के बाद आयोजित किया जाएगा, जबकि लद्दाख का कार्यक्रम मानसरोवर में हुई आपदा के बाद स्थगित कर दिया गया।

सूत्रों ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों में 1,000 तक युवा शामिल हो सकते हैं। इसलिए इनके आयोजन का समय मौसम, स्थानीय परिस्थितियों और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर, जोधपुर, कोटा में भाजपा के महापौर बने

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 25 सितम्बर। जयपुर, जोधपुर और कोटा नगर निगम में भाजपा के महापौर बने हैं। शुक्रवार को इन तीनों निगमों में पार्षदों के मतदान के बाद ये परिणाम सामने आए। जयपुर में सुनील कोठारी, जोधपुर में प्रसन्नचंद मेहता और कोटा में अनुसुइया गोस्वामी

- **तीनों स्थानों में भाजपा ने अपने निर्वाचित पार्षदों के अलावा भी वोट हासिल किये।**

महापौर बनीं। तीनों ही नगर निगम में भाजपा को चुनाव में जीते पार्टी के पार्षदों से ज्यादा वोट मिले। कोटा में तो कांग्रेस के पार्षदों ने क्रॉस वोटिंग तक कर दी। जोधपुर में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी राजेन्द्र सोलंकी को हार का सामना करना पड़ा।

देखा जाए तो इस बार निकाय चुनाव में प्रदेश के 10 नगर निगमों में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका के खिलाफ असंतोष के सुर सुनाई देने लगे हैं भारत सरकार में

भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि अमेरिका के व्यापार प्रतिबंध और टैरिफ तथा ग्राहम एक्ट, अमेरिका की अन्य देशों पर दबाव डालने की रणनीति है

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 25 सितंबर। ट्रंप प्रशासन के प्रति अब तक अपनाए गए एक तरह से नतमस्तक रवैये से अलग एक दुर्लभ स्वतंत्र रुख जाहिर करते हुए भारत के चीफ इकोनॉमिक एडवाइज़र (सी ई ए) वी. अनंत नागेश्वरन ने आज अमेरिका के व्यापार प्रतिबंधों, टैरिफ और ग्राहम एक्ट को लगातार दबाव की एक व्यापक प्रक्रिया का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य देशों को प्रतिस्पर्धी भू-राजनीतिक गुटों में से किसी एक के साथ खड़े होने के लिए मजबूर करना है।

सी ई ए ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था तेजी से दो या तीन

- **नागेश्वरन ने साफ कहा कि भौगोलिक स्थिति, आर्थिक आकार व रणनीतिक महत्वाकांक्षा की वजह से भारत किसी एक गुट के साथ नहीं जुड़ सकता है।**
- **नागेश्वरन ने कहा कि व्यापार को हथियार बना दिया गया है और इसका इस्तेमाल बड़े देश दूसरे देशों को धमकाने के लिए कर रहे हैं।**

प्रतिस्पर्धी गुटों के बीच आकार ले सकती है, जिसमें भू-राजनीति (जियोपॉलिटिक्स) का व्यापार, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा पर प्रभाव लगातार बढ़ रहा है।

अनंत नागेश्वरन ने आज कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को अमेरिका के साथ अस्थिर संबंधों, वैश्विक ऊर्जा की कीमतों और देश में ए आई के क्षेत्र में सीमित भूमिका से निकट अवधि में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

जहां में पिछड़ापन और वैश्विक ऊर्जा कीमतें पहले से ज्ञात कारक हैं, वहीं संभवतः यह पहली बार है, जब किसी भारतीय सरकारी अधिकारी ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका के साथ संबंधों में आई खटास को स्वीकार किया है। अब तक नई दिल्ली अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की नाराजगी के डर से एक आज्ञाकारी साझेदार की भूमिका निभाती रही है।

सी ई ए के अनुसार, ग्राहम एक्ट और व्यापार प्रतिबंधों जैसे कदमों को देशों पर रणनीतिक विकल्प चुनने के बढ़ते दबाव के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। ग्राहम एक्ट अमेरिकी राष्ट्रपति को उन देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देता है, जो रूसी तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं।

नागेश्वरन ने कहा कि भारत की भौगोलिक स्थिति, आर्थिक आकार और रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं की वजह से देश के लिए किसी एक भू-राजनीतिक गुट के साथ पूरी तरह जुड़ना मुश्किल हैं।

हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि रणनीतिक लचीलापन बनाए रखने की भी आर्थिक और नीतिगत कीमत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल आज प्रतापगढ़, उदयपुर जायेंगे

जयपुर, 25 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को प्रतापगढ़ और उदयपुर के दौरे पर रहेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत, मुख्यमंत्री प्रतापगढ़ में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर करोड़ों रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। इसके

- **वे विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण करेंगे तथा भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे।**

साथ ही वे जनसभा को संबोधित करने के अलावा, भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद भी करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री सुबह 11 बजे जयपुर एयरपोर्ट से प्रतापगढ़ के लिए रवाना होंगे। दोपहर करीब 12:40 बजे वे प्रतापगढ़ पहुंचकर दीपेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना करेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोचिंग संचालक द्वारा विरोधी अधिवक्ताओं को जान से मारने की धमकी का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

जयपुर के गोपालपुरा बाईपास से गैर कानूनी कोचिंग सैंटर्स को हटाने की पैरवी नहीं करने के लिए धमकी दी गई थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 25 सितंबर । राजधानी जयपुर के गोपालपुरा बाईपास पर संचालित कोचिंग संस्थानों को हटाने के मामले में 22 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में पुनः सुनवाई हुई। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजदीपक रस्तोगी ने पैरवी करते हुए अदालत में कहा कि, जयपुर के एक कोचिंग संचालक रघुवीर सिंह डागुर ने उन्हें व 10-बी स्कीम विकास समिति के महासचिव गोपाल कुमार अग्रवाल व अध्यक्ष वीरेंद्र अग्रवाल को 10 सितंबर को जान से मारने की धमकी दी थी, लेकिन जयपुर पुलिस इस मामले में कार्रवाई नहीं कर रही, जबकि धमकी देने वाले रघुवीर सिंह डागुर के खिलाफ शिप्रापथ थाने में 11 सितंबर को ही एफआईआर दर्ज करवायी जा चुकी है।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिए कि मुख्य सचिव और डी.जी.पी. को 24 सितंबर को हाजिर होकर जवाब दें कि, अभियुक्त पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई? उधर इस प्रकरण में राजस्थान सरकार की ओर से उपस्थित हुए अधिवक्ताओं ने अदालत में कहा कि, उन्होंने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से फोन पर बात कर ली है, डीजीपी ने 24 घंटे के भीतर आरोपी पर सख्त कार्रवाई करने का वादा किया है। जिस पर अदालत ने डीजीपी व मुख्य सचिव की व्यक्तिगत उपस्थिति रोकते हुए मामले की सुनवाई 23 नवंबर तय कर दी, परंतु हैरानी की बात है कि सुप्रीम कोर्ट में दिए गए आश्वासन के 3 दिन बाद भी पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया।

वरिष्ठ अधिवक्ता राजदीपक रस्तोगी ने अदालत में यह भी बताया कि, 4 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने विस्तृत आदेश पारित किया था, जिसके बाद

- **वरिष्ठ अधिवक्ता राजदीपक रस्तोगी ने अदालत में कहा कि, "जयपुर के कोचिंग संचालक रघुवीर सिंह डागुर ने हमें जान से मारने की धमकी दी और सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की पैरवी नहीं करने के लिए धमकाया।"**
- **इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने डीजीपी व मुख्य सचिव को 24 सितंबर को हाजिर होकर जवाब देने के आदेश दिए थे, परंतु राज्य सरकार के अधिवक्ताओं ने कहा कि डीजीपी ने 24 घंटे में इस मामले में सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। जिस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 23 नवंबर तक टाल दी।**
- **वरिष्ठ अधिवक्ता राजदीपक रस्तोगी ने कहा कि, "सुप्रीम कोर्ट में आश्वासन देने के 3 दिन बाद भी आरोपी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है, इस प्रकरण को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष रखा जाएगा।"**

जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने 44 कोचिंग सेंटर्स को सील किया, जबकि करीब 22 कोचिंग सेंटर खुद ही यहां से शिफ्ट हो गए। गोपालपुरा बाईपास पर करीब 150 से ज्यादा कोचिंग सेंटर संचालित हैं, शेष बचे कोचिंग संस्थानों पर जेडीए प्रशासन कार्रवाई नहीं कर रहा है, इस कारण कई बड़े कोचिंग संस्थान बिना रोक-टोक चल रहे हैं।

इस प्रकरण में राजदीपक रस्तोगी का कहना है कि, सुप्रीम कोर्ट में डीजीपी की ओर से यह आश्वासन दिया गया था कि जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी रघुवीर सिंह डागुर पर 24 घंटे में कार्रवाई कर ली जाएगी, परंतु हैरानी की बात है कि अदालत में सरकार की ओर से आश्वासन दिए जाने के 3 दिन बाद तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है, यह मामला सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में लाया जायेगा।

गौरतलब है कि गत 11 सितंबर को 10-बी स्कीम विकास समिति के महासचिव गोपाल कुमार अग्रवाल ने शिप्रापथ थाने में कोचिंग संचालक रघुवीर सिंह डागुर के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करायी थी। उन्होंने एफ.आई.आर. में कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के 4 अगस्त के आदेशों के बाद जेडीए ने 10 सितंबर को गोपालपुरा बाईपास क्षेत्र में संचालित कोचिंग सेंटर्स पर जब कार्रवाई शुरू की तो कोचिंग संचालक रघुवीर सिंह डागुर ने उन्हें फोन कर भद्दी गालियां देते हुए धमकाया। आरोप है कि डागुर ने धमकी दी कि अगली तारीख पर सुप्रीम कोर्ट से केस वापस नहीं लिया तो गोपाल अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल और राजदीपक रस्तोगी को जान से मरवा दिया जाएगा। धमकी के दौरान कथित तौर पर डागुर ने अपनी राजनीतिक पहुंच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा आज रिटायर होंगे

जयपुर, 25 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश व एक्टिंग सीजे रहे संजीव प्रकाश शर्मा शनिवार को रिटायर हो रहे हैं। अपने रिटायरमेंट से एक दिन पहले जस्टिस शर्मा हाईकोर्ट परिसर

- **बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों व वकीलों ने माला, साफा पहनाकर सम्मान किया।**

में वकीलों के बीच पहुंचे और उनसे अपने अनुभव साझा किए।

हाईकोर्ट के कॉरिडोर से होते हुए जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा गांधी चौक पहुंचे। यहां बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित दर्जनों वकीलों ने माला व साफा पहनाकर उनका सम्मान किया और आगामी जीवन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान हाईकोर्ट मुंशी संघ ने भी जस्टिस शर्मा का सम्मान किया।

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। –रामदास

सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता का पैमाना अब नामांकन नहीं, सीखने के परिणाम हों

भारत में स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में पिछले दो दशकों में बड़ा बदलाव आया है। कभी चुनौती बच्चों को स्कूल तक पहुंचाने की थी, लेकिन अब तस्वीर काफी हद तक बदल चुकी है। आज देश के सामने बड़ा सवाल यह है कि जो बच्चे स्कूल पहुंच रहे हैं, वे वास्तव में कितना सीख पा रहे हैं। किसी स्कूल में बच्चों की संख्या बढ़ जाना, भवन का निर्माण हो जाना, स्मार्ट क्लास लग जाना या किताबें और यूनिफॉर्म उपलब्ध करा देना शिक्षा की गुणवत्ता का अंतिम प्रमाण नहीं हो सकता। शिक्षा की असली कसौटी यह है कि बच्चा अपनी कक्षा के अनुरूप पढ़, लिख और गणित कर पा रहा है या नहीं।

भारत में यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकारी स्कूल देश की शिक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा आधार हैं। यूडाइस 'UDISE+ 2024-25' के अनुसार देश में लगभग 14.71 लाख स्कूल हैं, जिनमें करीब 10.13 लाख सरकारी स्कूल हैं। यानी कुल स्कूलों का लगभग 69 प्रतिशत सरकारी क्षेत्र में है। इसी वर्ष देश के 24.69 करोड़ विद्यार्थियों में करीब 12.16 करोड़ विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे थे। सरकारी स्कूलों में लगभग 51.5 लाख शिक्षक कार्यरत हैं।

ये आंकड़े बताते हैं कि सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता केवल शिक्षा विभाग का विषय नहीं है, बल्कि देश के मानव संसाधन और भविष्य की अर्थव्यवस्था से सीधे जुड़ा प्रश्न है। हालांकि तस्वीर पूरी तरह निराशाजनक भी नहीं है। शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट यानी असर 'ASER 2024' के आंकड़े बताते हैं कि सरकारी स्कूलों के बच्चों के बुनियादी पढ़ने और गणित के स्तर में 2022 के मुकाबले उल्लेखनीय सुधार हुआ है। ग्रामीण भारत में कक्षा तीसरी के सरकारी स्कूल के बच्चों में कक्षा दूसरी के स्तर का पाठ पढ़ पाने वाले बच्चों का अनुपात 2022 में 16.3 प्रतिशत था, जो 2024 में बढ़कर 23.4 प्रतिशत हो गया। इसी तरह कक्षा पांचवीं में यह अनुपात 38.5 प्रतिशत से बढ़कर 44.8 प्रतिशत हुआ।

गणित में भी सुधार दिखाई देता है। कक्षा तीसरी के सरकारी स्कूलों के बच्चों में कम से कम दो अंकों की घटाव की समस्या हल कर पाने वालों का अनुपात 2022 में 20.2 प्रतिशत था, जो 2024 में बढ़कर 27.6 प्रतिशत हुआ। कक्षा पांचवीं में तीन अंकों को एक अंक से भाग देने की क्षमता रखने वाले बच्चों का अनुपात भी सुधरा है। असर रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रीय स्तर पर बुनियादी अंकगणित का प्रदर्शन एक दशक से अधिक समय में अपने ऊंचे स्तरों में पहुंचा है।

इन आंकड़ों को एक सकारात्मक बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा सकता है, लेकिन इनके भीतर एक गंभीर संदेश भी छिपा है। अगर कक्षा पांचवीं के सरकारी स्कूल के लगभग 55 प्रतिशत बच्चे कक्षा दूसरी के स्तर का पाठ सहजता से नहीं पढ़ पा रहे हैं, तो केवल स्कूल में उनका नामांकन होना पर्याप्त उपलब्धि नहीं माना जा सकता। यह अंतर बताता है कि अब शिक्षा व्यवस्था को स्कूल पहुंचाने से आगे बढ़कर सीखने की क्षमता पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

यही कारण है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति यानी एनईपी 2020 में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखा गया है। निपुन भारत मिशन का उद्देश्य बच्चों को शुरुआती कक्षाओं में पढ़ने-समझने और गणित की बुनियादी क्षमताएं हासिल कराना है। सरकार ने कक्षा तीन के अंत तक प्रत्येक बच्चे को इन बुनियादी क्षमताओं से लैस करने का लक्ष्य रखा है।

इस दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। पहले शिक्षा की सफलता को अक्सर स्कूलों की संख्या, नामांकन, परीक्षा परिणाम और बुनियादी सुविधाओं से मापा जाता था। अब सवाल यह होना चाहिए कि बच्चा वास्तव में क्या कर सकता है। क्या वह अपनी किताब को समझकर पढ़ सकता है? क्या वह किसी समस्या को अपने शब्दों में समझा सकता है? क्या वह सामान्य गणितीय गणना कर सकता है? क्या वह रटने के बजाय अवधारणा को समझता है? क्या वह सीखी हुई बात को रोजमर्रा की जिंदगी में इस्तेमाल कर सकता है? यही सीखने के परिणाम की अवधारणा है।

इस दिशा में परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 भी महत्वपूर्ण है। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार दिसंबर 2024 में हुए इस राष्ट्रीय सर्वेक्षण में 87,619 स्कूलों और लगभग 22.94 लाख विद्यार्थियों को शामिल किया गया। कक्षा तीसरी के स्तर पर भाषा में राष्ट्रीय स्तर का सही उत्तर देने का प्रदर्शन 2021 के 62 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 64 प्रतिशत और गणित में 57 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हुआ। इससे संकेत मिलता है कि सुधार हो रहा है, लेकिन सुधार की गति और उसकी गुणवत्ता दोनों पर लगातार नजर रखना आवश्यक है।

> **सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने की पहली शर्त है कि शिक्षक को केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाला कर्मचारी न माना जाए, बल्कि उसे सीखने की प्रक्रिया का केंद्र बनाया जाए। शिक्षक के सामने यदि अत्यधिक गैर-शैक्षणिक कार्य, प्रशासनिक जिम्मेदारियां और कागजी औपचारिकताएं होंगी तो कक्षा में व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन होगा। शिक्षा नीति भी निरंतर शिक्षक प्रशिक्षण और पेशेवर विकास पर जोर देती है।**

सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने की पहली शर्त है कि शिक्षक को केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाला कर्मचारी न माना जाए, बल्कि उसे सीखने की प्रक्रिया का केंद्र बनाया जाए। शिक्षक के सामने यदि अत्यधिक गैर-शैक्षणिक कार्य, प्रशासनिक जिम्मेदारियां और कागजी औपचारिकताएं होंगी तो कक्षा में व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन होगा। शिक्षा नीति भी निरंतर शिक्षक प्रशिक्षण और पेशेवर विकास पर जोर देती है। एनईपी 2020 में प्रत्येक स्कूल में शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात को बेहतर रखने तथा वंचित क्षेत्रों में और कम अनुपात का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन केवल शिक्षक प्रशिक्षण पर्याप्त नहीं है। स्कूल में ऐसा वातावरण भी चाहिए जिसमें शिक्षक प्रयोग कर सके। हर बच्चे की सीखने की गति समान नहीं होती। एक बच्चा पहली बार में पढ़ना सीख सकता है, दूसरा कई बार अभ्यास के बाद। इसलिए कक्षा में केवल औसत बच्चे को ध्यान में रखकर पढ़ाने की व्यवस्था कमजोर बच्चों को पीछे छोड़ सकती है।

यहीं पर रीमेडियल टीचिंग यानी सीखने में पीछे रह गए बच्चों के लिए अतिरिक्त और लक्षित शिक्षण महत्वपूर्ण हो जाता है। यदि कक्षा पांच में पहुंच चुके बच्चे को कक्षा दूसरी के स्तर का पाठ पढ़ने में कठिनाई है तो उसे केवल कक्षा पांच का पाठ पढ़ाते रहना समाधान नहीं है। पहले उसके वास्तविक सीखने के स्तर की पहचान करनी होगी और फिर उसी स्तर से उसे आगे बढ़ाना होगा। दूसरी महत्वपूर्ण चुनौती है मूल्यांकन की। परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना और वास्तविक ज्ञान होना हमेशा एक ही बात नहीं है। बच्चों को प्रश्नों के उत्तर याद कराने के बजाय ऐसी परीक्षा प्रणाली विकसित करनी होगी जो उनकी समझ, तर्क, समस्या समाधान और भाषा क्षमता को मापे। शिक्षा व्यवस्था में लगातार मूल्यांकन का उद्देश्य बच्चों को डराना नहीं बल्कि यह पता लगाना होना चाहिए कि किस बच्चे को किस विषय में मदद की जरूरत है।

तीसरा क्षेत्र है अभिभावकों की भागीदारी। सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता की जिम्मेदारी केवल सरकार और शिक्षक की नहीं हो सकती। घर का वातावरण भी सीखने पर प्रभाव डालता है। माता-पिता यदि रोज कुछ समय बच्चों से पढ़ने, लिखने और गणित के सामान्य सवालों पर बातचीत करें तो इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसके लिए अभिभावकों का उच्च शिक्षित होना भी आवश्यक नहीं है। बच्चे से अखबार की कोई छोटी खबर पढ़वाना, बाजार के सामान का हिसाब करवाना या किसी कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहना भी सीखने का हिस्सा हो सकता है।

डिजिटल तकनीक इस पूरी प्रक्रिया को गति दे सकती है, लेकिन तकनीक को शिक्षक का विकल्प मानना उचित नहीं होगा। दीक्षा DIKSHA (Digital Infrastructure for Knowledge Sharing) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बड़ी मात्रा में शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध है। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार DIKSHA पर लाखों डिजिटल सामग्री उपलब्ध हैं और अनेक भारतीय भाषाओं में संसाधन तैयार किए गए हैं। लेकिन डिजिटल सामग्री तभी प्रभावी होगी जब बच्चे के पास उपकरण, इंटरनेट और उसका सही उपयोग कराने वाला शिक्षक या अभिभावक भी हो।

सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए बुनियादी सुविधाओं की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। साफ-सुथरे और सुरक्षित भवन, बिजली, पेयजल, शौचालय, पुस्तकालय, प्रयोगशाला और खेल की सुविधाएं बच्चों के लिए आवश्यक हैं। मगर इन सुविधाओं को शिक्षा की अंतिम उपलब्धि मान लेना भी गलत होगा। एक स्कूल में शानदार भवन हो सकता है, लेकिन यदि बच्चे पढ़ नहीं पा रहे हैं तो गुणवत्ता का सवाल फिर भी बना रहेगा। इसलिए भविष्य में सरकारी स्कूलों की निगरानी का मॉडल बदलने की जरूरत है। स्कूल में कितने कमरे हैं, कितने बच्चों का नामांकन है और कितने कार्यक्रम आयोजित हुए-इनके साथ यह भी नियमित रूप से देखा जाना चाहिए कि कक्षा तीन का बच्चा क्या पढ़ सकता है, कक्षा पांच का बच्चा कौन-सा गणित कर सकता है और कक्षा आठ का विद्यार्थी पाठ को समझकर अपनी बात लिख सकता है या नहीं।

यहां एक और सावधानी जरूरी है। सीखने के परिणामों की तुलना करते समय सरकारी और निजी स्कूलों को केवल एक-दूसरे के मुकाबले खड़ा करना समस्या का पूरा समाधान नहीं है। दोनों में पढ़ने वाले बच्चों की सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि अलग हो सकती है। इसलिए लक्ष्य किसी एक स्कूल प्रणाली को श्रेष्ठ घोषित करना नहीं, बल्कि हर बच्चे के सीखने के स्तर को ऊपर उठाना होना चाहिए। भारत की शिक्षा व्यवस्था के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती शायद स्कूलों तक पहुंच नहीं, बल्कि स्कूल में मिलने वाली शिक्षा की गुणवत्ता है। नामांकन के क्षेत्र में भारत ने बड़ी प्रगति की है। अब अगला चरण सीखने के अधिकार को वास्तविक अर्थ देना है।

एक बच्चा स्कूल में पांच साल बिताने के बाद यदि सरल पाठ पढ़ने में कठिनाई महसूस करता है या सामान्य गणितीय समस्या हल नहीं कर पाता, तो हमें केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि वह स्कूल क्यों नहीं सीख पाया। हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी शिक्षा व्यवस्था ने उसे सीखने के पर्याप्त अवसर क्यों नहीं दिए। सरकारी स्कूल भारत के करोड़ों परिवारों के बच्चों के सपनों का आधार हैं। इसलिए इन स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार का अर्थ केवल शिक्षा विभाग का प्रदर्शन सुधारना नहीं, बल्कि देश के भविष्य की गुणवत्ता सुधारना है। अब समय आ गया है कि स्कूलों की सफलता का पैमाना केवल यह न हो कि कितने बच्चे स्कूल पहुंचे, बल्कि यह हो कि स्कूल से निकलने तक कितने बच्चे वास्तव में सीख पाए। नामांकन शिक्षा की शुरुआत है, मंजिल नहीं। असली मंजिल है-हर बच्चे का सीखना।

–अतिथि सम्पादक,राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

यूपीआई पर एमडीआर का शोर, कार्ड की पुरानी कीमत कौन याद करेगा?

कार्ड से यूपीआई तकः भुगतान की कीमत कितनी बदली?

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

जब से भारत में यूपीआई पर एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट को लेकर चर्चा शुरू हुई है, तब से तरह-तरह की बातें हो कह रहा है कि इससे यूपीआई का इस्तेमाल कम होगा और कुछ लोग डिजिटल भुगतान से दूरी बनाने की बात कर रहे हैं। लेकिन इस बहस में एक महत्वपूर्ण बात छूट रही है। इसका दूसरी व्यवस्थाओं से तुलनात्मक अध्यन

पहले कार्ड भुगतान की कीमत देखिए -एमडीआर वह शुल्क है जो व्यापारी को डिजिटल भुगतान स्वीकार करने के लिए देना पड़ता है। कार्ड भुगतान में ग्राहक का बैंक, व्यापारी का बैंक, वीजा, मास्टरकार्ड जैसे कार्ड नेटवर्क और भुगतान सेवा प्रदाता शामिल होते हैं। भारत में क्रेडिट कार्ड का एमडीआर आम तौर पर करीब 1.5 से 3.5 प्रतिशत के दायरे में रहा है। कुछ प्रीमियम, कॉरपोरेट, अंतरराष्ट्रीय या विशेष कार्ड श्रेणियों में यह इससे अधिक भी हो सकता है। इसलिए हर वीजा या मास्टरकार्ड भुगतान पर 3 से 5 प्रतिशत शुल्क लगता था, ऐसा कहना सही नहीं होगा। लेकिन यह जरूर है कि कई क्रेडिट कार्ड भुगतानों की लागत यूपीआई के प्रस्तावित 0.40 प्रतिशत से कई गुना अधिक रही है। यानी 10,000 के भुगतान पर 0.40 प्रतिशत का मतलब 40 है, जबकि 2 प्रतिशत कार्ड एमडीआर पर 200 और 3 प्रतिशत पर 300। और रेलवे तथा पेट्रोल जैसे आवश्यक क्षेत्रों में 2,000 से अधिक के यूपीआई भुगतान पर सामान्य 0.40 प्रतिशत के बजाय 5 प्रति लेनदेन का निश्चित एमडीआर रखा गया है। पूंजी बाजार से जुड़े भुगतान के लिए दर केवल 0.02 प्रतिशत एवं 300/- अधिकतम। इससे साफ है कि सभी क्षेत्रों पर एक जैसा शुल्क नहीं लगाया गया है। क्या हर यूपीआई भुगतान पर 0.40 प्रतिशत लगेगा? बिल्कुल नहीं। व्यक्ति से व्यक्ति भुगतान मुफ्त रहेगा। 2,000 तक के व्यापारी भुगतान भी शून्य एमडीआर के दायरे में रहेंगे। पात्र छोटे व्यापारियों के लिए भी शून्य एमडीआर की व्यवस्था जारी है। सरकार के अनुसार करीब 96 प्रतिशत पी2एम लेनदेन नए एमडीआर से प्रभावित नहीं होंगे। सामान्य पात्र बड़े कारोबारी भुगतान में 2,000 से अधिक की राशि पर 0.40 प्रतिशत एमडीआर लागू होगा, लेकिन 75,000 या उससे अधिक के लेनदेन पर इसकी अधिकतम सीमा 300 प्रति लेनदेन रखी गई है। इसलिए यह कहना कि "अब हर यूपीआई भुगतान पर 0.40 प्रतिशत लगेगा", पूरी तरह सही नहीं है। और एमडीआर ग्राहक से लिया जाने वाला कर नहीं है। यह व्यापारी और भुगतान व्यवस्था के बीच का शुल्क है। ग्राहक से अलग से यूपीआई शुल्क वसूलना इस व्यवस्था का उद्देश्य नहीं है।

रेलवे और पेट्रोल पर 5 का मॉडल क्यों?- रेलवे, ईंधन, दूरसंचार, बीमा और कृषि इनपुट जैसे क्षेत्रों को सामान्य कारोबार से अलग रखा गया है। इन क्षेत्रों में भुगतान की रकम बड़ी हो सकती है, लेकिन लाभ का मार्जिन उसी अनुपात में बड़ा हो, यह जरूरी नहीं। अगर 10,000 के पेट्रोल भुगतान पर 0.40 प्रतिशत लगता तो शुल्क 40 होता। लेकिन निश्चित 5 की व्यवस्था में वही लागत 5 रहती है। यानी सरकार ने इन आवश्यक सेवाओं के लिए प्रतिशत आधारित शुल्क के बजाय निश्चित शुल्क का मॉडल अपनाया है। यूपीआई की असली उपलब्धि केवल सस्ता भुगतान नहीं है। यूपीआई ने भारत में छोटे व्यापार की तस्वीर बदल दी है। आज सड़क किनारे चाय बेचने वाला व्यक्ति भी क्यूआर कोड से भुगतान ले सकता है। उसे जरूरी नहीं कि कार्ड मशीन रखनी पड़े। ग्राहक के पास नकद नहीं है तो भी भुगतान हो सकता है और पैसा सीधे बैंक खाते में पहुंच सकता है। इससे छोटे व्यापारी की बिक्री का डिजिटल रिकॉर्ड बनता है। बैंक को उसके वास्तविक कारोबार और आमदनी की जानकारी मिलती है। धीरे-धीरे उसकी बैंकिंग हिस्ट्री बनती है और उसी आधार पर वह एफडी, आरडी, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार या बैंक ऋण जैसी वित्तीय सुविधाओं तक पहुंच बना सकता है। यूपीआई ने केवल पैसा भेजने का तरीका नहीं बदला है, इसने छोटे व्यापारी को नकद आधारित अनौपचारिक अर्थव्यवस्था से निकालकर औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने का काम किया है।

हमें पुराने बैंकिंग दौर को भी याद करना चाहिए-आज यूपीआई की सुविधा इतनी सामान्य हो गई है कि हमें पुराने दौर की कठिनाइयां याद ही नहीं रहतीं। जब ई-चेक क्लियरिंग, एनईएफटी, आरटीजीएस और आईएमपीएस जैसी सुविधाएं नहीं थीं, तब दूसरे शहर में भुगतान करना लंबी प्रक्रिया थी। कई बार सोमवार को भुगतान करने के बाद मंगलवार या बुधवार तक बैंक ड्राफ्ट मिलता था। एक लाख रुपये पर करीब डेढ़ सौ रुपये का शुल्क लगता था। फिर ड्राफ्ट डाक रजिस्ट्री से दूसरे शहर भेजा जाता था, जिसमें तीन-चार दिन लगते थे और उसके बाद क्लियरिंग में कई दिन और।

आउटस्टेशन चेक की स्थिति तो और कठिन थी। जयपुर के व्यापारी को मुंबई का चेक मिलता था तो वह मुंबई क्लियरिंग के लिए भेजा जाता था। इसमें एक लाख रुपये पर 300 से 400 रुपये तक शुल्क और कई बार 15 दिन से एक महीने तक का समय लग जाता था। आज यूपीआई के कुछ सेकंड में होने वाले भुगतान को देखकर वह दौर लगभग अविश्वसनीय लगता है।

तकनीक का बहिष्कार समाधान नहीं है-करीब 35 साल पहले जब बैंकों और शेयर बाजार में कंप्यूटरीकरण शुरू हुआ था, तब भी इसका विरोध हुआ था। लोगों को डर था कि कंप्यूटर रोजगार खत्म कर देगा और पुरानी व्यवस्था बदल जाएगी। लेकिन क्या आज बैंकिंग, शेयर बाजार, व्यापार, शिक्षा और रोजगार का शायद ही कोई क्षेत्र कंप्यूटर के बिना चल सकता है। यूपीआई भी उसी तकनीकी बदलाव का अगला चरण है। इसलिए एमडीआर पर सवाल जरूर उठाइए। सरकार से सवाल कीजिए। बैंकों और भुगतान कंपनियों से बेहतर और कम लागत वाली व्यवस्था की मांग कीजिए। लेकिन तकनीक का बहिष्कार मत कीजिए। अन्यथा तकनीक हमें बाहर निकाल देगी।

आज अधिकांश लोगों की तनख्वाह बैंक खाते में आती है। बिल, रिचार्ज, टिकट और खरीदारी मोबाइल से होती है। ग्राहक की जेब में पहले की तरह हर समय नकद नहीं रहता। एक समय था जब पैसे कम पड़ने पर दुकानदार टॉफी/बिस्कुट देकर हिसाब बराबर कर देता था। वह जमाना तेजी से बदल चुका है। आज ग्राहक के हाथ में मोबाइल है और मोबाइल के अंदर बैंक है। ऐसे में अगर कोई व्यापारी कहता है कि "मैं यूपीआई नहीं लूंगा", तो संभव है कि ग्राहक किसी दूसरे व्यापारी के पास चला जाए।

नकद भुगतान पर एमडीआर नहीं लगता, लेकिन नकद को गिनना, सुरक्षित रखना, बैंक में जमा करना, हिसाब मिलाना और चोरी या नुकसान का जोखिम भी एक लागत है। इसलिए व्यापारी को केवल यूपीआई के एमडीआर को नहीं, बल्कि पूरी भुगतान व्यवस्था की कुल लागत को देखना चाहिए। असली बहस क्या होनी चाहिए? जब से भारत में ई-चेक क्लियरिंग, एनईएफटी, आरटीजीएस, आईएमपीएस जैसी बैंकिंग सुविधाएं शुरू हुई हैं, तब से हमारी बैंकिंग व्यवस्था में बहुत बड़ा बदलाव आया है। लेकिन जरा उस समय को याद कीजिए जब ये सुविधाएं नहीं थीं।

किसी व्यापारी ने सोमवार को भुगतान किया तो कई बार मंगलवार या बुधवार तक बैंक ड्राफ्ट मिलता था। एक लाख रुपये पर करीब डेढ़ सौ रुपये का शुल्क लगता था। फिर ड्राफ्ट रजिस्ट्री से दूसरे शहर भेजा जाता था, पहुंचने में तीन-चार दिन लगते थे और क्लियरिंग में कई दिन और। पूरी प्रक्रिया में 10 दिन तक लग जाते थे। पूंजी अटकने का ब्याज और बाकी लागत अलग। आउटस्टेशन चेक की स्थिति तो और मुश्किल थी। जयपुर में बैठे व्यापारी को मुंबई का चेक मिलता था तो उसे मुंबई क्लियरिंग के लिए भेजा जाता था। इसमें एक लाख रुपये पर 300-400 रुपये तक शुल्क और कई बार 15 दिन से एक महीने तक का समय लग जाता था। आज के यूपीआई के दौर में यह सब लगभग अविश्वसनीय लगता है। अगर पूरी व्यवस्था को देखें तो यूपीआई भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुका है। इसलिए एमडीआर पर बहस जरूर होनी चाहिए, लेकिन यूपीआई के इस व्यापक आर्थिक और सामाजिक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि यूपीआई की सबसे बड़ी ताकत, यानी कम लागत, आसान पहुंच और ग्राहक की सुविधा, कमजोर न हो। एमडीआर पर सवाल जरूर कीजिए, लेकिन समाधान यूपीआई छोड़ना नहीं है।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

ज्ञानेश की मनमानी, चुनाव आयोग की बदनामी

राजेन्द्र भाणावत

कहा जाता है कि किसी भी व्यक्ति या संस्था को अपनी प्रतिष्ठा अर्जित करने में सालों लग जाते हैं और इसके लिए प्रयास भी बहुत करना पड़ता है। इसके विपरीत, किसी भी संस्था की प्रतिष्ठा को ध्वस्त करने के लिए एक ही व्यक्ति और उसके क्रिया कलाप काफी होते हैं। यह कथन चुनाव आयोग के बारे में शत प्रतिशत सिद्ध होता दिखाई दे रहा है।

1990 में जब टी एन शेषन मुख्य चुनाव आयुक्त बने तो उन्होंने कई प्रकार के चुनाव सुधार किए। चुनावों को स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाने के लिए उठाए गए कदमों के लिए उन्हें आज तक याद किया जाता है। चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा में गिरावट की शुरुआत गत मुख्य चुनाव अयुक्त राजीव कुमार के समय से हुई जब उन्होंने कई निर्णय, सत्ताधारी दल के पक्ष में लिए, चाहे वह मतदान की तिथियों की घोषणा का हो, आचार संहिता की पालना का हो या नामांकन रद्द करने का हो। मार्च, 2025 में जब से ज्ञानेश कुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त का पद संभाला तब से तो चुनाव आयोग की साख को मिट्टी में ही मिला दिया गया। अनेक प्रश्न मीडिया और विपक्षी दलों द्वारा पूछे गए किंतु इन्होंने किसी का उत्तर तक देना सही नहीं समझा। गत डेढ़ वर्ष से जिस प्रकार से चुनाव आयोग काम कर रहा है, उससे तो ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग स्वतंत्र, संवैधानिक संस्था के रूप में नहीं अपितु भाजपा सरकार के प्रकोष्ठ के रूप में कार्य कर रहा है। शेषन के समय में ही चुनाव आयोग को त्रि सदस्यीय आयोग बना दिया गया और यह निर्धारित कर दिया गया था कि आयोग के सभी निर्णय यथासंभव सर्वसम्मति से होंगे। यदि सर्वसम्मति न बन पाए तो तीन सदस्यों के बहुमत के आधार पर निर्णय होंगे और इस बारे में मुख्य चुनाव आयुक्त को कोई विशेष अधिकार नहीं दिया गया।

इंडियन एक्सप्रेस के 23 सितंबर 2026 के अंक में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित हुई है जिसमें यह बताया गया है कि कैसे चुनाव आयोग की निर्णय प्रक्रिया में दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की आपत्तियों को नजरअंदाज किया गया एवं उनके द्वारा समय-समय पर लिखित में आपत्ति दर्ज कराने के बावजूद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अपने ही स्तर पर उन्हें लागू कर दिया। इस प्रकार के निर्णयों का परिणाम आज पूरा देश भुगत रहा है।

जो एस आई आर, बिहार में जून 2025 से लागू की गई, आज वह पूरे देश में फैल चुकी है और इसके फल स्वरुप लगभग साढे 13 करोड़ मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट में से हटा दिए गए हैं। बंगाल के चुनाव में तो ज्ञानेश कुमार ने अवैधानिक कार्यों की सारी सीमाएं पार कर दीं। मतदाताओं की आपत्तियों पर निर्णय करने के लिए न्यायिक सेवा के 700 ए डी जे को नियुक्त कर दिया। ऐसा, चुनावी इतिहास में पहली बार हुआ। इनके निर्णयों के विरुद्ध अपील की सुनवाई के लिए ट्रिब्यूनल बनाए गए। इन में 16 लाख अपील दायर हुईं,जिनमें से अब तक कुल मिलाकर 126000 का निर्णय हुआ। सब अपीलों का निर्णय होने में सालों लग जाएंगे।अपीलों में से 93 प्रतिशत का निर्णय अपील कर्ता के पक्ष में हुआ और इन लोगों के नाम पुन: मतदाता सूची में जोड़े गए। स्पष्ट है, प्रथम दृष्टया, मतदाता सूची में से नाम काटना ही एक मनमाना पूर्ण निर्णय था। इतनी अधिक संख्या में नाम काटने के पीछे 'लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी' का तर्क दिया गया। 22 लाख अपीलें नाम हटाने के लिए ट्रिब्युनल के पास गईं किंतु यह नहीं पता चल पाया कि आपत्ति किसने की। ये सारी आपत्तियां शायद केंद्रीकृत रूप से चुनाव आयोग द्वारा ही दाखिल की गईं।

फॉर्म 6, जिसके द्वारा नए मतदाताओं का नाम जोड़ा जाता है, में बदलाव करने के लिए कानून में परिवर्तन की आवश्यकता थी जो केवल संसद द्वारा किया जा सकता था। ज्ञानेश कुमार ने अपने स्तर पर ही इसके साथ एक संलग्नक अनिवार्य कर दिया, जिसमें नए मतदाता के माता-पिता, दादा-दादी के नाम 2002 की मतदाता सूची में होने का प्रमाण मांगा गया था। यह बदलाव ज्ञानेश कुमार ने अपने स्तर पर ही कर दिया जबकि इसका दोनों आयुक्तों ने विरोध किया था। उनके अनुसार यह अनधिकृत और अवैधानिक था।

दिल्ली का मामला तो और भी विचित्र है। यहां 58 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए और 33 लाख मतदाताओं को संदेहपूर्ण मानते हुए उन्हें अपनी पहचान सिद्ध करने और वोटर होने की पात्रता सिद्ध करने हेतु नोटिस जारी कर दिए। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयोग की मीटिंगों का न एजेंडा बनाया जाता था और न मीटिंग के मिनट जारी किए जाते थे,जिससे यह सिद्ध हो सके कि निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए। निर्वाचक नामावली में नाम जोड़ने और हटाने के लिए ई आर ओ (इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर) प्राधिकृत अधिकारी हैं। ज्ञानेश कुमार ने यह अधिकार आयोग के आईटी सेल के प्रभारी को दे दिया। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एस आई आर), जिसका कि किसी भी चुनाव संबंधी कानून में जिक्र तक नहीं है, को पूरे देश में लागू कर दिया गया और इसके लिए चुनाव आयोग का कोई निर्णय भी नहीं हुआ। यह बात चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत शपथ पत्र में स्वीकारी है। यदि यह कहा जाए कि चुनाव आयोग केवल ज्ञानेश कुमार की कठपुतली बन कर रह गया और अन्य दो सदस्य केवल मूक दर्शक की तरह ही देखते रहे तो, गलत नहीं होगा। पहले तो यह माना जा रहा था कि दोनों चुनाव आयुक्तों ने ज्ञानेश कुमार के गलत कामों पर सहमति दी है, किंतु इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट से ऐसा लगता है कि चुनाव आयुक्तों की अंतरात्मा पूरी तरह मरी नहीं थी और उन्होंने समय-समय पर अपने एतराज लिखित में दर्ज कराए थे। यह अलग बात है कि वह सार्वजनिक तौर पर ऐसा कहने से बचते रहे हैं। इस बात के लिए इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्टर रितिका चोपड़ा की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है कि उन्होंने इतनी मेहनत से यह रिपोर्ट सामने लाई है। इस खुलासे ने देश में एक प्रकार से, भूचाल सा ला दिया है।

विचित्र बात यह है कि चुनाव आयोग इस बारे में न तो कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहा है न उसने इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट का कोई खंडन किया है। सर्वोच्च न्यायालय में लंबित एस आई आर संबंधी याचिकाओं पर कोई स्पष्ट निर्णय नहीं आया। इसी कारण एस आई आर की प्रक्रिया अब तक जारी है। योगेंद्र यादव, ए डी आर एवं राजनीतिक दलों द्वारा जो शिकायतें सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई थीं, उनका भी कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला। सर्वोच्च न्यायालय से अपेक्षा की जाती है कि जब कभी कोई गलत या मनमाना, अवैधानिक कार्य देश में हो रहा हो, तो उस पर अंकुश लगाने का काम वह करेगा। दुर्भाग्य वश, इस प्रकरण में ऐसा नहीं हुआ।

कुल मिलाकर देखें, तो लगता है कि चुनाव आयोग के निर्णय बहुमत से नहीं हुए और ज्ञानेश कुमार अपनी मनमानी करते रहे। इस कारण लोकतंत्र के आधार, 'चुनावों' को संदेह के घेरे में ला दिया है। जिस प्रकार से डेढ़ वर्ष में मतदाता सूचियों के बारे में निर्णय हुए और लाखों करोड़ों लोगों के नाम मनमाने तौर पर काट दिए गए, उससे तो लगता है कि ज्ञानेश कुमार ने सत्ता धारी दल के इशारे पर ही काम करना तय कर लिया था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करते-करते, ऐसा लगता है कि सामान्य विवेक को भी ताक पर रख दिया गया और करोड़ों मतदाताओं को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने के लिए मजबूर कर दिया। यह, उस मूल अवधारणा के विपरीत है जिसमें भारत के प्रत्येक उस नागरिक को, जो 18 वर्ष या ऊपर का है, मत देने का अधिकार है।

क्या पूरे देश का लोकतंत्र और यहां के नागरिकों का भविष्य केवल एक व्यक्ति ज्ञानेश कुमार के मनमाने व्यवहार पर छोड़ा जा सकता है? क्या पूरा देश बेबस होकर केवल देखता रहेगा ?

इसका हल तो तभी निकल सकता है जब, या तो सुप्रीम कोर्ट तत्काल एस आई आर पर रोक लगाए और जून 2025 से पूर्व की मतदाता सूचियों के आधार पर अब चुनाव कराने का आदेश दे, या ज्ञानेश कुमार स्वयं अपने पद से इस्तीफा दें ताकि आयोग अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुन: प्राप्त करने की ओर अग्रसर हो सके। यदि ये दोनों ही काम नहीं हुए तो फिर अंतिम विकल्प यही बचता है कि कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में जनता आंदोलन करे और जिस प्रकार धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लिया गया, उसी प्रकार ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देने के लिए बाध्य किया जाए। इस आंदोलन की घोषणा तो कोकरोच जनता पार्टी के दीपके ने कर ही दी है।

ज्ञानेश कुमार एक काम तो कर ही सकते हैं कि वे तत्काल प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाएं और चुनाव आयोग की प्रक्रिया के संबंध में उत्पन्न हुए संदेह का निराकरण करें।

यह भी विचित्र बात है कि चुनाव आयोग के निर्णय का बचाव करने हेतु चुनाव आयोग सामने नहीं आया है, अपितु भारतीय जनता पार्टी उसके निर्णय का बचाव कर रही है। यह उल्लेखनीय है कि चुनाव आयुक्त बनने से पहले ज्ञानेश कुमार ने अमित शाह के अधीन सहकारिता सचिव और गृह विभाग में संयुक्त सचिव और अतिरिक्त सचिव के रूप में उनके साथ लंबे समय तक काम किया था।

आशंका यह भी है कि दोनों चुनाव आयुक्तों को मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश पर हटा दिया जाय या उन्हें ई डी, सी बी आई की कार्रवाई का डर दिखा कर इस्तीफा देने हेतु बाध्य कर दिया जाय। अभी तो हम यही कह सकते हैं कि यदि चुनाव आयोग को अधिक बदनामी से बचाना है तो उसे ज्ञानेश कुमार की मनमानी से मुक्त कराना होगा ताकि किसी निष्पक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की जा सके और चुनाव आयोग अपनी छवि को पुन: ठीक कर सके।

–राजेन्द्र भाणावत,
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 26 सितम्बर, 2026

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, शनिवार, विक्रम संवत–2083, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र दिन 11:32 तक, गंड योग दिन 1:17 तक, विष्टि करण दिन 10:43 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–मीन, मंगल–कर्क, बुध–कन्या, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज रवियोग दिन 11:23 तक है। भद्रा प्रातः 10:43 तक रहेगी। आज सत्य पूर्णिमा व्रत, पंचक है। आज सिंजा माता पूजा आरम्भ होगी। आज पूर्णिमा और पोष्ठ पदल कर श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– शुभ 7:50 से 9:19 तक, शुभ 12:18 से 1:48 तक, लाभ अमृत 1:48 से 4:46 तक

राहुकाल– 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:16

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। दिनचर्या में सुधार होगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

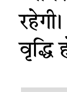

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। वर्तमान में अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कन्या
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आज संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

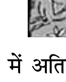

धनु
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

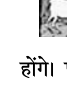

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

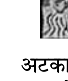

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

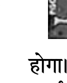

मीन
मानसिक तनाव दूर होगा। मनः स्थिति में सुधार होगा। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

सेवा संकल्प अभियान – जन सेवा ही प्रभु सेवा

(17 सितम्बर-17 अक्टूबर 2026)

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, सलूम्बर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, डूंगरपुर जिलों के

₹924 करोड़ के 1,452 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

जनजाति विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

जिला अस्पताल, प्रतापगढ़ में क्रिटिकल केयर ब्लॉक

जनजातीय आस्था के प्रमुख केंद्र बेणेश्वर में लगभग ₹ 180 करोड़ की लागत से विकास कार्य

पीएम कुसुम योजना में ₹ 30 करोड़ व्यय कर 4,312 जनजाति कृषकों के लिए सोलर पंप स्थापित

अनुसूचित/सहरिया क्षेत्र के 25.09 लाख जनजाति कृषकों को निःशुल्क संकर मक्का बीज मिनीकिट वितरित

डूंगरपुर में शिल्पग्राम का हो रहा निर्माण

26 सितम्बर, 2026 | दोपहर 12:30 बजे | दशहरा मैदान, प्रतापगढ़

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

कोटा में कांग्रेस पार्षदों ने क्रॉस वोटिंग की, भाजपा की अनसुइया गोस्वामी मेयर बनीं

जीते हुए पूरे पार्षदों का भी समर्थन हासिल नहीं कर पाई कांग्रेस दावेदार

कोटा, (निसं)। नगर निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी अनुसुइया गोस्वामी मेयर चुनी गई हैं। शुक्रवार को हुए मतदान में उन्हें 65 वोट मिले हैं, जबकि कांग्रेस कैंडिडेट सुनीता कुमारी सुमन को 35 वोट मिले। कांग्रेस के 39 पार्षद जीते थे, जबकि एक निर्दलीय ने कांग्रेस में शामिल होकर समर्थन दिया था। ऐसे में साफ है कि कांग्रेस के पांच पार्षदों ने क्रॉस वोटिंग की है। चुनाव में जीत हासिल करने के बाद मेयर अनुसुइया ने पदभार ग्रहण किया।

कोटा मेयर चुनाव में पार्षदों के मतगणना के बाद स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस अभी भी अपने अंतरकलह से बाहर नहीं आ पई है। शुरुआत से यह माना जा रहा था कि नगर निगम के चुनाव में कांग्रेस नेतृत्व विहनता, गुटबाजी के चलते जीती बाजी हार गई है। अब मेयर चुनाव में कांग्रेस के सिंबल पर जीते हुए पार्षदों का समर्थन भी कांग्रेस की मेयर दावेदार को न मिलाना कोटा कांग्रेस की कमजोरी माना जा रहा है। नगर निगम कोटा में 100 वार्ड से पार्षद चुने गए थे जिनमें भाजपा के 57 और कांग्रेस के 39 थे, जबकि चार निर्दलीय थे। इनमें वंदना फौजदार और कौशल किशोर शर्मा ने भाजपा को समर्थन दिया जिससे भाजपा के 59 वोट हो गए थे। वहीं कांग्रेस 40 पार्षदों का समर्थन बता रही थी। वोट डालने के लिए पहुंचे निर्दलीय राहुल माथुर ने भी भाजपा के जीतने की संभावना जताई थी।

कोटा नगर निगम मेयर चुनाव में भाजपा की अनसुइया गोस्वामी महापौर चुनी गई है।

कोटा में अनुसूया गोस्वामी चौथी महिला महापौर है। अनुसुइया को पदभार ग्रहण करवाने के लिए विधायक संदीप शर्मा, कल्पना देवी, राकेश जैन व नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष हरिकृष्ण बिरला पहुंचे। नगर निगम में कमिश्नर ओपी मेहरा ने उन्हें पदभार ग्रहण करवाया है।

■ मतदान में भाजपा की अनुसुइया गोस्वामी को 65, कांग्रेस की सुनीता कुमारी सुमन को 35 वोट मिले

अनुसुइया ने कहा कि वह कह कर नहीं, करके ही बताएंगी। उन्होंने कहा कि वह पार्टी के कैडर वाली कार्यकर्ता रहीं हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का आभार जताया। उन्होंने कहा कि 'मैं जमीन से जुड़ी हुई कार्यकर्ता रही हूं। हमारे सभी पार्षद और अधिकारी मिलकर नगर निगम को काफी आगे लेकर जाएंगे। क्रॉस वेटिंग पर उन्होंने कहा कि दूसरे पार्षदों ने भी भरोसा जताया है। उन्होंने दावा किया कि वो किसी के संपर्क में नहीं थी। पार्षद प्रत्याशियों पर भी पूरा विश्वास था। किसी को भी बाड़ेबंदी में नहीं रखा गया था।

बाइक चोरी के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर की देवनगर पुलिस ने बाइक चोरी के प्रकरण का खुलासा करते हुए दो युवकों को पकड़ा है। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर गाड़ी को भी बरामद किया है। अन्य वाहन चोरी की घटनाओं को लेकर अठिाम पड़ताल जारी है। गाड़ी यूआईटी कॉलोनी मसूरिया से 12 सितंबर को चोरी हुई थी। इसमें परिवादी शुभम दाधीच ने दी। देवनगर पुलिस के अनुसार प्रकरण दर्ज कर अब दो आरोपियों चाणक्य नगर, पहाड़गंज द्वितीय निवासी श्यामलाल और मूलतः भोजासर हाल पहाड़गंज द्वितीय निवासी मनीष को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने चोरी गाड़ी को बरामद किया।

वहीं जोधपुर के निकटवर्ती मथानिया पुलिस थाना क्षेत्र में गत सप्ताह एक कारखाने से मशीनरी सामान चोरी होने के प्रकरण में पुलिस ने दो आरोपियों दिलीप और विक्रम को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब इनकी निशानदेही पर चोरी का माल बरामदगी के प्रयास में जुटी है।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
कार्या. अधीक्षण अभियंता (उत्पादन वृत्त), बांसवाडा, फोनः 02962-251252, मो. 9413349831

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति / कार्यों हेतु निविदाएं आमन्त्रित की जाती है:- 64 (RVU2627WSOB01241) आर एंड एम जॉइनरी कार्य, 65 (RVU2627GSOB01233) ट्रांसफार्मर ऑयल फिल्टर मशीन, 66 (RVU2627WSOB01238) बैडमिंटन कोर्ट का रखरखाव, 67(RVU2627WSOB01256) स्विचयार्ड माही PH-I के एएमसी का अनुबंध। निविदा विवरण वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/10770 RVUN/PR-4471 अधीक्षण अभियंता (उत्पादन)

घायल युवक की मौत

रुदावल-भरतपुर, (निसं)। बयाना-रुदावल रोड पर हनुमान मंदिर के पास हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई की रिपोर्ट पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रुदावल थाना पुलिस ने बताया कि गांव सादपुरा निवासी रिंकू पुत्र बदनसिंह की ओर से रुदावल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसमें बताया कि उसके भाई सुगडसिंह की हादसे में मौत हो गई।

कार्यालय उप वन संरक्षक, जालोर

खुली निविदा सूचना संख्या-41, 42, 43, 44, 45, 46, 47/2026-27 इस कार्यालय द्वारा विभिन्न कार्यों हेतु खुली निविदा जारी की गई है, जिसका विवरण निम्नानुसार है-

S. No.	NIB Code	UBN Code	कार्य का नाम	निविदा की अंतिम तिथि
1	FOR2627 A1681	FOR2627 WSLB02519	Barbed wire with weldmess jali fencing at Meda Raniwara	30-09-2026
2	FOR2627 A1682	FOR2627 WSLB02520	Barbed wire with weldmess jali fencing at Varetha Raniwara	30-09-2026
3	FOR2627 A1683	FOR2627 WSLB02523	Barbed wire with weldmess jali fencing at Pal Raniwara	30-09-2026
4	FOR2627 A1689	FOR2627 WSLB02526	Barbed wire with weldmess jali fencing at Charpatiya Raniwara	30-09-2026
5	FOR2627 A1691	FOR2627 WSLB02531	Drip Irrigation System (Supply and Installation) at LKV Jalore	30-09-2026
6	FOR2627 A1694	FOR2627 SSLB02533	रेंज जालोर के लव कुश वाटिका कालाघाटा मे पौध खरीद एवं परिवहन कार्य	30-09-2026
6	FOR2627 A1695	FOR2627 SSLB02534	रेंज रानीवाडा मे रोड साईड पौधारोपण के लिए पौधे क्रय	30-09-2026

उक्त निविदा की विस्तृत जानकारी http://sppp.raj.nic.in से डाउनलोड कर देखी जा सकती है एवं मोहरबंद निविदा जमा करवाकर निविदा प्रक्रिया में भाग लिया जा सकता है।

(जयदेवसिंह चारण)
उप वन संरक्षक,
जालोर

DIPR/C/16451/2026

कार ने मां-बेटी सहित तीन को कुचला, दो की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में तेज रफ्तार कार ने मां-बेटी सहित तीन महिलाओं को कुचल दिया। हादसे में दोनों महिलाओं की मौत हो गई, जबकि बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। तीनों खेत से घर लौट रही थीं। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। तीनों घायलों को सादुलशहर के सरकारी हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने दो महिलाओं को मृत घोषित कर दिया। घायल लड़की को सादुलशहर के सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे श्रीगंगानगर रेफर कर दिया गया।

हादसा गुरुवार शाम 7:30 बजे सादुलशहर थाना क्षेत्र में अबोहर-हनुमानगढ़ स्टेट हाईवे पर 9 केआरडब्लूयू के पास हुआ। हादसे में सलो (55) पत्नी साहबराम ओड़, कलो (55) पत्नी दुलीचंद ओड़ की मौत हो गई। सलो की 30 साल की बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद कार ड्राइवर गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। श्रीगंगानगर जिले के सादुलशहर में वार्ड नंबर 12 निवासी सलो, कलो और सलो की बेटी अपने खेतों में करने के बाद पैदल घर लौट रही थीं। तीनों अबोहर-हनुमानगढ़ स्टेट हाईवे पर किनारे चल रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने तीनों को कुचल दिया। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। आसपास के लोगों ने तीनों घायलों को सादुलशहर के सरकारी हॉस्पिटल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने सलो और कलो को मृत घोषित कर दिया।

भाजपा के प्रसन्नचंद मेहता 53 वोट हासिल कर जोधपुर के महापौर बने

जोधपुर, (कासं)। भाजपा के प्रसन्नचंद मेहता जोधपुर नगर निगम के नए महापौर बन गए हैं। जीत के बाद समर्थक कंधे पर बैठाकर उन्हें निगम परिसर से बाहर लेकर आए। जीत के बाद मेहता ने कहा कि उन्हें 53 वोट मिले हैं। दीपावली पास आ रही है, इसलिए सबसे पहले शहर की सड़कों को लेकर काम होगा।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि से आने वाले प्रसन्नचंद मेहता संगठन के पुराने सिपाही हैं और भाजपा में जिलाध्यक्ष से लेकर प्रदेश उपाध्यक्ष जैसे कई अहम पदों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया के भी नजदीकी है। बीजेपी के प्रसन्नचंद मेहता को 53 वोट मिले। वहीं कांग्रेस के राजेंद्र सोलंकी को 47 वोट मिले। भाजपा के पास 45 और कांग्रेस के पास 44 पार्षद थे। वहीं, 10 निर्दलीय और एक आरएलपी का प्रत्याशी पार्षद बना था।

■ भाजपा के पास 45, कांग्रेस के पास 44 पार्षद थे, 10 निर्दलीय और एक आरएलपी का पार्षद बना था

इसके बाद 7 निर्दलीय पार्षदों ने भाजपा को समर्थन देते हुए पार्टी की सदस्यता ली थी।

शेखावत ने दी बधाई :- केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री एवं जोधपुर सांसद गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जोधपुर नगर निगम में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। उन्होंने निर्वाचित महापौर प्रसन्नचंद मेहता एवं सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई दी। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि प्रसन्नचंद मेहता के साथ काम करने का मेरा लंबा अनुभव है। वे कर्मशील और ईमानदार जनसेवक हैं तथा जोधपुर के जन-मन से भली-भांति जुड़े हुए हैं। इस महत्वपूर्ण दायित्व के निर्वहन के लिए वे सर्वथा योग्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान विकास के नित नए अध्याय लिख रहा है। इस विकास यात्रा को जोधपुर की शहर सरकार भी नई गति प्रदान करेगी। शेखावत ने कहा कि जोधपुर के नागरिकों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को पूरा करने तथा शहर के सर्वांगीण विकास के लिए नागरिकों ने जिस विश्वास के साथ यह जिम्मेदारी सौंपी है, उसे हम सभी मिलकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाने के लिए संकल्पबद्ध हैं।

केंद्रीय मंत्री ने भाजपा के सभी नवनिर्वाचित पार्षदों एवं कार्यकर्ताओं को भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि जनभावनाओं के अनुरूप कार्य करते हुए जोधपुर के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

कांग्रेस ने लगाया गोपनीयता भंग करने का आरोप :- महापौर के लिए वोटिंग के दौरान मतपत्रों की गोपनीयता को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने मतदान प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि मतपत्रों पर जानबूझकर क्रमांक (सीरियल नंबर) डाले गए हैं।

कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष और पार्षद नरेश जोशी ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि चुनावी इतिहास में ऐसा पहली बार देखने को मिला है जब किसी पार्षद को जारी किए गए मतपत्र पर क्रमांक अंकित किया गया हो। इस प्रक्रिया से मतदान की गोपनीयता पूरी तरह खत्म हो गई है, क्योंकि अब आसानी से यह पता लगाया जा सकता है कि किस पार्षद ने किसे वोट दिया है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत खण्ड-अलवर

क्रमांक :- 988 दिनांक : 23.09.2026

ई-निविदा सूचना संख्याः 19/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से

1	Electric Repair and maintenance work in Court Complex Laxmangarh at Sikar
2	Electric Repair and maintenance work in Court complex Fatehpur at District Sikar
3	Electric Repair and maintenance work in Court complex Nawalgarh at District Jhunjhunu
4	Electric repair & maintanance work in court complex at Khandela district Sikar
5	Electric Repair and maintenance work in Record Room and Court complex Reengus at District Sikar
6	Electric Repair and maintenance work in Court complex Pilani at Distt. Jhunjhunu
7	Electric Repair and maintenance work in Record Room and Court Complex Neemkathana at Distt. Sikar
8	Electric Repair and maintenance work in Court Complex Chirawa at Distt. Jhunjhunu
9	Electrification work in Construction of Samudayik Bhawan Ladpur, Ramgarh Distt. Alwar
10	Electric repair and maintenance work at Staff quarters at Bikaner House and Jodhpur House New Delhi.
11	Electric Repair and Maintenance works in Advocate Chambers at Dausa
12	Electric Repair and Maintenance Work in 13 Courts at Dausa HQ.
13	Repair and Maintenance of Electric lines in Court Complex at Mahwa Distt. Dausa

उपर्युक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों, से निर्धारित प्रपत्र में निम्न कार्य मय दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाईबिलिटी पीरीयड) शर्त सहित सा.नि.वि., राजस्थान, जयपुर में विद्युत कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट "www.dipronline.org" पर एवं निविदा दस्तावेज का विवरण "https://eproc.rajasthan.gov.in" एवं "sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया "https://eproc.rajasthan.gov.in" पर ऑन लाईन सम्पादित की जावेगी।

UBN NO.
PWD2627WSOB12896, PWD2627WSOB12898, PWD2627WSOB12902, PWD2627WSOB12905, PWD2627WSOB12906, PWD2627WSOB12907, PWD2627WSOB12908, PWD2627WSOB12909, PWD2627WSOB12910, PWD2627WSOB12911, PWD2627WSOB12912, PWD2627WSOB12913, PWD2627WSOB12914

(आदित्य जौहरी)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. विद्युत खण्ड-अलवर

DIPR/C/16407/2026

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड

निविदा आमंत्रण सूचना

इच्छुक निविदाकारों से अधीक्षण अभियंता (प्र.एवं.नि.), अजमेर के अधीन ई-निविदा सूचना संख्या BN:1110002613 व 1110002616 में क्र.सं. 1 व 2 पर वर्णित कार्य के लिये निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है एवं निविदा सूचना संख्या BN: 1110002614 व 1110002615 में क्र.सं. 1 व 2 पर वर्णित कार्य के लिये निर्धारित प्रपत्र में मुहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है निविदा का समस्त विवरण विभागीय वेबसाईट **https://energy.rajasthan.gov.in/rvpnl** एवं राजस्थान सरकार की वेबसाईट **https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

1. BN: 1110002613 (UBN: VPN: 2627SLOB01397)
2. BN: 1110002614 (UBN: VPN: 2627WSOB01398)
3. BN: 1110002615 (UBN: VPN: 2627WSOB01399)
4. BN: 1110002616 (UBN: VPN: 2627SLOB01401)

राज.संवाद/सी/26/10723 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7794/2026 अधीक्षण अभियन्ता (प्र. एवं नि.), अजमेर

ठगी का मामला दर्ज

अजमेर, (निसं)। रामगंज थाना क्षेत्र में मोबाइल पर एक ऐप डाउनलोड करना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। ऐप डाउनलोड करने के बाद उसके बैंक खाते से करीब 1 लाख 9 हजार रुपये से अधिक की राशि ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस के अनुसार सद्गुरु कॉलोनी, अजय नगर निवासी सुरजीत सिंहने मोबाइल में एक ऐप डाउनलोड किया था। इसके बाद उनके बैंक खाते से अलग-अलग तरीके से करीब 1.09 लाख रुपये से अधिक की राशि निकल गई। ठगी का पता चलने पर मामले की शिकायत पुलिस को दी गई। रामगंज थाना पुलिस को इस संबंध में जयपुर से एसआरबी के माध्यम से जीरो नंबर की एफआईआर प्राप्त हुई। एफआईआर मिलने के बाद रामगंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

घर बैठे नौकरी का झांसा देकर साइबर ठगी, तीन जनों को पकड़ा

गंगापुर सिटी, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी व्हाट्सएप के जरिए लोगों को घर बैठे नौकरी का झांसा देते थे। इसके बाद रजिस्ट्रेशन फीस और जीएसटी के नाम पर उनसे पैसे ठगते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

थानाधिकारी सुशीला मीना के नेतृत्व में टीम ने गश्त के दौरान मीनापाड़ा निवासी अरविंद मीना उर्फ पिंकेश (20) को पकड़ा। उसके मोबाइल की जांच में 3 व्हाट्सएप ऐप मिले। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने निजी खर्चों के लिए लोगों को व्हाट्सएप पर वर्क फ्रॉम होम जॉब के मैसेज भेजता था। इसमें 7 दिन के राइटिंग प्रोजेक्ट के लिए 25 हजार, 10 दिन के लिए 40 हजार, 15 दिन के लिए 45 हजार और 26 दिन के लिए 50 हजार रुपए देने का झांसा दिया जाता था। पैसे मिलने के बाद रजिस्ट्रेशन फीस और जीएसटी के नाम पर और पैसे लेकर वे पीड़ितों से संपर्क बंद कर देते थे। पुलिस ने साइबर समन्वय पोर्टल पर मोबाइल नंबर की जांच की तो 18 सितंबर को दर्ज एक शिकायत मिली।

■ व्हाट्सएप पर वर्क फ्रॉम होम जॉब के नाम पर रजिस्ट्रेशन और जीएसटी फीस वसूलते थे

शिकायतकर्ता ने बताया था कि उसने करीब 5 हजार रुपए हेम सिंह मीना के गूगल-पे स्कैनर और करीब 3 हजार रुपए सौरभ कुमार मीना के फोन-पे स्कैनर में डाले थे। जांच के बाद पुलिस ने अरविंद मीना उर्फ पिंकेश के साथ हेम सिंह मीना उर्फ मोनू (19) और सौरभ कुमार मीना (19) को भी गिरफ्तार किया। तीनों के मोबाइल जब्त कर व्हाट्सएप चौट के स्क्रीनशॉट और बैंक संबंधी जानकारी जांच में शामिल की गई है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER WDSC UMRAIN ZILA PARISHAD ALWAR

File no. () 283 Date: 18-09-2026

NOTICE INVITING BID
NIB NO. 04/2026-27

Bids for Construction of Anicut, anicut cum causeway, CCT, DCCT and Amrit sarover Work in MJSA 2.2 Block Thanagazi etc. Estimated value INR 230.14 Lacs [01 Package] are invited from interested bidders up to 6.00 PM, 08-10-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in/, https://sppp.rajasthan.gov.in/of the State.
NIB CODE:- WSC2627A1339
UBN:- 1. WSC2627WSOB02405

[PRAHLAD]
EXECUTIVE ENGINEER
WDSC UMRAIN

DIPR/C/16332/2026

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक निदेशक, महिला अधिकारिता विभाग, चूरू
E-mail: churu.we@rajasthan.gov.in, Phone No. 01562-250980
क्रमांक / म.अ.वि./2026/789 दिनांक : 24/09/26

विज्ञप्ति संख्या 01/2026

पुलिस जिला चूरू के पुलिस थाना तारानगर, रतनगढ़, सुजानगढ़, सरदारशहर, बीदासर, राजगढ़ एवं महिला थाना चूरू पर संचालित होने वाले महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों के संचालन हेतु महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र नियमन एवं अनुदान योजना (संशोधित) 2024 के नियम 6 के अनुसरण में नियम 7 में वर्णित पात्रताधारी गैर-शासकीय संस्थाओं से एतद्वारा प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते हैं।
आवेदन निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 08.10.2026 सांय 02.00 बजे तक सहायक निदेशक, महिला अधिकारिता, चूरू के कार्यालय में प्रस्तुत किये जा सकते है जिसका प्रारूप, पात्रता की शर्तें तथा अधिसूचना विभागीय वेबसाइट www.wcd.rajasthan.gov.in एवं https://sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड तथा कार्यालय से भी प्राप्त किये जा सकते है। अधिक जानकारी एवं आवेदन प्रपत्रों के लिए कार्यालय समय में इस कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता लें
NIB-WMP2627A0104
UBN-WMP2627SL0B129

(राजेन्द्र सिंह शेखावत)
सहायक निदेशक,
महिला अधिकारिता विभाग,
चूरू

DIPR/C/16526/2026

कोटा में डेढ़ करोड़ का डोडा-चूरा सहित देशी पिस्तौल और कारतूस जब्त

कोटा, (निसं)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत् केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो सीबीएन टीम ने सूचना पर जिला चितौड़गढ़ बेगुं तहसील के अमरपुरा गांव में एक बाड़े पर छापामार कर एक कार से 1037.200 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद किया। साथ ही टीम ने एक देसी पिस्तौल, जिसमें तीन राउंड लोड थे भी बरामद किए। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि जिला चितौड़गढ़ बेगुं तहसील के अमरपुरा गांव में एक बाड़े में अवैध डोडा-चूरा से भरी एक फॉर्च्यूनर कार खड़ी है। सूचना पर सीबीएन चित्तौड़गढ़ सेल एवं सीबीएन कोटा की संयुक्त टीम गठित की गई और टीम को मौके पर भेजा गया। गठित टीम ने मौके पर पहुंचकर बाड़े पर छापा मार कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान टीम के अधिकारियों को बाडे में एक कार खड़ी मिली, जिसकी तलाशी ली गई तो तलाशी के दौरान कार में से 56 बोरियों में कुल 1037.200 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद हुआ। साथ ही कार में एक देसी पिस्तौल तथा तीन लोडेड राउंड भी बरामद किए गए। बाड़े के मालिक की पहचान कर ली गई, हालांकि, टीम के मौके पर पहुंचने से पहले वह वहां से फरार हो गया। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बरामद अवैध डोडा-चूरा एवं कार को जब्त कर लिया गया है, मामले में आगे की जांच जारी है।

■ प्रतापगढ़ के लालपुरा पीपलखेड़ी गांव में नौ किलो अफीम और 18.42 लाख रुपये नकद बरामद किये

कोटा में सीबीएन टीम ने बाड़े में छापा मारकर अवैध डोडा-चूरा जब्त किया।

वहीं केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि जिला प्रतापगढ़ के लालपुरा पीपलखेड़ी गांव में एक व्यक्ति ने अपने घर में अवैध अफीम छिपाकर रखी हुई है। उक्त सूचना पर सीबीएन कोटा और जिला अफीम अधिकारी प्रतापगढ़ डिवीजन-2 के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके पर रवाना किया गया। गठित टीम ने मौके पर पहुंचकर उक्त घर पर छापा मारा। इस दौरान टीम को 9.617 किलोग्राम अवैध अफीम और 18,42,000 रुपये नकद बरामद किये और एनडीपीएस एक्ट के तहत् कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

कार्यालय अति. मुख्य अभियंता, सा.नि.वि., सम्भाग-द्वितीय, जयपुर
पी.डब्ल्यू.डी. कैम्पस, जैकब रोड, जयपुर क्लब के सामने, जयपुर
फोन :- 0141-2226537, एक्स-299, फैक्स : 0141-2226537
क्रमांक-1341 दिनांकः- 22/01/28

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 29/2026-27

जयपुर-ग्रामीण जिले मे "बजट घोषणा वर्ष 2026-27 की अनुपालना में 05 पैकेजो /सड़कों के निर्माण कार्य हेतु इच्छुक निविदादाताओं द्वारा दिनांक 05.10.2026 सायः 6.00 बजे तक अल्पकालीन निविदाऐ आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबन्धित अन्य विवरण राज्य की उपापन पोर्टल (http://eproc.rajasthan.gov.in.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट http://pwd. rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। उपापन की अनुमानित लागत रूपये 2313.44 लाख है।
UBN - 1. PWD2627WLOB12847, 2. PWD2627WLOB12800
3. PWD2627WSOB12801, 4. PWD2627WSOB12803
5. PWD2627WSOB12805

अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता
सा.नि.वि. सम्भाग द्वितीय,
जयपुर

DIPR/C/16371/2026

कार्यालय कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, चूरू (राजस्थान)
क्रमाक :- एफ 14 () सहा/क. ओ/2026/2964-68 दिनांकः- 24.09.26

निविदा आमन्त्रण सूचना

आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग, जयपुर के राजकाज पत्रांक 20573699 दिनांक 19.02.2025 की पालना में वित्त विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 2 (1) वित्त / एसपीएफसी / 2017 दिनांक 30.04.2018 एवं स्पष्टीकरण दिनांक 14.11.2018 के अनुसरण में फरवरी 2027 तक की समयावधि के लिए जॉब बेसिस पर एक कम्प्यूटर आपरेटर मय कम्प्यूटर सिस्टम (Man With Machine) की सेवाओं के उपापन हेतु विनिर्दिष्टत पंजीकृत बिडदाता / संवेदक जो कि राजस्थान अनुबन्धित श्रमिक (नियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम 1970/ संशोधन अधिनियम 2014, कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948, वस्तु एवं सेवाकर (), आयकर (पैन नम्बर) एवं राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थान अधिनियम 1958 या इण्डियन पार्टनरशिप एक्ट 1932 के अन्तर्गत या इण्डियन कम्पनी एक्ट 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत हो, (जहाँ लागू हो) से निम्नानुसार कॉटेशन आमंत्रित किये जाते है :-

क्र. सं.	विवरण	अनुमानित लागत	बोली प्रतिभूति राशि रू.	निविदा शुल्क राशि रू.
1	1 कम्प्यूटर सिस्टम मय प्रशिक्षित कार्मिक (मशीन विद मैन)	65000/-	1300/-	500/-

निविदा कार्यक्रम

1	निविदा प्रस्तुत करने की प्रारंभ तिथि व समय	25.09.2026	सुबह 11 बजे
2	निविदा प्रपत्र जमा करने की अन्तिम तिथि व समय	05.10.2026	दोपहर 12 बजे
3	धरोहर राशि. निविदा शुल्क का डीडी जमा कराने की अंतिम तिथि व समय	06.10.2026	सुबह 11 बजे
4	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	06.10.2026	दोपहर 12.00 बजे
5	वितीय निविदा खोलने की तिथि व समय	पात्र बोलीदाताओं को पृथक से सूचित किया जावेगा।	

अन्य शर्ते बिड प्रपत्र के साथ संलग्न है, जो कार्यालय समय के दौरान इस कार्यालय में एवं नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है या एसपीपीपी पोर्टल से डाउनलोड की जा सकती है। निर्धारित दिनांक एवं समय के पश्चात प्राप्त बिड पर विचार नहीं किया जावेगा। प्राप्त बिड दिनांक 06.10.2026 को दोपहर 12 बजे उपस्थित बिडदाता/संवेदक या उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष उपापन समिति द्वारा खोली जायेगी। किसी भी बिड को स्वीकार/अस्वीकार करने का उपापन समिति का अधिकार सुरक्षित है।

NIB CODE : CCH2627A0013
UBN : CCH2627SSOB0013

(अर्पिता सोनी)
अति. जिला कलक्टर
चूरू

DIPR/C/16585/2026

फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस के विज्ञापन से लूटपाट-ब्लैकमेलिंग का भंडाफोड़

जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । गूगल पर 'एस्कॉर्ट सर्विस' के नाम से फर्जी विज्ञापन चलाकर लोगों को जाल में फंसाने, मारपीट कर लूटने और ब्लैकमेल करने वाले गिरोह का जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और पूर्व की वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

डीसीपी पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि शहर में राहगीरों से मारपीट और लूट की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जवाहर सर्किल थानाधिकारी महेश चंद्र के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। पुलिस ने हेमंत पाठक (23) निवासी महापुरा, भांकरोटा जयपुर मूल निवासी बामनगांव, नैनवां, बूंदी तथा रक्षा मलकानी (31)निवासी मुहाना मंडी जयपुर मूल निवासी पूनम मुंबई को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित गूगल पर 'एस्कॉर्ट सर्विस' के नाम से ऑनलाइन विज्ञापन

गूगल पर 'एस्कॉर्ट सर्विस' के नाम से फर्जी विज्ञापन चलाकर लोगों को जाल में फंसाने, मारपीट कर लूटने और ब्लैकमेल करने वाले गिरोह का जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है।

चलाते थे और अपने मोबाइल नंबर को सर्च में ऊपर दिखाने का प्रयास करते थे। कोई व्यक्ति 'नीयर मी एस्कॉर्ट सर्विस' सर्च कर संपर्क करता तो उससे रुपए ऐंठे जाते, लेकिन सेवा उपलब्ध नहीं कराई जाती थी। इसके बाद ग्राहक को एक तय स्थान पर बुलाया जाता और डराने-धमकाने, मारपीट व ब्लैकमेलिंग के जरिए रुपए और मोबाइल लूट लिए जाते थे। पूछताछ में गिरोह के अन्य साथियों और इसी तरह की अन्य वारदातों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क से जुडे अन्य लोगों की भूमिका की

■ आरोपियों ने ग्राहक को कार में बैठा कर मारपीट के बाद 15 हजार रुपए और मोबाइल छीन लिए थे

जांच कर रही है। जवाहर सर्किल थानाधिकारी महेश चंद्र के अनुसार 2 जून को विकास कुमार मीणा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 1 जून की रात करीब 11 बजे वह जगतपुरा स्टेशन से घर जा रहा था। रास्ते में कार सवार बदमाशों ने रास्ता पूछने के बहाने उसे रोका और मदद का झांसा देकर कार में बैठा लिया। कार में बैठते ही उसके साथ मारपीट की गई और जेब से करीब 15 हजार रुपए नकद और मोबाइल फोन छीन लिया। आरोपियों ने ऑनलाइन ट्रांसफर के जरिए अन्य लोगों से भी रुपए मंगवाने का प्रयास किया, लेकिन इसमें सफल नहीं होने पर लाठी-डंडों से मारपीट की। इसके बाद परिवादी को एक अनजान स्थान पर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपियों को चिन्हित करते हुए पकड़ा है।

आपसी रंजिश में 11वीं के छात्र पर लोहे की रॉड से हमला किया

जयपुर । अशोक नगर थाना इलाके में एक निजी स्कूल के बाहर छात्रों के विवाद में 11वीं कक्षा के 16 वर्षीय छात्र पर 9वीं और 10वीं कक्षा के छात्रों ने लोहे की रॉड और डंडों से हमला कर दिया। हमले में छात्र के हाथ में गंभीर फ्रैक्चर हुआ है। चिकित्सकों ने ऑपरेशन की सलाह दी है। हमलावरों ने छात्र की बाइक भी क्षितग्रस्त कर दी।

हेड कांस्टेबल महिपाल के अनुसार ब्रह्मपुरी निवासी छात्र ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। छात्र ने बताया कि 11वीं और 9वीं कक्षा के कुछ छात्रों के बीच पिछले कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। बुधवार दोपहर करीब 2 बजे स्कूल की छुट्टी के बाद वह बाइक से घर जा रहा था। स्कूल गेट के पीछे 10वीं कक्षा के एक छात्र ने उसका रास्ता रोक लिया।

पीड़ित के अनुसार उसका विवाद से कोई सीधा संबंध नहीं था। इसके बावजूद 9वीं कक्षा के छात्र और उसके भाई ने लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार करने का प्रयास किया। बचाव में हाथ आगे करने पर रॉड कोहनी पर लगी, जिससे हाथ टूट गया। नीचे गिरने के बाद आरोपियों ने पीठ पर डंडों और रॉड से हमला किया और बाइक भी तोड़ दी।

शोर सुनकर आसपास के लोगों के पहुंचने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल छात्र को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां एक्स-रे में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। पुलिस ने नामजद एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मेयर वोटिंग के दौरान कांग्रेस के विधायक और पार्षद धरने पर बैठे

आदर्श नगर विधायक रफीक खान को नगर निगम में एंट्री नहीं देने और भाजपा नेताओं की भीतर मौजूदगी पर बवाल मचा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । महापौर चुनाव में मतदान के दौरान कांग्रेस विधायक रफीक खान निगम पहुंचे, लेकिन उन्हें एंट्री नहीं दी गई। इसके बाद वे किशनपोल विधायक अमीन कागजी, कांग्रेस शहर अध्यक्ष सुनील शर्मा के साथ धरने पर बैठ गए। इसी समय भाजपा विधायक गोपाल

■ राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार जयपुर नगर निगम के डिप्टी मेयर का चुनाव आज होगा।

शर्मा मतदान कक्ष की ओर जाने लगे तभी कांग्रेस के जयपुर शहर अध्यक्ष सुनील शर्मा ने उन्हें रोक लिया। इस दौरान कुछ कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने गोपाल शर्मा का विरोध किया। इसके बाद सुनील शर्मा समझाइश कर उन्हें बाहर लेकर गए।

कांग्रेस नेताओं ने भाजपा के आदर्श नगर प्रत्याशी रहे रवि नैयर और पूर्व विधायक मोहनलाल गुप्ता की मौजूदगी पर सवाल उठाए। कांग्रेस विधायकों ने आरोप लगाया कि निगम मुख्यालय पर उनके प्रवेश को रोका जा रहा है, जबकि भाजपा नेताओं की सुबह से मौजूदगी बनी हुई है।भाजपा नेताओं को बाहर भेजने की मांग पर कांग्रेस पार्षदों ने कुछ

नगर निगम मुख्यालय में महापौर की वोटिंग के दौरान उग्र हुए कांग्रेस विधायक रफीक खान व अमीन कागजी से सांसद मंजू ने समझाइश की।

समय के लिए मतदान भी रोक दिया। कांग्रेस की ओर से रवि नैयर और मोहनलाल गुप्ता को नगर निगम मुख्यालय परिसर से बाहर भेजने की मांग की गई। कांग्रेस नेताओं और प्रशासन के बीच बातचीत के बाद पुलिस प्रशासन ने भाजपा नेताओं को परिसर से बाहर जाने की समझाइश की।

पुलिस प्रशासन की समझाइश के बाद भाजपा नेताओं ने नगर निगम मुख्यालय परिसर छोड़ दिया। मीडिया से बातचीत में कांग्रेस विधायक अमीन कागजी ने आरोप लगाया कि सुबह 9.45 बजे से इनके अवांछित लोग बूथ के अंदर जा रहे हैं। फिर बाहर आ रहे हैं, जिनके पास वैधानिक अधिकार नहीं हैं, वो अंदर क्यों जा रहे है। विधायक रफीक खान ने कहा कि रिकॉर्डिंग निकाली जाए कि कौन-कौन अंदर गया। किस-किस का प्रोटोकॉल था। अगर नहीं था तो कैसे अंदर गए। मुझे किस हैसियत से रोका।

इससे पहले शुक्रवार सुबह सबसे पहले बीजेपी-कांग्रेस के मेयर दावेदार सुनील कोठारी और सुनीता मावर नगर निगम पहुंचे थे, दोनों ने अपनी-अपनी जीत को दावा किया था। पार्षद भी नगर निगम की चौखट पर माथा टेककर अंदर गए। राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार जयपुर नगर निगम के डिप्टी मेयर का चुनाव आज शनिवार को होगा।

कचरा नहीं, संसाधन बनेगा; नए नियमों से स्वच्छ शहरों की नई दिशा तय होगी

चार-धारा पृथक्करण, डिजिटल निगरानी और 'प्रदूषक भुगतान सिद्धांत' से बढ़ेगी जवाबदेही

जयपुर । ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन से शहरों में कचरा प्रबंधन अब केवल निस्तारण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कचरे को संसाधन में बदलने और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर जोर रहेगा। इस संबंध में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल में प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो के सहयोग से संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई।

प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो के निदेशक अनुभव बैरवा ने जन-जागरूकता की जरूरत बताई। मुख्य पर्यावरण अभियंता प्रेमालाल ने नियमों और विभिन्न पक्षों की जिम्मेदारियों की जानकारी दी। अतिरिक्त मुख्य पर्यावरण अभियंता भुवनेश माथुर ने बताया कि 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी नियमों में स्त्रोत स्तर पर गीले, सूखे, स्वच्छता संबंधी तथा विशेष/घरेलू खतरनाक कचरे का चार-धारा पृथक्करण अनिवार्य व्यवस्था का आधार है। स्थानीय स्वायत्त शासन विभाग के मुख्य अभियंता अरुण व्यास ने बताया कि बड़े आवासीय परिसरों, होटल, संस्थानों व अन्य थोक अपशिष्ट उत्पादकों को परिसर में ही कम्पोस्टिंग, जैव-मीथेनीकरण या अनुमोदित तकनीक से जैविक कचरे का प्रसंस्करण करना होगा। कचरे के संग्रहण, परिवहन, प्रसंस्करण और अंतिम निस्तारण की ऑनलाइन निगरानी से पारदर्शिता बढ़ेगी। नियमों में सामग्री पुनर्प्राप्ति केंद्रों के जरिए पुनर्चक्रण योग्य सामग्री की अधिकतम रिकवरी, विरासत कचरा स्थलों के वैज्ञानिक उपचार तथा कचरे से ईंधन और कार्बन क्रेडिट की संभावनाओं को बढ़ावा दिया गया है। 'प्रदूषक भुगतान सिद्धांत' के तहत उल्लंघन करने वालों पर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति का प्रावधान है।

राजस्थान में राज्य स्तरीय निगरानी समिति गठित की गई है, सभी शहरी स्थानीय निकायों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पोर्टल पर थोक अपशिष्ट उत्पादकों का अंतरिम पंजीकरण शुरू किया गया है। गत 29 मई को आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला में करीब 600 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री ने अर्पित की पुष्पांजलि

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, एकात्म मानववाद एवं 'अंत्योदय' के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती पर शुक्रवार को धानक्या स्थित स्मारक पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने पं. दीनदयाल के आदर्शों का स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय मां भारती की सेवा में अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रणेता एवं महान विचारक थे। उन्होंने समाज के अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति के कल्याण को अपने जीवन का ध्येय बनाया और समावेशी विकास के लिए 'एकात्म मानववाद' की परिकल्पना दी। उन्होंने कहा कि उनके दर्शन एवं विचार हमारे लिए पथ प्रदर्शक हैं। हमारी सरकार अंत्योदय को ध्येय मानकर जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है।

सार-समाचार

'मिरेकल एट हाइफा' पर चर्चा कल

जयपुर । प्रभा खेतान फाउंडेशन की 'सहयोग' पहल के तहत मेजर चंद्रकांत सिंह की पुस्तक 'मिरेकल एट हाइफा: द मास्टर एंड द महाराजास' पर 27 सितंबर को जयपुर के अशोक क्लब में चर्चा होगी। कार्यक्रम शाम 5 बजे शुरू होगा, जिसमें मेजर चंद्रकांत सिंह से अजय सिंघा संवाद करेंगे। पुस्तक प्रथम विश्व युद्ध के महत्वपूर्ण हाइफा युद्ध पर आधारित है, जो 23 सितंबर 1918 को माउंट कार्मेल की ढलानों पर लड़ा गया था। इसमें तलवार और भालों से लैस भारतीय घुड़सवार सैनिकों के राइफल, मशीनगन और तोपों से लैस बड़ी ऑटोमन सेना से मुकाबले और उनकी वीरता का उल्लेख है। पुस्तक हाइफा के युद्ध को माउंट कार्मेल और क्षेत्र के व्यापक इतिहास से जोड़ते हुए रोमन, यूनानी, फारस, मिस्त्र, मितानी, हित्ती, इस्त्राइली, कनानी और फिलिस्तीनी संघर्षों के साथ धर्मयुद्धों तथा तुर्की और अरबों के बीच संघर्षों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी प्रस्तुत करती है।

पद्मजा को स्वयं प्रकाश स्मृति सम्मान

नई दिल्ली । स्वयं प्रकाश स्मृति न्यास ने सुप्रसिद्ध साहित्यकार स्वयं प्रकाश की स्मृति में दिए जाने वाले वार्षिक सम्मान की घोषणा कर दी है। वर्ष 2026 का राष्ट्रीय स्तर का सम्मान युवा लेखिका पद्मजा की डायरी 'मैं कोई और' को कथेतर साहित्य के लिए दिया जाएगा। तीन सदस्यीय निर्णायक मंडल ने सर्वसम्मति से कृति के चयन की अनुशंसा की है। निर्णायक मंडल के अध्यक्ष प्रसिद्ध आलोचक संजीव कुमार (दिल्ली) ने कहा कि 'मैं कोई और' जिजीविषा और संघर्ष की अनोखी कहानी है। उपचार के दौरान लेखिका के लिखने-बोलने की क्षमता खोने और फिर उसे दोबारा हासिल करने का अनुभव इस डायरी में दर्ज है। उनके अनुसार पिछले चार वर्षों में प्रकाशित कथेतर साहित्य में यह कृति विशिष्ट स्थान रखती है। मूलतः जयपुर निवासी पद्मजा बाल साहित्य और फिल्म के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनकी डायरी 2025 में प्रकाशित हुई थी। न्यास के अध्यक्ष डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने बताया कि मूलतः राजस्थान के अजमेर निवासी स्वयं प्रकाश हिंदी कथा साहित्य के महत्वपूर्ण रचनाकार थे। उन्होंने करीब 250 कहानियां और पांच उपन्यास लिखे। नाटक, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध और बाल साहित्य में भी उनका उल्लेखनीय योगदान रहा। उन्हें साहित्य अकादेमी सहित विभिन्न संस्थाओं से कई पुरस्कार और सम्मान मिले। 20 जनवरी 1947 को इंदौर में जन्मे स्वयं प्रकाश का 7 दिसंबर 2019 को कैंसर के कारण निधन हुआ। वे लंबे समय तक भोपाल में रहे तथा 'वसुधा' और 'चकमक' पत्रिकाओं के संपादन से जुड़े रहे। डॉ. अग्रवाल के अनुसार फरवरी में होने वाले समारोह में पद्मजा को 11 हजार रुपए, प्रशस्ति पत्र और शॉल प्रदान किए जाएंगे। स्वयं प्रकाश स्मृति न्यास में राजेश जोशी, दुर्गाप्रसाद अग्रवाल, आशीष त्रिपाठी, पल्लव, इंजी. अंकिता सावंत और अपूर्वा माथुर सदस्य हैं।

अल्बर्ट हॉल पर स्वच्छता मित्रों का सम्मान

जयपुर । राज्यसभा सांसद नितिन नवीन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को अल्बर्ट हॉल पर विकसित भारत जन सेवा अभियान के तहत आयोजित "स्वच्छता ही सेवा" कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान राज्यसभा सांसद नितिन नवीन ने आमजन को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इसके पश्चात् राज्यसभा सांसद एवं मुख्यमंत्री ने स्वच्छता मित्रों को दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया और आत्मीय बातचीत कर उनके हालचाल जाने। साथ ही, उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेम चन्द बैरवा, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, सांसद मदन राठौड, मंजू शर्मा, डॉ. अलका गुर्जर, विधायक कालीचरण सराफ, गोपाल शर्मा, बालमुकुंदाचार्य, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

समय पर पहचान से कैंसर का उपचार आसान

जयपुर । ब्लड कैंसर के लक्षणों की समय पर पहचान और सही उपचार से मरीजों के बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। ब्लड कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत ने बताया कि सितंबर ब्लड कैंसर जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। लगातार थकान, कमजोरी, वजन कम होना, बार-बार बुखार या संक्रमण, रात में पसीना, आसानी से नीले निशान पड़ना, ब्लीडिंग और लिम्फ नोड्स में सूजन जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने बताया कि ब्लड कैंसर के उपचार में कीमोथेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी, बोन मैरो ट्रांसप्लांट और कार-टी सेल थेरेपी जैसे आधुनिक विकल्प उपलब्ध हैं। बीएमसीएच में अब तक 191 बोन मैरो ट्रांसप्लांट और 9 कार-टी सेल थेरेपी की जा चुकी हैं। डॉ. शेखावत ने बताया कि बीएमसीएच की नि:शुल्क उपचार योजनाओं में 562 मरीज पंजीकृत हैं, जिनमें 389 मरीज नियमित उपचार के बाद कैंसर मुक्त जीवन जी रहे हैं। उपचार पूरा होने के बाद भी नियमित जांच और फॉलोअप जरूरी है।

पत्नी व बेटी समेत तीन लोगों पर हत्या का आरोप

जयपुर । शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में तीन महीने पहले कमरे में फंदे से शव लटके मिलने के मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतक की बहन की शिकायत पर पुलिस ने उसकी पत्नी, बेटी और साले के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। बहन ने आरोप लगाया कि विवाद के दौरान कालू स्वामी के सिर पर हमला कर उसे घायल किया गया और बाद में हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे से लटकाया गया। साक्ष्य मिटाने के लिए खून से सने कपड़े जलाने और फर्श साफ करने का भी आरोप लगाया गया है।

■ फंदे पर लटकी मिली थी लाश, 3 माह बाद नया मोड आया

थानाधिकारी राजेश गौतम ने बताया कि बीलवा निवासी कालू स्वामी (38) की करीब तीन महीने पहले मौत हुई थी। अब दिल्ली बाईपास निवासी उसकी बहन ममता शर्मा (40) ने न्यायालय के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार कालू अपनी पत्नी अनिता (37), बेटी चंचल (18) और साले गजानंद (35) के साथ रहता था। बेटी के व्यवहार को लेकर उसे टोकने पर घर में विवाद रहता था।

ममता ने रिपोर्ट में बताया कि 12 जून को बेटी चंचल को लेकर कालू और अनिता के बीच विवाद हुआ। आरोप है कि अनिता ने कालू के सिर पर कूकर से वार किया। घायल कालू ने फ्लैट मालिक गोविन्द को फोन कर अस्पताल ले जाने के लिए बुलाया। रात करीब 9 बजे उसका भाई संजय भी पहुंचा तो कालू खून से लथपथ मिला। उसके सिर के पिछले हिस्से से खून निकल रहा था और वह तौलिए से सिर दबाए हुए था। मौके पर पत्नी, बेटी और फ्लैट मालिक मौजूद थे। बाद में साला गजानंद भी पहुंच गया। समझाइश के बाद सभी चले गए।

रिपोर्ट के अनुसार रात करीब 11 बजे गजानंद ने फोन कर बताया कि कालू ने फंदा लगा लिया है और गेट अंदर से बंद है। संजय मौके पर पहुंचा तो पत्नी, बेटी और साला बाहर बैठे मिले। पहली मंजिल पर पहुंचकर संजय ने गेट को धक्का दिया तो वह आसानी से खुल गया। अंदर चादर के फंदे से कालू का शव लटका था, लेकिन पैर जमीन पर टिके हुए थे। बहन का आरोप है कि गले पर फंदे का निशान नहीं था और रस्सी मुंह पर बंधी हुई थी। कालू को नीचे उतारकर आरयूएचएस अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि हत्या के बाद शव को फंदे से लटकाकर आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया गया। कालू के मोबाइल से फोटो-वीडियो डिलीट करने, फेसबुक पर सिर से बहते खून की डाली गई फोटो हटाने, कमरे में बिखरा खून साफ करने और खून से सने कपड़े जलाने के भी आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में पोस्टमार्टम पहले ही कराया जा चुका है और पुलिस मर्ग की जांच भी कर रही थी।

पंचायत चुनाव को लेकर भाजपा प्रदेश प्रभारी ने ली बैठक

जयपुर । भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी संजय भाटिया ने प्रदेश कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों एवं मोर्चा व संभाग प्रभारियों के साथ संगठनात्मक बैठक की। प्रदेश प्रभारी बनने के बाद पहली बार बैठक ले रहे भाटिया ने कहा कि कार्यकर्ता का परिश्रम और सरकार के काम का परिणाम निकाय चुनाव परिणाम के रूप में हमें मिला है। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन और आभार। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार निकाय चुनाव में सत्ता एवं संगठन के तालमेल के साथ हम सब ने जो काम किया है, उसी के अनुसार पंचायत चुनाव की रणनीति बनाकर हमें मैदान में उतरना होगा।

प्रदेश प्रभारी संजय भाटिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज अपने कार्यकर्ताओं के सामर्थ्य और सरकारों के लोककल्याणकारी कामों के कारण अजेय राजनीतिक संगठन के रूप में खड़ी है। पिछले 12 सालों में जिस प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गांव, गरीब और किसान के लिए योजनाएं बनी है, चाहे उज्जवला हो, जल जीवन हो, आयुष्मान हो, किसान कल्याण निधि हो, इन सब का फायदा निश्चित रूप से हर ग्राम और हर घर को को मिला है।

संगठनात्मक बैठक को निकाय चुनाव प्रभारी हरीश द्विवेदी, सह प्रभारी कविता पाटीदार, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी संबोधित करते हुए आगामी पंचायत चुनाव को लेकर रणनीति तय की। बैठक में मंच पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, डॉ अरूण चतुर्वेदी और वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ उपस्थित रहे। मंच संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा ने किया।

ढोल-नगाड़े पर झूमते हुए दी गणपति बप्पा को विदाई

वैशाली नगर से चाकसू के मनोहर तालाब तक निकाली विसर्जन यात्रा

जयपुर । गणपति बप्पा मोरया... अगले बरस तू जल्दी आ... के जयघोष से शुक्रवार को राजधानी जयपुर का माहौल भक्तिमय हो उठा। गणपति महोत्सव के समापन पर शहर के विभिन्न स्थानों से श्रद्धालु अपने आराध्य गणपति की प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए लेकर निकले। कहीं भजन-कीर्तन के साथ बप्पा को विदाई दी गई तो कहीं ढोल-नगाड़ों की गूंज और पारंपरिक नृत्य के बीच गणपति की विसर्जन यात्रा निकली।

वैशाली नगर में महाराष्ट्र की तर्ज पर आयोजित गणपति उत्सव की विसर्जन यात्रा विशेष आकर्षण का केंद्र रही। यहां पिछले 15 वर्षों से महाराष्ट्र की परंपरा के अनुसार गणपति महोत्सव मनाया जा रहा है। इस बार भी महाराष्ट्र के विशेष कारीगरों की ओर से तैयार की गई करीब साढ़े तीन फीट ऊंची मिट्टी की गणपति प्रतिमा स्थापित की गई थी। आयोजक कंवलजीत राणावत ने बताया कि उत्सव के समापन पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान और पूजा-अर्चना के बाद बप्पा को भावभीनी विदाई दी। विसर्जन यात्रा में महाराष्ट्र से विशेष रूप से बुलाए गए ढोल-नगाड़ों की टीम ने अपनी प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। करीब 100 से 150 ढोल वादकों की टीम के साथ श्रद्धालु गणपति के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। ढोल की गूंज पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। वहीं दक्षिण भारत की पारंपरिक बैंड टीम भी यात्रा में शामिल रही, जिससे विसर्जन समारोह में देश

के अलग-अलग हिस्सों की सांस्कृतिक परंपराओं का संगम देखने को मिला। राणावत ने बताया कि पिछले 15 वर्षों से इसी परंपरा के साथ गणपति उत्सव आयोजित किया जा रहा है। गणपति की प्रतिमा विशेष रूप से महाराष्ट्र के कारीगरों से तैयार कराई जाती है और विसर्जन के लिए भी महाराष्ट्र के ढोल वादकों को बुलाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस बार गणपति प्रतिमा को विसर्जन के लिए चाकसू स्थित मनोहर तालाब ले जाया गया। मनोहर तालाब पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की और भक्ति भाव के साथ गणपति प्रतिमा का विसर्जन किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को गणपति बप्पा मोरया के जयकारे के साथ अगले वर्ष फिर आने का निमंत्रण दिया।

15 हजार रु. रिश्वत लेते वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी गिरफ्तार

जयपुर । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को ट्रेप कार्रवाई करते हुए भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ स्टेटिक्स एंड प्रोग्राम इम्प्लीमेन्टेशन के फील्ड ऑपरेशन डिविजन, पटेल मार्ग मानसरोवर में कार्यरत वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी मुकेश माल्या को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते डिटेन किया। ट्रेप कार्रवाई के दौरान आरोपी ने पूर्व से किडनी संबंधी बीमारी का उपचार चलने की जानकारी दी। इसके बाद उसे पहले गणगौरी अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों द्वारा रैफर किए जाने पर एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। एसीबी की शेष टीम अग्रिम कार्रवाई में जुटी है।

एसीबी महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी जयपुर नगर चतुर्थ को शिकायत मिली थी कि परिवादी की ग्रीन माउन्टेन जेम्स प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर नामक फर्म रत्न पन्ना की मैन्युफैक्चरिंग का कार्य करती है। फर्म का पंजीयन प्रमाण-पत्र मिनिस्ट्री ऑफ स्टेटिक्स एंड प्रोग्राम इम्प्लीमेन्टेशन, भारत सरकार की ओर से जारी किया गया है।

शिकायत के अनुसार 24 सितंबर को वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी मुकेश माल्या ने फर्म के विरुद्ध पेनल्टी लगाने का दबाव बनाते हुए 15 हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। शिकायत के सत्यापन के बाद शुक्रवार को एसीबी ने ट्रेप कार्रवाई की। एसीबी जयपुर नगर चतुर्थ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक रामजीलाल और टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान आरोपी मुकेश माल्या को परिवादी से 15 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों डिटेन किया गया।

International Rabbit Day

International Rabbit Day is celebrated to raise awareness about rabbits and promote their care, protection, and welfare. Rabbits are gentle, intelligent, and social animals that make wonderful companions when treated with kindness and respect. The day reminds us that rabbits need proper food, clean shelter, exercise, and love to live healthy lives. It also encourages people to learn about responsible pet ownership and support organizations that rescue and protect rabbits. International Rabbit Day is a great opportunity to appreciate these adorable animals and spread awareness about their needs. By caring for rabbits responsibly, we can help create a safer and happier world for them.

#ARCHEOLOGY

The Hindu in Ancient History

How Bagore in Madhya Pradesh proves that Hinduism existed long before recorded history

When tracing the history of Hinduism, Madhya Pradesh offers several archaeological and cultural landmarks that attest to the religion's ancient origins. Among these is Bagore, a site in Madhya Pradesh whose historical and religious significance provides compelling proof that Hinduism has thrived in the region for thousands of years, long before many other recorded histories.

What is Bagore?

Bagore is a lesser-known archaeological and historical site located in Madhya Pradesh, home to remnants of ancient temples, sculptures, and inscriptions. These relics, dating back several centuries and sometimes millennia, showcase early Hindu religious practices, art, and architecture.

Archaeological Evidence of Early Hinduism

The remains found at Bagore include:

- Temple ruins with characteristic Hindu architectural styles such as *shikhara* (temple towers) and *mandapa* (pillared halls).
- Sculptures and carvings depicting Hindu deities like Shiva, Vishnu, and various manifestations of the Goddess (Devi), which provide clear iconographic proof of worship.
- Inscriptions in ancient scripts such as Brahmi and Gupta scripts that mention Hindu rituals, patronage by kings, and references to Vedic deities.

These findings date back to periods well before many external influences arrived in the subcontinent, underscoring that Hinduism was an established and thriving religion in central India long ago.

Historical Context

Madhya Pradesh, often called the "heart of India," has been a crucible for Hindu thought, art, and culture. The Bagore site fits within a broader historical narrative:

- The Gupta Empire (4th to 6th century CE), considered a golden age of Hindu culture, left extensive religious and artistic legacies in the region.
- Many Hindu temples and inscriptions found in Madhya Pradesh predate the arrival of major Islamic rulers or colonial powers, illustrating Hinduism's deep roots.
- The persistence of Hindu worship practices at Bagore also reflects the continuous cultural traditions carried forward through local communities.

Why Bagore Matters

While grander sites like Khajuraho often dominate discussions about ancient Hinduism in Madhya Pradesh, places like Bagore provide critical grassroots evidence. They show that Hinduism was not only a religion of kings and grand temples but also a living faith practiced by local populations across centuries.

This challenges any notion that Hinduism's presence is a recent development or solely linked to well-known monumental sites. Instead, Bagore highlights a continuous, thriving tradition of Hindu worship and culture long before many historical events that shaped the subcontinent.

A John Trumbull painting of George Washington's capture of Hessian soldiers in Trenton, New Jersey, in December 1776.

Who were the Hessians?

From the beginning, the Germans were demonized in ways that persisted for decades, partly as a result of patriot propaganda. To "rile up American men," as Baer puts it in an interview, they were characterized as heartless, bloodthirsty monsters. Word on the cobblestone streets of the time included rumours that Hessians were cannibals who ate babies.

A 1975 painting of the Battle of Trenton.

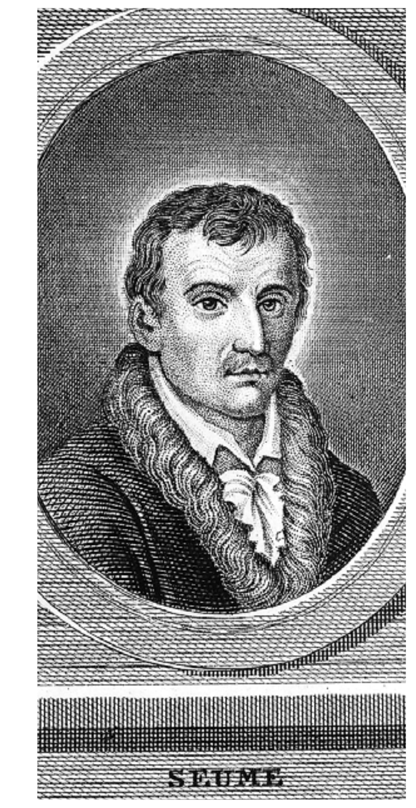

Johann Gottfried Seume, a German man who fought for the British during the American Revolution.

#AMERICAN WARS

● Verna Mohon

On August 15, 1776, a flotilla of British ships arrived on Staten Island, New York, just south of Manhattan. On board, the vessels were more than 8,600 foreign soldiers, the first major contingent of German troops to reach the American Colonies. (Another group had set up camp in Quebec several months earlier to reinforce British forces in Canada.)

There was no mistaking the new arrivals. Unlike their British allies, who were famously known as the redcoats, the Hessians usually wore blue or green coats, sometimes accompanied by tall, pointy brass headgear called miter caps.

For more than a year, the British Army had been battling rebellious colonists' intent on establishing an independent nation. In October 1775, a fed-up George III announced his intention to "put a speedy end to these disorders by the most decisive exertions." The British king added that he had "received the most friendly offers of foreign assistance." Despite vigorous objections from some lawmakers, Parliament backed George in taking up those offers, expecting that the added manpower would soon crush the rebellion once and for all.

The Germans apparently shared that optimism. "None of the soldiers that went to America in 1776 anticipated that the war would last more than a year or two," writes Friederike Baer, a historian at Penn State Abington College, in her 2022 book, *Hessians: German Soldiers in the American Revolutionary War.*

In fact, both the British and the Germans had seriously underestimated the Americans' resolve. The war would drag on for another seven years before finally ending with the Treaty of Paris in September 1783. By then, some 30,000 Germans had been called on to serve. Thousands died in combat or succumbed to disease. And the British went home in defeat.

The Hessians?

The soldiers commonly referred to as Hessian mercenaries weren't mercenaries by the strict definition of the term. They hadn't hired themselves out individually as fighters but were instead on loan from their rulers, who received cash subsidies from Great Britain in exchange for their service. Some of the soldiers had volunteered, others were drafted and still others were essentially grabbed off the streets and pressed into service.

These men weren't all Hessians, either. Germany, at the time, was not a unified nation but rather a collection of territories that had once been a part of the Holy Roman Empire, each governed by its own ruler. Britain signed subsidy treaties with six of them, including Hesse-Cassel and Hesse-Hanau, whose soldiers represented the true Hessians.

Subsidy treaties had a long tradition in Europe, dating back to at least the 1400s. During the Seven Years' War, which ended in 1763, Britain had a subsidy treaty with Prussia to supply it with troops; adversary France had one with Sweden for the same purpose.

As it turned out, the Germans weren't the British government's first choice. Its envoys had approached Russia, only to be turned down by the empress Catherine the Great. The Dutch also balked at cooperating.

The subsidy treaties were separately negotiated with each German ruler and could differ from one to the next. Typically, the rulers agreed to supply a certain number of troops for a set amount of money that would keep flowing for the duration of the war, plus another one or two years. If the British sustained losses, the ruler was responsible for replacing the dead to get back to the agreed-upon number. In some cases, German leaders would be paid extra for every soldier killed or wounded, a practice that some critics denounced as "blood money." The soldiers themselves received their pay directly from the British.

From the beginning, the Germans were demonized in ways that persisted for decades, partly as a result of patriot propaganda. To "rile up American men," as Baer puts it in an interview, they were characterized as heartless, bloodthirsty monsters. Word on the cobblestone streets of the time included rumors that Hessians were cannibals who ate babies.

Even for colonists who might have been skeptical of the rumours, the simple fact that German soldiers would fight on American soil was considered an outrage. From the Americans' point of view, it was one thing for the British to try to put down a rebellion by their own colonists. It was another for them to bring in foreigners to help finish the job.

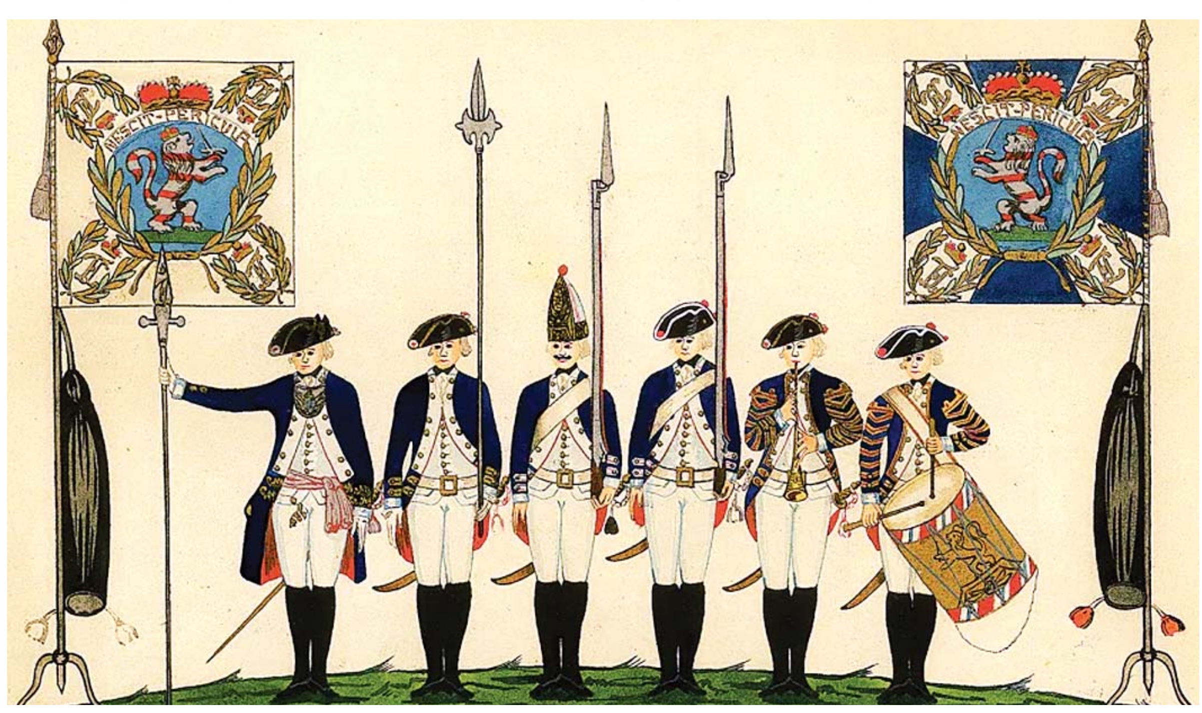

A circa 1783 illustration of Hessian troops.

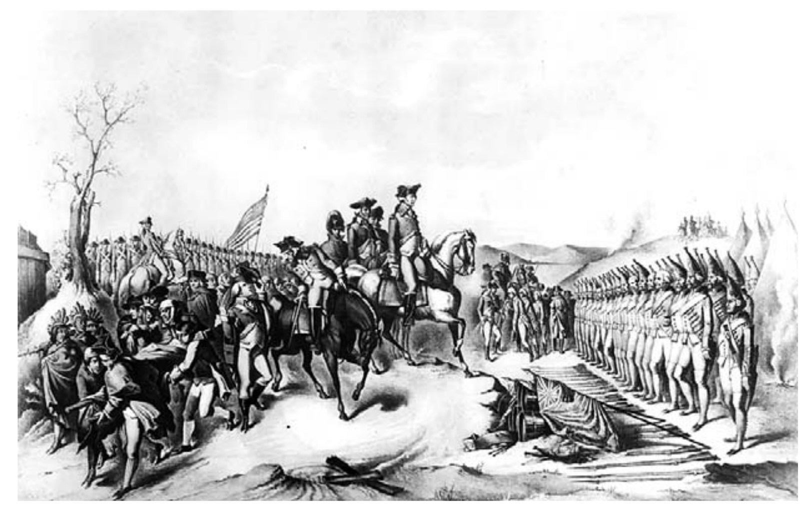

A depiction of Hessian troops' surrender to George Washington after the Battle of Trenton.

John Jay, a founding father who later served on the Supreme Court as the first chief justice of the United States, was initially a reluctant supporter of the Revolution, believing that the American Colonies should instead negotiate with Britain for greater rights. But the introduction of German troops and other aggressive moves by George III converted him to the patriots' cause. "Why are the mercenaries of Germany transported near 4,000 miles to plunder your houses, ravish your wives and daughters?" Jay wrote in a widely read address.

When the Declaration of Independence was adopted on July 4, 1776, the Hessians were still somewhere in the Atlantic. More than a month would pass before they set foot in the Colonies. Even so, the German soldiers were accorded a place in the document's list of 27 grievances against the British king. "He is at this time transporting large armies of foreign mercenaries to complete the works of death, desolation and tyranny, already begun with circumstances of cruelty and perfidy scarcely paralleled in the most barbarous ages, and totally unworthy the head of a civilized nation," the Declaration noted.

The Germans are coming! The Germans are coming!

The colonists didn't need a Paul Revere to tell them that the Germans were on their way. News of the subsidy treaties had been appearing in Colonial newspapers since at least late December 1775. The troops' movements had been tracked across Europe, from Germany to England, where they would board the ships that would take them across the Atlantic.

In CONGRESS. July 4, 1776.
The unanimous Declaration of the ... States of America.

A facsimile of the Declaration of Independence, with the line about "foreign mercenaries" circled in red.

The first contingent of German troops left the port city of Bremerlehe in mid-April 1776, stopping off in Portsmouth before setting sail for America on May 6. Their Atlantic crossing would turn out to be hellish.

In a memoir describing his experience, conscript Johann Gottfried Seume reported that the soldiers were packed together so tightly in bunks that they could only lie on their sides, "and when we thus had sweated and roasted enough on one side, the man on the right end called out, 'Everybody turn!' and so, everybody turned over. After having suffered enough on the other side, the man on the left edge gave the same command, and we squeezed back again into the old position."

Hessian troops (foreground) at the Battle of Bennington.

> The subsidy treaties were separately negotiated with each German ruler and could differ from one to the next. Typically, the rulers agreed to supply a certain number of troops for a set amount of money that would keep flowing for the duration of the war, plus another one or two years. If the British sustained losses, the ruler was responsible for replacing the dead to get back to the agreed-upon number. In some cases, German leaders would be paid extra for every soldier killed or wounded, a practice that some critics denounced as "blood money."

As for the food, Seume wrote, "the bacon was probably four or five years old, had black stripes on both the outer edges, was yellow towards the middle." The bread was infested with worms, which the men "had to eat as a substitute for fat." The drinking water, meanwhile, "smelled like the rivers of Hades. ... One had to hold one's nose while swallowing."

By the time the ships reached New York, the men had been at sea for over three months.

On August 14, a day before the Hessians disembarked on Staten Island, the Continental Congress passed a resolution aimed at persuading as many of them as possible to desert the British and take up residence in the new country.

The resolution promised that Hessians who switched sides "shall be protected in the free exercise of their respective religions, and be invested with the rights, privileges and immunities of natives as established by the laws of these states." They would also receive "50 acres of unappropriated lands in some of these states." George Washington, then serving as commander-in-chief of the Continental Army, managed to have printed copies of the resolution smuggled into the Germans' camp.

Two weeks later, a committee consisting of John Adams, Benjamin Franklin and Thomas Jefferson upped the ante, drafting a handbill aimed at persuading German officers to desert and promising them anywhere between 100 and 1,000 acres, dependent on their rank. This announcement was translated into German, then quickly printed and distributed.

Initially, few takers emerged. In addition to any allegiance the Germans felt towards their homeland, and whatever punishment they might face if caught, going over to the American side seemed like a losing proposition. "They had no reason to believe Britain wouldn't win," Baer says.

What's more, a fair number of Germans were sympathetic to the British cause or at least unsympathetic to the American one. "A colonist on Staten Island lived as comfortably as a German country gentleman, and it seemed extraordinary to the Hessians that people should revolt against a government under which they enjoyed so many blessings," historian Edward J. Lowell wrote in 1884.

Off the boat and into the fray

The exhausted Germans were barely off the boat when British commander William Howe pressed them into service. On August 22, British and German troops crossed the bay between Staten Island and Long Island to begin a series of amphibious landings on the latter's western shore. They would soon number about 20,000 troops: 15,000 British and 5,000 Germans.

Five days later, this combined force attacked the Continental Army from the south as other British troops closed in from the east. The Americans were vastly outnumbered and sustained heavy losses, including the deaths of some 300 soldiers and the capture of 1,100 more, compared with just over 60 deaths on the British and German side. Washington's men retreated to Brooklyn Heights on the northern edge of Long Island. In the dead of night on August 29, the surviving Americans quietly escaped across the East River into Lower Manhattan.

Washington's troops managed to hold New York City for a time, but they abandoned it in mid-September in the face of an imminent British attack. Howe's British and German troops landed at Kips Bay, on the eastern coast of Manhattan, on September 15, forcing the Continental soldiers to retreat northward. The following day, Howe's men attacked Washington's troops in Harlem Heights, on the north end of Manhattan.

The Battle of Harlem Heights provided a much-needed victory for the Continental Army's morale, but the men were soon forced to flee once more, first to White Plains in Westchester County, then across the Hudson River into New Jersey and from there into Pennsylvania. The Americans had lost New York City and wouldn't retake it until 1783.

While the British and German forces might have seemed all but invincible at this point, that perception would soon change. On the night of December 25, 1776, Washington and his troops crossed the Delaware River from Pennsylvania to mount a surprise attack on the German garrison that had been established in Trenton, New Jersey. After a fierce two-hour battle the following day, the Germans surrendered, and close to 900 of them were taken prisoner.

The Battle of Trenton proved to be a turning point in the war, convincing the colonists that their army could more than hold its own against the enemy. Even so, the conflict would continue for the better part of a decade. And the Germans would play a part in every major military campaign of the war.

Over time, American colonists' attitudes towards the Hessians began to evolve. They were not invincible supermen but a diverse mix of professional soldiers and ordinary citizens, some fresh off the farm. Many colonists came to prefer them to the British, even sympathizing with them as innocent victims forced by money-hungry tyrants to fight a war thousands of miles from home, a conflict in which they had no personal stake.

As Washington himself observed in a February 1777 letter, "One thing I must remark in favour of the Hessians, and that is, that our people who have been prisoners generally agree that they received much kinder treatment from them than from the British officers and soldiers."

The Hessians were still the enemy, of course, and they were far from saints. They earned a reputation for helping themselves to whatever property they wanted as rightful spoils of war. In their defense, Baer points out that plundering in wartime was a common practice, and the Germans weren't the only ones guilty of it. British troops were also known to plunder, although the army officially discouraged the practice. Rebel colonists apparently didn't hesitate to loot the homes and farms of their loyalist neighbours.

Of the roughly 30,000 Germans who participated in the conflict, Lowell estimated that just over 17,300 returned to their native lands. Approximately 1,200 were killed in the war, and nearly 6,400 died as a result of accidents or illness. The historian classified another 5,000 as deserters. Baer puts the number of Germans who stayed behind in North America at between 5,000 and 6,000. As many as 3,500 settled in the U.S., with the rest relocating to another part of the continent.

While estimates vary and no one can ever know for sure, it's likely that the number of Americans today with a "Hessian" or two in their family tree is somewhere in the millions. In the end, the Germans did have a major impact, just not the one George III intended.

rajeshsharma1049@gmail.com

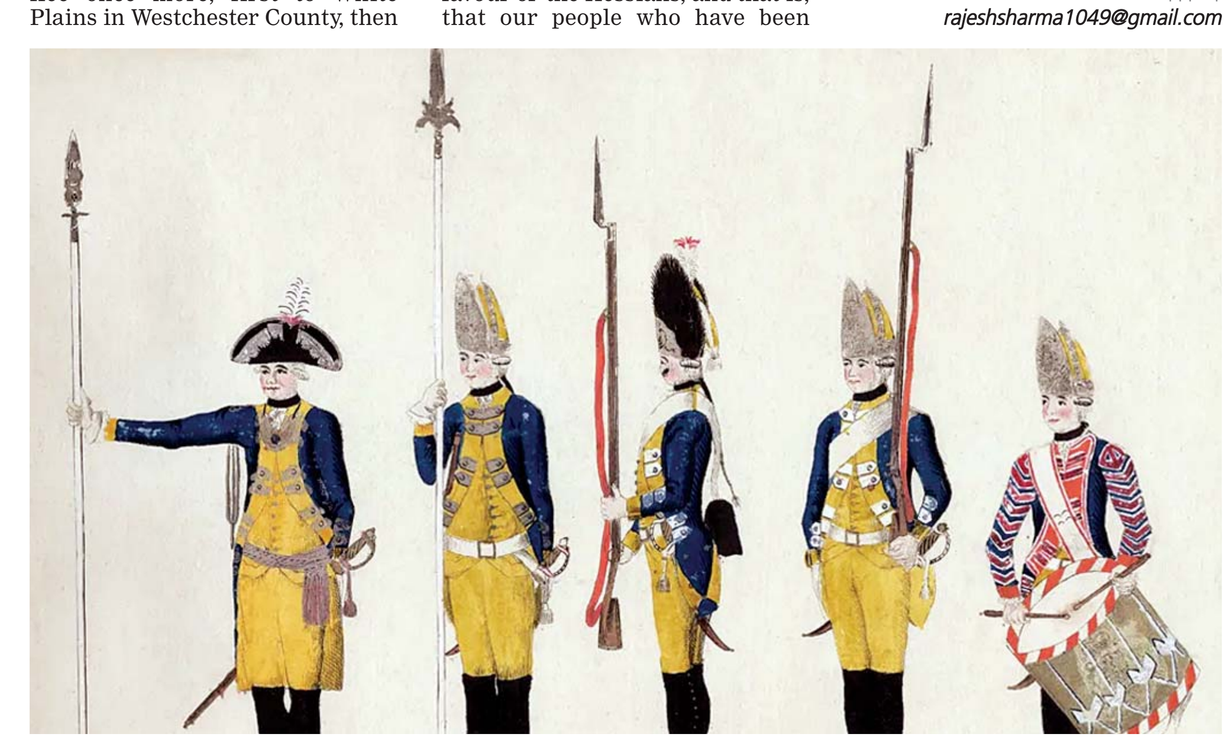

An illustration of Hessian soldiers in uniform.

THE WALL

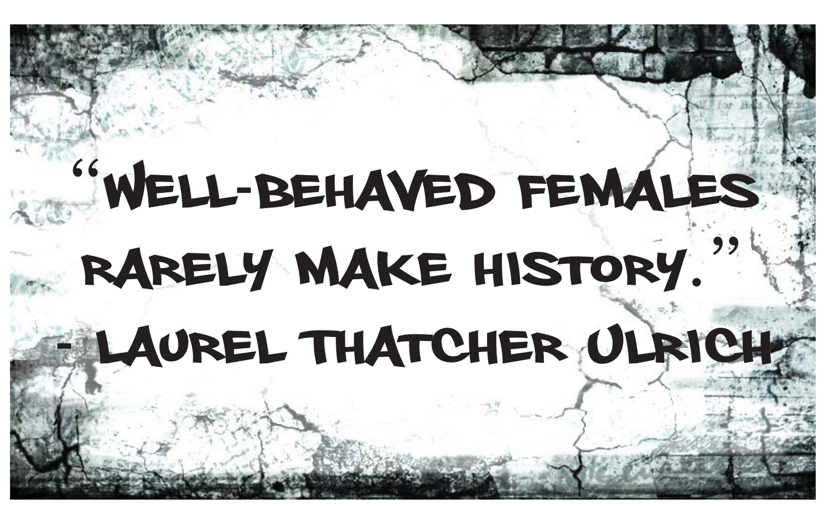

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

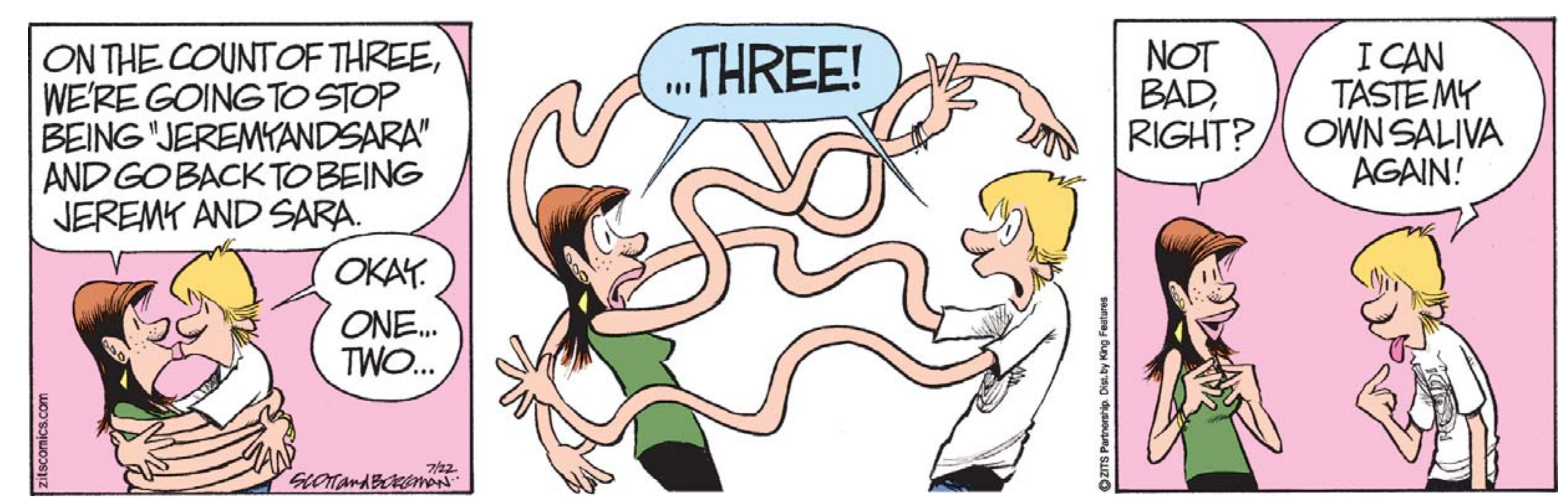

स्यालोदड़ा में प्रदूषण जांच के पहुंची टीम को क्रशर बंद मिलने पर ग्रामीणों का विरोध

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रदूषण विभाग की टीम के पहुंचने से पहले ही क्रशर बंद कर दिए गए और सड़कों पर पानी का छिड़काव कर दिया

पाटन, (निसं)। ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा में कालका माता मंदिर के पास प्रदूषण की स्थिति की जांच के लिए प्रदूषण नियंत्रण विभाग की मोबाइल वैन पहुंची। विभाग की ओर से क्षेत्र में वायु प्रदूषण के स्तर की जांच की गई, लेकिन जांच के दौरान अधिकांश क्रशर बंद मिलने पर ग्रामीणों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए इसे खानापूर्ति बताया।

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रदूषण विभाग की टीम के पहुंचने से पहले ही क्रशर बंद कर दिए गए और सड़कों पर पानी का छिड़काव कर दिया गया। इससे सामान्य दिनों में रहने वाली धूल और प्रदूषण की वास्तविक स्थिति जांच में सामने नहीं आ सकी। ग्रामीणों ने जांच स्टाफ पर क्रशर संचालकों से मिलीभगत का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष एवं अचानक जांच कराने की मांग की।

पाटन के स्यालोदड़ा में प्रदूषण नियंत्रण विभाग की मोबाइल वैन जांच के लिये पहुंची।

- ग्रामीणों ने जांच स्टाफ पर क्रशर संचालकों से मिलीभगत का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष एवं अचानक जांच कराने की मांग की

ग्रामीण रमेश गुर्जर ने आरोप लगाया कि प्रदूषण विभाग की गाड़ी पहुंचते ही रास्तों पर पानी का छिड़काव शुरू करवा दिया गया। साथ ही अधिकांश क्रशर भी बंद कर दिए गए। उन्होंने कहा कि यदि सामान्य दिनों की तरह क्रशर चलते रहते और सड़क पर पानी का छिड़काव नहीं किया जाता तो प्रदूषण की वास्तविक स्थिति सामने आती। ग्रामीण पंकज सैनी ने कहा कि विभाग की ओर से की जा रही जांच केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। उन्होंने मांग की कि क्षेत्र में अचानक जांच की जाए अथवा स्थायी रूप से प्रदूषण मापने की मशीन लगाई जाए, ताकि क्षेत्र में धूल प्रदूषण के स्तर की लगातार निगरानी हो सके। उन्होंने कहा कि क्रशर इकाइयों से दिन-रात उड़ने वाली धूल के कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में सैकड़ों लोग धूल प्रदूषण से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं से परेशान हैं। उनका दावा है कि क्रशर इकाइयों में काम करने वाले कई श्रमिक टीबी और सिलिकोसिस जैसी गंभीर बीमारियों से प्रभावित हुए हैं और कुछ की मौत भी हुई है।

ग्रामीण गिरवर सैनी ने सवाल उठाया कि जब क्रशर ही बंद हैं तो प्रदूषण की वास्तविक स्थिति कैसे सामने आएगी। उन्होंने कहा कि क्रशर संचालन के दौरान जांच की जानी चाहिए, तभी क्षेत्र में धूल प्रदूषण की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी।

प्रदूषण नियंत्रण विभाग सीकर के आरओ नीरज शर्मा ने बताया कि जयपुर से मोबाइल मशीन एक महीने के लिए विभाग के पास आई हुई है। इसके माध्यम से जिले में विभिन्न स्थानों पर वायु प्रदूषण की रूटीन जांच की जा रही है। मशीन एक स्थान पर करीब 24 घंटे तक वायु गुणवत्ता की निगरानी करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह जांच औद्योगिक इकाइयों के प्रदूषण की जांच से अलग है। इंडस्ट्रियल प्रदूषण की जांच विभाग की अलग मशीन के माध्यम से की जाती है।

होटल बुकिंग के नाम पर लोगों से ऑनलाइन ठगी

तीन साइबर ठग गिरफ्तार, पांच मोबाइल, लैपटॉप और ठगी के पैसों से खरीदी थार जब्त

डीग/भरतपुर, (निसं)। होटल बुकिंग के नाम पर लोगों को ऑनलाइन झांसे में लेकर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का डीग पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पांच मोबाइल फोन, एक लैपटॉप और साइबर ठगी की राशि से खरीदी गई काले रंग की थार गाड़ी जब्त की गई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी फर्जी होटल वेबसाइट के जरिए ग्राहकों को अपने जाल में फंसाते और व्हाट्सएप पर संपर्क के बाद फर्जी क्यूआर कोड भेजकर रकम अपने खातों में ट्रांसफर करा लेते थे। यह कार्रवाई एसपी डीग शरण गोपीनाथ के निर्देशन में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन काउंटडाउन' के तहत थाना कोतवाली डीग, साइबर सेल और डीएसटी की संयुक्त टीम ने की।

थाना कोतवाली प्रभारी हीरालाल मीणा के अनुसार गश्त एवं चेकिंग के दौरान बस स्टैंड डीग के पास मुखबिर से सूचना मिली कि एक थार गाड़ी में कुछ युवक बैठकर साइबर ठगी कर रहे हैं। पुलिस टीम बताए स्थान पर पहुंची तो यूपी नंबर की काली थार खड़ी मिली। गाड़ी में पांच युवक बैठे थे। पुलिस को देखते ही चालक और उसके पास बैठा युवक जंगल की ओर भाग निकला, जबकि पीछे की सीट पर बैठे तीन युवकों को पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ में उनकी पहचान वसीम पुत्र इदरीस, अकरम पुत्र काशीम, दोनों निवासी दौलतपुर (लहचोरा), थाना गोवर्धन, जिला मथुरा तथा तारीफ पुत्र हनीफ निवासी जोतरी पीपल, थाना गोपालगढ़, डीग के रूप में हुई। तलाशी में इनके पास से पांच मोबाइल और एक लैपटॉप मिले।

- सॉफ्टवेयर इंजीनियर साथी से होटल जैसी दिखने वाली फर्जी वेबसाइट बनवाते थे

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी किसी वास्तविक होटल से मिलती-जुलती फर्जी वेबसाइट तैयार करवाते थे। इसके लिए सॉफ्टवेयर इंजीनियर आरोपी तारीफ की मदद ली जाती थी। वेबसाइट के कॉन्टेक्ट सेक्शन में फर्जी मोबाइल और व्हाट्सएप नंबर डालकर ग्राहकों को संपर्क के लिए आकर्षित किया जाता था। ग्राहक होटल बुकिंग के लिए संपर्क करता तो आरोपी व्हाट्सएप पर बातचीत कर उसे विश्वास में लेते और भुगतान के लिए फर्जी क्यूआर कोड भेजते थे। क्यूआर कोड के जरिए रकम हासिल करने के बाद ठााहक से संपर्क तोड़ देते थे।

आरोपी फर्जी आईडी के साथ फर्जी सिम व बैंक खातों का इस्तेमाल भी करते थे। पुलिस को जांच में अलग-अलग तरह के प्रलोभन देकर लोगों को ठगने के साक्ष्य भी मिले हैं। मौके से जब्त थार के बारे में आरोपियों ने बताया कि गाड़ी फरार आरोपी मानवेन्द्र उर्फ कलुवा निवासी मुड़सेरस की है और इसे साइबर ठगी की रकम से खरीदा गया था। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश के साथ गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और बैंक खातों की भी जांच कर रही है।

धर्म, राजनीति और व्यक्ति के चरित्र को बदलने का औजार है पुस्तकें : प्रो. दाधीच

जयपुर /चूरू। पुस्तकें धर्म, राजनीति और व्यक्तियों का चरित्र बदलने का औजार रही हैं और वैचारिक धरातल पर आज भी उतनी ही मारक हैं। पुस्तकों के संग व्यक्ति एकांतवास में रहकर भी पूर्णता प्राप्त करता है। पुस्तकों की संगत से वह सब कुछ पा लेता है जो जीवन के सच से साक्षात्कार कराने के लिए पर्याप्त है। यह विचार लेखक-चिंतक एवं वर्द्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. नरेश दाधीच ने शुक्रवार को चूरू बालिका महाविद्यालय सभागार में स्थानीय प्रयास संस्थान के प्रो. नौरत्नचंद धारीवाल को समर्पित पुस्तक उपहार कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। प्रो. दाधीच ने कई ऐतिहासिक, राजनीतिक संदर्भों के माध्यम से कहा कि पुस्तकें समय की जरूरत है और खासकर युवा पीढ़ी को पुस्तकों एवं पुस्तक-संस्कृति से जुड़ना चाहिए।

- चूरू में स्थानीय प्रयास संस्थान के प्रो. नौरत्नचंद धारीवाल को समर्पित पुस्तक उपहार कार्यक्रम का आयोजन

चूरू बालिका महाविद्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम को अतिथियों ने संबोधित किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि और प्रो. धारीवाल के पुत्र पूर्व आईएएस सुनील धारीवाल ने कहा कि व्यक्ति का चरित्र न केवल उसके परिवार को गढ़ता है अपितु पूरे परिवेश को आंदोलित करता है। प्रो. धारीवाल ऐसे ही व्यक्ति थे जिन्होंने संघर्ष के मार्ग से गुजरते योग्य शख्स को गढ़ा और एक स्वस्थ समाज निर्माण का संकल्प लिया। पूर्व आईएएस डॉ. लोकनाथ सोनी ने कहा कि पुस्तक और जिंदा व्यक्ति समाज को आगे ले जाते हैं। प्रो. धारीवाल के कारण मुझ जैसे कितने ही व्यक्ति बने और आगे बढ़े। राजस्थान विश्वविद्यालय सिंडिकेट के पूर्व सदस्य प्रो. एच. आर. ईसराण ने कहा कि पुस्तकों से गहराई से जुड़े प्रो. धारीवाल की स्मृति में पुस्तक उपहार से बेहतर कोइ विकल्प है ही नहीं। प्रयास का लेखक को लागत और पाठक को पुस्तक मिशन उसी सार्थक कड़ी की मुहिम है। कार्यक्रम अध्यक्ष नगरपरिषद के पूर्व सभापति एवं महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष रामगोपाल बहड़ ने कहा कि पुस्तकों से जुड़ना और प्रो. धारीवाल को याद करना दोनों ही क्षण गर्व भरे हैं।

शिक्षाविद् प्रो. नौरत्नचंद धारीवाल की जयंती पर आयोजित हुए उक्त कार्यक्रम में धारीवाल परिवार द्वारा प्रयास संस्थान के माध्यम से चूरू अंचल के लेखकों से अस्सी हजार रुपये मूल्य की पुस्तकें क्रय कर महाविद्यालय के पुस्तकालय को भेंट की गईं। महाविद्यालय प्राचार्य आशा कोठारी को प्रयास संस्थान के अध्यक्ष और राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण एवं पूर्व आईएएस सुनील धारीवाल ने पुस्तकें भेंट की। अंचल के साहित्यकार अशोक अनुराग, स्नेहलता शर्मा, राजेंद्र मुसाफिर, किशोर कुमार निर्वाण, आशीष गौतम, डॉ. बजरंग बगड़िया, मंगल व्यास भारती आदि ने अपनी पुस्तकें मंच से प्रयास को दी और ऑनलाइन मूल्य प्राप्त किया।

प्रो. धारीवाल के चित्र पर पुष्पाजंलि से प्रारंभ हुए कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन प्रयास संस्थान के अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने दिया और योजना के विषय में बताया। कार्यक्रम में इंजीनियर सोहनलाल फगेड़िया, एडवोकेट बजरंगलाल शर्मा, संतोष मासूम, श्यामसुंदर शर्मा, के. आर. पाटवाल, सुभाष मेघवाल, अशोक कुमार डूडी, प्रो. हिमांश महला, डॉ. कृष्णा जाखड़, श्रेयांश धारीवाल आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। धन्यवाद महाविद्यालय की प्राचार्य आशा कोठारी ने दिया।

जेवर व नकदी चोरी

उदयपुर, (निसं)। डबोक थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ सूने मकान से जेवर व नकदी चुराने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित लिलेस दास पुत्र हिम्मतदास निवासी भवरासिया ने डबोक पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 23 सितंबर को मैं मकान पर ताला लगाकर पास ही गांव में गवरी देखने के लिए गया था। वापस लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। इस पर तलाशी ली तो करीब 3 लाख रूपये नकदी, सोने का मंगलसूत्र, कान के झुमके, चांदी की पायल, कंदोरा बिछिया गायब थी।

अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में दो बंदियों ने निगरानी कैमरे तोड़े

अजमेर, (निसं)। अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में बंद दो बंदियों द्वारा अपने-अपने बैरक में लगे निगरानी कैमरों को क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है। जेल प्रशासन की जांच में दोनों कैमरों के टूटे हुए हिस्से बैरक के ऊपर स्थित छत से बरामद हुए। मामले में जेल प्रशासन की ओर से सिविल लाइंस थाना पुलिस को शिकायत दी गई, जिसके आधार पर दोनों बंदियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

जेल प्रशासन की रिपोर्ट के मुताबिक, 22 सितंबर की रात बैरक नंबर-1 के ब्लॉक नंबर-1 में स्थित सेल नंबर 3 और सेल नंबर 5 के निगरानी कैमरे अपनी जगह पर नहीं मिले। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो दोनों कैमरे गायब थे। इसके बाद आसपास के हिस्सों की तलाशी ली गई, जहां बैरक की छत पर कैमरों के टूटे हुए हिस्से मिले। जेल के नियंत्रण कक्ष में उपलब्ध पुरानी रिकॉर्डिंग की जांच की गई। फुटेज में सामने आया कि सेल नंबर-3 में बंद सुमित कुमार ने निगरानी कैमरे को नुकसान पहुंचाने के लिए पत्थर का इस्तेमाल किया। रिकॉर्डिंग में वह सेल के शौचालय की दीवार पर चढ़ता हुआ भी दिखाई दिया। जेल प्रशासन के अनुसार, 4 सितंबर की सुबह करीब 7 बजकर 15 मिनट तक सेल नंबर-3 का कैमरा काम कर रहा था। इसके बाद उसकी रिकॉर्डिंग बंद हो गई। इसी तरह सेल नंबर-5 में लगा कैमरा भी सुबह करीब 7 बजकर 12 मिनट तक रिकॉर्डिंग करता दिखाई दिया। रिकॉर्डिंग में सुमित कुमार के हाथ में पत्थर दिखाई देने और उसे निगरानी कैमरे की दिशा में फेंकने की बात सामने आई है। इसके बाद दूसरा बंदी रामबीर पुत्र सत्यवीर भी सेल में आता दिखाई देता है। कुछ देर बाद सुमित कुमार शौचालय की दीवार पर चढ़कर कैमरे तक पहुंचने का प्रयास करता नजर आया। इसके बाद कैमरे की रिकॉर्डिंग बंद हो गई। जेल प्रशासन ने दोनों बंदियों पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा जेल प्रशासन के काम में बाधा डालने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर सिविल लाइंस थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब पूरे घटनाक्रम की जांच के साथ-साथ कैमरों को क्षितग्रस्त करने के पीछे की वजह और दोनों बंदियों की भूमिका की पड़ताल कर रही है।

- बैरक की छत पर मिले कैमरों के टूटे हिस्से, मामला दर्ज

लॉरेंस गैंग के निशाने पर सिरोही के पूर्व विधायक संयम लोढ़ा, दो इनामी शूटर ारिफ्तार

आरोपियों के मोबाइल से लोढ़ा की तस्वीरें और रेकी के सबूत मिले

जालोर, (निसं)। सिरोही कांग्रेस के पूर्व विधायक संयम लोढ़ा को निशाना बनाने की साजिश का खुलासा करते हुए जोधपुर पुलिस ने लॉरेंस गैंग के दो शूटरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के मोबाइल से लोढ़ा की तस्वीरें और उनकी रेकी किए जाने के सबूत मिले हैं।

जानकारी के अनुसार राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और जोधपुर पुलिस की संयुक्त पूछताछ में लॉरेंस गिरोह की ओर से सिरोही के पूर्व विधायक संयम लोढ़ा को निशाना बनाने की साजिश का खुलासा हुआ है। पुलिस ने पंजाब पुलिस की ओर से पांच-पांच लाख रुपये के इनामी दो शूटरों जसकरण सिंह उर्फ करण और राजिंदर उर्फ बिल्ला को गिरफ्तार किया है। दोनों के मोबाइल फोन से पूर्व विधायक लोढा की तस्वीरें बरामद हुई हैं। पुलिस के अनुसार शूटरों ने सिरोही स्थित लोढ़ा के फार्म हाउस की कई दिनों तक रेकी की थी। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों शूटरों ने सिरोही में पूर्व विधायक के फार्म हाउस के पास स्थित पहाड़ी पर अपना ठिकाना बनाया था। यहां से वे लोढ़ा के आने-जाने के समय, उनकी गतिविधियों और उनसे मिलने आने वाले लोगों पर नजर रखते थे। उन्होंने वारदात के बाद भागने के लिए सुनसान इलाकों और पहाड़ी रास्तों की भी रेकी की। पूछताछ में आरोपियों ने दावा किया कि पूर्व विधायक लोढा और उनके भाई के बीच वैचारिक मतभेद थे और इसी वजह से उन्हें निशाना बनाने की योजना बनाई गई। हालांकि पुलिस इस दावे की पुष्टि के लिए अभी जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार निकाय चुनाव के दौरान फार्म हाउस पर पार्षदों और समर्थकों की आवाजाही बढ़ गई थी। इस वजह से शूटरों को वारदात का मौका नहीं मिल सका और उनकी योजना सफल नहीं हो पाये। सिरोही के पूर्व विधायक संयम लोढ़ा की हत्या की साजिश के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

- पुलिस के अनुसार शूटरों ने सिरोही स्थित लोढ़ा के फार्म हाउस की कई दिनों तक रेकी की थी, पूर्व विधायक के फार्म हाउस के पास स्थित पहाड़ी पर अपना ठिकाना बनाया था।
- पुलिस ने पंजाब पुलिस की ओर से पांच-पांच लाख रुपये के इनामी दो शूटरों जसकरण सिंह उर्फ करण और राजिंदर उर्फ बिल्ला को दबोचा

विकसित भारत-जन सेवा अभियान के तहत पक्के आवास की स्वीकृति मिली

जयपुर। किसी परिवार के लिए पक्का घर सिर्फ ईंट और सीमेंट की चारदीवारी नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य का भरोसा होता है। वर्षों से कच्चे और जर्जर मकान में रह रही जोधपुर जिले के डांगियावास की सुगरी पत्नी जस्सा राम के लिए यह सपना अब वास्तविकता में बदलने को है। विकसित भारत-जन सेवा अभियान 2026 में आयोजित विशेष शिविर में उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में पक्के आवास की स्वीकृति मिली। सुगरी के लिए यह केवल एक सरकारी स्वीकृति नहीं बल्कि एक ऐसी नई शुरुआत है, जिसकी प्रतीक्षा उनके परिवार ने वर्षों से की थी। अब तक मानसून में छत से रिसता पानी, गर्मी में टूटी खिड़की से आती लू और दिसम्बर-जनवरी की शीत लहर, हर मौसम यातना था।

- शिविर में गोरधन राम के लिए भी वर्षों पुरानी समस्या के समाधान का रास्ता खुला

जन सेवा शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में सुगरी को लाभ मिला।

डांगियावास का यह शिविर केवल योजनाओं की जानकारी देने तक सीमित नहीं रहा बल्कि आमजन की समस्याओं और उनके वास्तविक समाधान करने का मंच भी बना। एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएँ उपलब्ध होने से ग्रामीणों को संबंधित कार्यालयों तक जाने की परेशानी कम हुई और मौके पर ही प्रकरणों के निस्तारण की कार्यवाही की गई। इसी शिविर में गोरधन राम पुत्र कंवराराम के लिए भी वर्षों पुरानी समस्या के समाधान का रास्ता खुला। उनके खसरा संख्या 172 एवं 180 के हिस्से में दर्ज अशुद्धि के संबंध में राजस्व विभाग द्वारा आवश्यक प्रपत्र तैयार कर मौके पर ही शुद्धीकरण की कार्यवाही की गई।

एक ओर सुगरी को सुरक्षित आवास की दिशा में कदम मिला, तो दूसरी ओर गोरधन राम को भूमि अभिलेख से जुड़ी समस्या से राहत मिली। उल्लेखनीय है कि भजनलाल सरकार 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित विकसित भारत-जन सेवा अभियान के तहत प्रदेशभर में विभिन्न गतिविधियों के साथ सेवा सेतु शिविरों का आयोजन कर रही है। अभियान का उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुँचाने, पात्र लोगों को योजनाओं एवं नागरिक सेवाओं से जोड़ने और स्थानीय स्तर पर लंबित प्रकरणों एवं परिवेदनाओं के निस्तारण को गति देना है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अभियान में विभागों के समन्वय और सेवा सेतु शिविरों के माध्यम से आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

अलवर के जिला अस्पताल में मरीज की मौत

अलवर, (निसं)। अलवर के जिला अस्पताल में गुरुवार रात मरीज की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने ड्यूटी डॉक्टर और स्टाफ पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि तबीयत बिगड़ने के दौरान बार-बार मदद मांगने के बावजूद मरीज को समय पर उपचार नहीं मिला।

जानकारी के अनुसार दीवान जी का बाग निवासी निर्मल को पिछले तीन दिनों से बुखार था। गुरुवार शाम अचानक तबीयत ज्यादा खराब होने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां जांच के बाद उसे मेल सर्जिकल वार्ड में भर्ती किया गया। परिजनों का आरोप है कि वार्ड में मरीज को देखने पहुंचे डॉक्टर के कानों में ईयरबड्स लगे हुए थे। उनका कहना है कि डॉक्टर ने मरीज को ठीक से नहीं देखा और इंजेक्शन लगाने के बाद वहां से चले गए। कुछ देर बाद मरीज की तबीयत और ज्यादा बिगड़ गई। इसके बाद परिजन वार्ड में मौजूद स्टाफ से मरीज को संभालने और इलाज करने की लगातार गुहार लगाते रहे। परिजनों के मुताबिक, मरीज की हालत बिगड़ने के दौरान भी समय पर पर्याप्त चिकित्सा सहायता नहीं मिली। इसी दौरान परिजनों ने घटनाक्रम का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। आरोप है कि वार्ड में मौजूद एक स्टाफकर्मी ने उन्हें धमकाया और मोबाइल फोन छीनने का प्रयास किया।

तिरंगा योजना को आठ साल बीतने के बाद भी भरतपुर स्टेशन पर नहीं लहराया तिरंगा

भरतपुर के आसपास के कई प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 100 फीट या बड़े राष्ट्रीय ध्वज पहले से लगाए जा चुके हैं

भरतपुर, (निसं)। देश के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 100 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज लगाने की पहल शुरू हुए करीब आठ वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन भरतपुर रेलवे स्टेशन के बाहर आज भी तिरंगे का इंतजार खत्म नहीं हुआ है। सबसे हैरानी की बात यह है कि भरतपुर स्टेशन पर 100 फीट ऊंचे तिरंगे के लिए फाउंडेशन तैयार हुए भी करीब साढ़े तीन वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन आज तक उस पर राष्ट्रीय ध्वज नहीं लगाया जा सका है। जिस स्थान पर राष्ट्रीय ध्वज को शान से लहराना था, वहां पोल तो दिखाई देता है, लेकिन उस पर तिरंगा नहीं है।

समाजसेवी राहुल मदेरणा ने बताया कि भरतपुर के आसपास के कई प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 100 फीट या बड़े राष्ट्रीय ध्वज पहले से लगाए जा चुके हैं। धौलपुर, मुरैना, आगरा, ग्वालियर, मथुरा-वृंदावन और दौसा जैसे आसपास के क्षेत्रों के स्टेशनों पर राष्ट्रीय ध्वज नजर आता है। भरतपुर केवल एक सामान्य रेलवे स्टेशन नहीं है। यह संभाग मुख्यालय होने के साथ-साथ क्षेत्र का महत्वपूर्ण रेलवे केंद्र है। इसके बावजूद स्टेशन के बाहर वर्षों से तिरंगे का पोल खाली खड़ा रहना लोगों के लिए आश्चर्य का विषय बना हुआ है।

- रेलवे स्टेशन के बाहर वर्षों से तिरंगे का पोल खाली खड़ा रहना लोगों के लिए आश्चर्य का विषय बना हुआ है
- रेलवे की ओर से प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशाल राष्ट्रीय ध्वज लगाने की पहल वर्ष 2018 में शुरू की गई थी

मदेरणा ने कहा कि भरतपुर देश-विदेश के पर्यटकों के लिए महत्वपूर्ण पर्यटन केंद्र है। दिल्ली, आगरा और जयपुर को जोड़ने वाले लोकप्रिय गोल्डन ट्रायंगल पर्यटन सर्किट में भी भरतपुर का महत्वपूर्ण स्थान है। रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाले विदेशी पर्यटकों के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों से आने वाले पर्यटक और भरतपुर से बाहर काम करने वाले स्थानीय लोग भी स्टेशन से गुजरते हैं। ऐसे में स्टेशन पर तैयार 100 फीट का पोल लेकिन उस पर तिरंगे का ना होना लोगों को खटकता है।

मदेरणा ने बताया कि रेलवे की ओर से प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशाल राष्ट्रीय ध्वज लगाने की पहल वर्ष 2018 में शुरू की गई थी। इसके पीछे सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज को प्रमुखता देना और यात्रियों में राष्ट्रीय गौरव एवं देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना उद्देश्य था। ऐसे में भरतपुर में वर्ष 2023 में तिरंगे के लिए फाउंडेशन तैयार होने के बाद भी वर्षों तक काम पूरा नहीं होना कई सवाल खड़े करता है।

भरतपुर निवासी राहुल मदेरणा ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि भरतपुर जैसे महत्वपूर्ण शहर के रेलवे स्टेशन के बाहर तिरंगे के लिए पोल और फाउंडेशन तैयार होने के बावजूद वर्षों तक उस पर झंडा नहीं लगना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य रेलवे और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना है ताकि वर्षों से अधूरा पड़ा यह काम पूरा हो और भरतपुर रेलवे स्टेशन के बाहर भी राष्ट्रीय ध्वज सम्मान के साथ लहराता दिखाई दे। उनकी मांग है कि रेलवे इस कार्य को प्राथमिकता देते हुए जल्द से जल्द पूरा करे और भरतपुर रेलवे स्टेशन पर 100 फीट ऊंचे पोल पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए।

विधायक बराला ने आष्टीकलाँ में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया

चौमूं / कालाडेरा। चौमूं विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत आष्टीकलाँ में शुक्रवार को विभिन्न जनहित से जुड़े विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किए गए। विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने क्षेत्र में करवाए गए विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण कर ग्रामीणों को विकास की महत्वपूर्ण सौगात प्रदान की।

ग्राम पंचायत आष्टीकलाँ में विधायक कोष से 20 लाख की लागत से निर्मित सीसी रोड एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण किया गया। वहीं राज्य बजट में स्वीकृत 60 लाख की लागत से खेल मैदान से लुंगती वाले बालाजी होते हुए बांगड़ा बास की सीमा की ओर निर्मित 2 किलोमीटर डामर सड़क का भी लोकार्पण किया गया। यह सड़क ग्रामीणों की लम्बे समय से चली आ रही मांग थी, जिसके पूरा होने से क्षेत्रवासियों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी।

चौमूं में आष्टीकलाँ में विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने सीसी रोड एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण किया।

इसके साथ ही सांसद कोष से 24 लाख की लागत से राउमावि आष्टीकलाँ में निर्मित चारदीवारी का लोकार्पण किया गया। इन विकास कार्यों से गांव में सड़क, स्वास्थ्य एवं शिक्षा से जुड़ी आधारभूत सुविधाओं को और मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने कहा कि चौमूं विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क,

■ 60 लाख की लागत से खेल मैदान से लुंगती वाले बालाजी होते हुए बांगड़ा बास की सीमा की ओर निर्मित 2 किलोमीटर डामर सड़क का भी लोकार्पण किया

स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य बजट में स्वीकृत विकास कार्यों को धरातल पर उतारने के साथ-साथ विधायक कोष एवं अन्य माध्यमों से भी क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। जनहित से जुड़े विकास कार्यों का यह सिलसिला निरंतर जारी रहेगा। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष गिरिराज देवंदा, प्रशासक संतोष देवी, सांवरमल बोचल्या, पूर्व प्रधान भगवान सहाय धौंसिल, कृष्णदत्त शर्मा, गोगराज देवंदा, बाबूलाल गढ़वाल, पूर्व सरपंच गोपीराम घोसलिया, रामपाल पिंगोलिया, मंडल अध्यक्ष बाबूलाल गढ़वाल, मंडल अध्यक्ष रामकरण यादव, पूर्व सरपंच प्रभाती लाल यादव, अशोक कुमावत, एडवोकेट महेन्द्र चौधरी, हरि टोडावता, सूरजमल देवंदा, सेवाराम मावलिया, मलजी गढ़वाल, सुरेन्द्र कुमावत, लालचंद गौरा, लालचंद कुमावत, महावीर सिंह सहित जनप्रतिनिधि, कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने क्षेत्र में करवाए गए विकास कार्यों के लिए विधायक डॉ. शिखा मील बराला का आभार व्यक्त किया।

'वर्क पेंडेंसी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं'

पावटा। उपखण्ड अधिकारी कार्यालय विराटनगर में शुक्रवार को उपखण्ड अधिकारी लालाराम यादव की अध्यक्षता में राजस्व एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक का आयोजन दो चरणों में किया गया, जिसमें अधिकारियों को लंबित कार्यों के त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए स्पष्ट निर्देश दिए गए।

दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक तहसीलदार एवं समस्त राजस्व कार्मिकों के साथ आयोजित बैठक में एसडीएम ने वर्क पेंडेंसी की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजकार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी कार्मिक अपने दायित्वों का गंभीरता एवं समयबद्धता के साथ निर्वहन करें। इसके बाद शाम 5 बजे से 6 बजे तक सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

सार-समाचार

राजगढ़ पालिका नवनिर्वाचित अध्यक्ष रेखा देवी सैनी ने कार्यभार संभाला

राजगढ़। राजगढ़ कस्बे की नगर पालिका में नवनिर्वाचित अध्यक्ष रेखा देवी सैनी ने शुक्रवार को दोपहर करीब 1 बजे पदभार ग्रहण किया। इससे पूर्व नवनिर्वाचित अध्यक्ष रेखा देवी, उपाध्यक्ष सर्वेश सैनी, के नेतृत्व में नवनिर्वाचित सभी पार्षदों का अभिनंदन किया गया। इस दौरान नगर पालिका राजगढ़ के पूर्व अध्यक्षों का स्वागत सम्मान किया गया। नगर पालिका अधिशासी अधिकारी विक्रांत शर्मा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष रेखा देवी एवं उपाध्यक्ष सर्वेश सैनी का अभिनंदन किया। इस अवसर पर रेखा देवी सैनी ने राजगढ़ क्षेत्र में बिजली पानी एवं सफाई की समस्या के समाधान को प्रमुख वरीयता देने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता बना राम मीणा, मंडल अध्यक्ष प्रकाश दीक्षित, उपखंड अधिकारी सीमा मीणा, अधिशासी अधिकारी विक्रांत शर्मा, सांसद प्रतिनिधि उज्जवल, एवं प्रमुख संस्थाओं के अध्यक्ष, सामाजिक एवं व्यापारिक, धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, सहित कस्बे के प्रमुख लोग मौजूद रहे।

भरतपुर में ट्रेन की चपेट में आने से 26 वर्षीय युवक की मौत

भरतपुर। भरतपुर के उद्योग नगर थाना इलाके में जघीना रेलवे फाटक के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। रात करीब 3 बजे रेलवे ट्रैक पर युवक का शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान जघीना निवासी 26 वर्षीय राजेंद्र के रूप में हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार जघीना निवासी राजेंद्र रात करीब 11 बजे खाना खाने के बाद घर से घूमने के लिए निकला था। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटा। परिजनों ने रातभर उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसी दौरान उद्योग नगर थाना पुलिस को जघीना रेलवे फाटक के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस की सूचना के बाद परिजन भी मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने शव की पहचान राजेंद्र के रूप में की। पुलिस के अनुसार युवक के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद होगी। उद्योग नगर थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

नेत्र शिविर आयोजित

कोटपूतली। निकटवर्ती ग्राम मलपुरा स्थित रिवाला धाम मंदिर में स्व. राजेंद्र प्रसाद हिंदू की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा एवं विशाल नेत्र जांच व ऑपरेशन शिविर आयोजित किया गया। शिविर में करीब 200 मरीजों की नेत्र जांच की गई, जबकि 45 मरीजों के ऑपरेशन की तिथि निर्धारित की गई। जिनके ऑपरेशन मिश्री देवी हॉस्पिटल में होंगे। स्वामी गणेशानंद महाराज के सानिध्य में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने राजेंद्र प्रसाद हिंदू को समाजसेवी, शिक्षाविद् एवं परमार्थी व्यक्तित्व बताते हुए उनके समाजसेवा एवं शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को याद किया। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि राधा पटेल, कैलाश दास महाराज, अनिल आचार्य, श्रीराम सरपंच, सुमेर राठी, पूरणमल भरगड़, एसीबीईओ पूरण कसाना, आशा बगड़िया, राजपाल डोई, धर्मपाल सरपंच, राजेंद्र सरपंच सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। परिवारजनों, एलिट ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थियों, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे। अतिथियों का साफा बांधकर एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर चल रही 70 वीं खो-खो प्रतियोगिता भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रतियोगिता का समापन 26 सितंबर को होगा।

कनेसर में तेजाजी महाराज का दो दिवसीय मेला शुरू

निवाई। गांव कनेसर में स्थित प्रसिद्ध तेजाजी धाम पर वीर शिरोमणि तेजाजी महाराज का दो दिवसीय विशाल मेले का आयोजन हुआ। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। मेले को लेकर रात्रि जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें पूरी रात तेजाजी के जयकारों से कनेसर की धरा गूंजती रही। मेला समिति अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण गौतम एवं समाजसेवी राजेश कनेसर ने बताया कि मेले को लेकर आयोजित विशाल जागरण में बासखो, मित्रपुरा, बौंली, छांदेल, केशवपुरा, कोटखावदा, काचरिया, सूर्या, बासड़ा, हनोतिया, राहोली, फागी, सेदरिया, कौथून, श्यामपुरा कला, चैनपुरा, गोपालपुरा, सुरसरा, डागरथल, पहाड़ी, गुंसी, चनानी, हरभावता, बिडोली, बालापुरा व झिलाय सहित दर्जनों गांवों की तेजा भजन मंडलियों ने वीर तेजाजी की महिमा का गुणगान किया। श्रद्धालुओं ने तेजाजी महाराज के दरबार में धोक लगाकर क्षेत्र में सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की। तेजाजी के घोड़ले द्वारा दुखियारों व पशुओं के पाती बांधकर उनका इलाज किया गया। तेजाजी की घोड़ी का सजीव नृत्य रात भर आकर्षण का मुख्य केंद्र बना रहा।

विभिन्न कैंटीनों व रेस्टोरेंट से खाद्य पदार्थ के लिए नमूने लिये

टोंक। खाद्य सुरक्षा आयुक्त के निर्देशन में चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत जिले में चिकित्सा संस्थानों में संचालित कैंटीनों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं मिलावट की रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी व उनकी टीम ने निरीक्षण कर नमूना संग्रह की कार्यवाही की है। इस दौरान टीम ने शहर स्थित माही हॉस्पिटल व जयपुर आई हॉस्पिटल के आस पास संचालित कैंटीनों व रेस्टोरेंट पंडित पवित्र भोजनालय से खाद्य पदार्थ नमकीन व पनीर का नमूना लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला में भिजवाया, वहीं पंढरपुरी चाय कंपू एरिया का निरीक्षण किया तथा निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों पर कई प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम के अंतर्गत इंप्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया। इसी प्रकार अभियान के मालपुरा क्षेत्र स्थित केंद्रीय भेड़ एवं अनुसंधान केंद्र, अविका नगर, परिसर में संचालित कैंटीनों की रसोई का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच की। इसके साथ ही परिसर में स्थित डिस्पेंसरी के पास संचालित रेस्टोरेंट एवं किराना स्टोर से अलग-अलग खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। इनमें घी, श्री अमृत/अन्य पैक्ड खाद्य सामग्री, स्वागत ब्रांड की नमकीन तथा सास केसरी चाय के नमूने शामिल हैं।

तीन दिवसीय 'आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम' का शुभारंभ

कोटपूतली। 'विकसित भारत जन सेवा अभियान' के अंतर्गत जिले में तीन दिवसीय 'आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम' का शुक्रवार को उत्साहपूर्वक शुभारंभ हुआ। 25 से 27 सितम्बर तक आयोजित होने वाले इस विशेष कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर जिले के 486 आंगनबाड़ी केंद्रों पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, आगामी दिनों में जिले के सभी 1263 आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं आशा सहयोगिनियों के योगदान को सम्मानित करने के साथ ही समुदाय के साथ उनके जुड़ाव को और मजबूत करना है। कार्यक्रम के दौरान सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं आशा सहयोगिनियों को माननीय प्रधानमंत्री महोदय द्वारा उनके उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा के लिए लिखे गए पत्र तथा प्लांटर भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मानदेय कार्मिकों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें समाज एवं सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी बताया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक तेजप्रकाश अग्निहोत्री ने ग्राम पंचायत नारेहड़ा, चिमनपुरा एवं पूरनगर के आंगनबाड़ी केंद्रों का दौरा कर कार्यक्रम में सहभागिता की। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं आशा सहयोगिनियों से संवाद करते हुए विभाग की ओर से उन्हें प्रशंसा पत्र प्रदान किए।

पावटा में सेवा भाव के साथ विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया

पावटा। उपजिला अस्पताल पावटा में विश्व फार्मासिस्ट दिवस सेवा भाव और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. रवि कुमार बंसल सहित चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ ने सभी फार्मासिस्ट साथियों को विश्व फार्मासिस्ट दिवस की शुभकामनाएं दीं।

■ पावटा उप जिला अस्पताल में फार्मासिस्टों ने जाना मरीजों का हाल, सुरक्षित दवा सेवन के प्रति जागरूक किया

कार्यक्रम के दौरान पीएमओ डॉ. रवि कुमार बंसल की मौजूदगी में फार्मासिस्ट टीम ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों की कुशलक्षेम जानी। इस दौरान मरीजों को फल वितरित किए गए तथा उन्हें दवाओं के सही एवं सुरक्षित सेवन के संबंध में आवश्यक जानकारी देकर जागरूक किया गया। पीएमओ डॉ. रवि कुमार बंसल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में फार्मासिस्टों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। अनुसार मरीजों तक सही दवा पहुंचाने, दवाओं के सुरक्षित प्रबंधन तथा मरीजों को दवा के उचित सेवन की जानकारी देने में फार्मासिस्ट स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल स्टाफ ने फार्मासिस्टों के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए उनके समर्पण को स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूती बताया। कार्यक्रम में प्रमुख विशेषज्ञ डॉ. देवेंद्र कुमार शर्मा, जय कुमार, संदीप सिंह तंवर, अंजली सांवरिया, दिनेश स्वामी, पुरुषोत्तम योगी, दिनेश गुर्जर, मालीराम गुर्जर, विजय लक्ष्मी, सुनील नायक एवं मुकेश जाट सहित समस्त अस्पताल स्टाफ मौजूद रहा।

चौमूं में प्रतिभावान विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप की राशि के चेक वितरित किए

चौमूं/कालाडेरा। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रेलवे स्टेशन, चौमूं के प्रांगण में आयोजित भव्य कार्यक्रम के अंतर्गत श्री एस. के. पोद्दार स्कॉलरशिप 2026 का भामाशाह व मयूर फाउंडेशन की ट्रस्टी श्रीमती किरण पोद्दार एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कृपा निधि त्रिवेदी के आतिथ्य में वितरण किया गया इस कार्यक्रम के तहत गोविन्दगढ़ ब्लॉक के 10 राजकीय विद्यालयों के 22 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप व 6 शिक्षकों को सपरिवार भ्रमण यात्रा हेतु कुल 16 लाख 82 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई जिसके अंतर्गत मोरीजा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की निकिता मीणा को एक लाख इक्यावन हजार रुपए, इटावा भोपजी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के कृष्ण कुमार

विद्यार्थियों को माता-पिता व विद्यालय प्रतिनिधियों के साथ माल्यार्पण कर व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया।

सैनी, सिंगोदकला की आरती कंवर व राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय चौमूं की हिमांशी सोनी को एक-एक लाख रुपए, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जैतपुरा की रीना यादव व राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की किरण सैनी को इक्यावन-इक्यावन हजार रुपए सहित 22 विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप की राशि के चेक वितरित किए गए।

उन्होंने विश्वास दिलाया की प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहन में सदैव सहयोग दिया जाएगा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कृपा निधि त्रिवेदी ने क्षेत्र की सबसे बड़ी स्कूल स्कॉलरशिप तथा विद्यालयों के सर्वांगीण विकास में सहयोग करने, विद्यार्थियों को प्रेरित व प्रोत्साहित करने के लिए पोद्दार परिवार का आभार व्यक्त किया पीएम श्री के उपप्राचार्य महेश कुमार शर्मा ने बताया की विद्यार्थियों को माता-पिता व विद्यालय प्रतिनिधियों के साथ माल्यार्पण कर व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस दौरान सीएस आर हेड मुकेश कुमार सिंह, विष्णु कुमार शर्मा, सिंगोदकला प्रधानाचार्य रमेश बुटोलिया, मोरीजा उपप्राचार्य मुकेश हाटवाल, प्रशासनिक अधिकारी रमाकांत शर्मा सहित विद्यार्थी, अभिभावक व शिक्षक मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन उपप्राचार्य संगीता शर्मा व सुनीता चौधरी ने किया।

अलवर नगर निगम की पहली महापौर सुमनलता ने पदभार सम्भाला

अलवर। अलवरकी जनता जो मुराद भगवान से मांगी थी वो कबूल हो गई है यानि की शुक्रवार को अलवर की प्रथम महापौर सुमन लता अग्रवाल ने पदभार ग्रहण कर लिया है अब अलवर का विकास महापौर पति अजय अग्रवाल के विजन पर होगा वो दिन दूर नही जब अलवर फर्जी तरीके से सफाई रैंकिग में अव्वल नही आने वाला अब यहा महापौर और उप महापौर वो शक्ति है जो शहर का सम्पूर्ण विकास कराने का माद्दा रखते है यहां लूट-खसोट की कोई गुंजाइश नही हर काम समय अवधि में पूरा होगा।

अलवर की प्रथम महापौर सुमन लता अग्रवाल ने पदभार ग्रहण किया।

अलवर नगर निगम की पहली महापौर के रूप में भाजपा की सुमनलता अग्रवाल ने शुक्रवार को विधिवत पदभार ग्रहण किया। महापौर के चेंबर में पहुंचने के बाद उन्होंने कुर्सी पर बैठने से पहले पूजा-अर्चना की। पंडित ने मंत्रोच्चारण के साथ पूजा कराई। इसके बाद सुमनलता अग्रवाल ने महापौर की कुर्सी संभाली। मौके पर मौजूद लोगों ने मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दी और खुशी मनाई।

पदभार ग्रहण के दौरान महापौर के चेंबर में महिलाओं की खासी भीड़ रही। समर्थकों और परिचितों ने भी उन्हें बधाई दी। नगर निगम में पहली बार महापौर का पद संभालने के साथ ही सुमनलता अग्रवाल के सामने अब शहर से जुड़े कई मुद्दों पर काम करने की जिम्मेदारी होगी। इससे पहले 21 सितंबर को हुए अलवर नगर निगम के पहले महापौर चुनाव में सुमनलता अग्रवाल ने कांग्रेस की कमलेश शर्मा को हराया था। चुनाव में सुमनलता अग्रवाल को 42 वोट मिले, जबकि कमलेश शर्मा को 23 वोट मिले। 65 सदस्यीय नगर निगम में महापौर बनने के लिए 33 वोट जरूरी थे। चुनाव से पहले भाजपा के 28, कांग्रेस के 23, निर्दलीय 13 और बसपा का एक पार्षद था। चुनाव परिणाम के बाद सुमनलता अग्रवाल के महापौर बनने के साथ अलवर नगर निगम में भाजपा का बोर्ड बना।

सुमनलता अग्रवाल वार्ड 7 से पार्षद चुनी गई थीं। महापौर चुनाव के दौरान भाजपा के पास अपने दम पर बहुमत नहीं था, ऐसे में निर्दलीय पार्षदों और बसपा पार्षद का समर्थन महत्वपूर्ण रहा। परिणाम में भाजपा प्रत्याशी को 42 वोट मिले, जो भाजपा के 28 पार्षदों की संख्या से अधिक थे।

अब पदभार ग्रहण करने के बाद नगर निगम के कामकाज और शहर में विकास कार्यों को लेकर महापौर की भूमिका अहम रहेगी।

विकसित भारत में युवाओं की भगीदारी पर विचार साझा किए

भरतपुर। विकसित भारत जन सेवा अभियान के तहत बिड़ला ऑडिटोरियम, जयपुर में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम का वीसी के माध्यम से लाईव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। जिसमें जिलेभर के युवाओं ने भाग लेकर संवाद में भगीदारी निभाते हुए विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए युवाओं के विचारों को सुना। राज्यसभा सांसद एवं अध्यक्ष नितिन नवीन के मुख्य अतिथ्य एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के युवाओं ने विकसित राजस्थान एवं विकसित भारत के लिए किए जा रहे योगदान एवं नवाचारों की जानकारी देकर विचारों को साझा किया। इस अवसर पर युवाओं ने राज्यसभा सांसद नितिन नवीन, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राज्यसभा सांसद मदन राठौड के विचारों को सुना तथा सीधा संवाद किया। कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के महाविद्यालय, तकनीकी शिक्षण संस्थाओं, एनसीसी स्काउट के युवाओं ने उपस्थित रहकर विचार साझा किए। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन राजीव शर्मा, माई भारत के उपनिदेशक सुनील राना सहित शिक्षण संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जलाशय पर चढ़े युवक को उतारने गए पुलिसकर्मियों पर मधुमक्खियों का हमला

सांभरझील, (निसं)। सांभर के मुगल-सिंधी मोहल्ला स्थित जलदाय विभाग के उच्च जलाशय पर शुक्रवार की सुबह करीब 7:00 बजे एक युवक को आसपास के लोगों ने चढ़े हुए देखा। युवक टंकी पर चारों ओर घूम रहा था, कभी रेलिंग को पकड़कर नीचे की ओर झुक रहा था तो कभी नीचे बैठ जाता। आसपास के लोगों ने युवक की हरकत को देखा तो वे भौचक्के हो गए। युवक टंकी पर से कहीं गिर न जाए तो लोगों ने आवाज लगाकर नीचे उतरने की गुहार लगाई। युवक कभी नीचे लेट जाता तो कभी रेलिंग को पकड़ कर लटकने की कोशिश करता, इसको देखकर लोगों का कलेजा मुंह तक आ गया।

■ मधुमक्खियों के हमले में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए जिनका उप जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार किया

जानकारी मिलने पर वार्ड 13 के पार्षद अपना जरूरी काम छोड़कर प्रकाश सोनी भी मौके पर पहुंचे। मौके की नजाकत को देखकर तुरंत प्रभाव से सांभर पुलिस को घटना की इत्तिला दी गई। मौके पर करीब पांच पुलिसकर्मी पहुंचे, जिन्होंने भी युवक को नीचे उतरने के लिए कई दफा आवाज लगाई, लेकिन युवक नीचे उतरने को ही राजी नहीं हुआ। उसकी हरकत से किसी अनहोनी घटना को ध्यान में रखते हुए जांबाज पुलिसकर्मियों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए टंकी पर गुपचुप चढ़ाई की व टंकी पर बैठे युवक की टांग पकड़ ली। पुलिस कर्मियों के लिए यह किसी चैलेंज से कम नहीं था, क्योंकि टंकी पर चार मोटे-मोटे मधुमक्खियों (भंवरा मक्खी) के छत्ते लटके हुए थे, जिनके आसपास थोड़ी बहुत मधुमक्खियां भी मंडरा रही थी।

युवक की ओर से ऐसी हरकत की गई की मधुमक्खियां छत्तों से बाहर निकलकर पुलिसकर्मियों पर टूट पड़ी, जैसे तैसे पुलिसकर्मी नीचे भाग कर आए और मधुमक्खियों से बचने के लिए युवक को साथ लेकर सड़क पर ही बचते हुए दौड़ने लगे। मधुमक्खियों ने भी उनका पीछा नहीं छोड़ा और उनके हमले में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनका उप जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार किया गया। बताया जा रहा है कि युवक अर्ध विक्षिप्त है। युवक यहां कैसे आया और कहां का है पुलिस इसकी जानकारी जुटा रही है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया

कोटपूतली। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक अर्चित चतुर्वेदी एवं जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में संचालित सरकारी एवं निजी अस्पतालों तथा उनके पास संचालित कैंटीन, कैफेटेरिया, भोजनालय, रेस्टोरेंट एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण एवं नमूनीकरण जांच अभियान चलाया जा रहा है।

■ सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने एवं खाद्य पदार्थ खुले में पाए जाने पर प्रतिष्ठानों को दिए इम्प्रूवमेंट नोटिस

विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के जांच दल द्वारा 24 सितंबर को जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। दल द्वारा एकलव्य डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, कोटपूतली के मेस में निर्मित सब्जियों के नमूने लिए गए।

वहां साफ-सफाई संतोषजनक नहीं पाए जाने पर फर्म को इम्प्रूवमेंट नोटिस दिया गया। इसी प्रकार कोटपूतली स्थित बीडीएम अस्पताल में संचालित बीडीएम कैंटीन का निरीक्षण किया गया, जहां साफ-सफाई संतोषजनक नहीं मिलने पर फर्म को इम्प्रूवमेंट नोटिस दिया गया। कोटपूतली के आशीर्वाद अस्पताल के पास स्थित क्ल्यूज कोटपूतली कैफे रेस्टोरेंट का निरीक्षण कर दही एवं ग्रेवी के नमूने लिए गए तथा फर्म को इम्प्रूवमेंट नोटिस दिया गया।

जांच दल द्वारा कृष्णा अस्पताल के पास स्थित स्टार होटल एंड रेस्टोरेंट का निरीक्षण कर खाद्य तेल का नमूना लिया गया। फर्म की रसोई में खाद्य पदार्थों का उचित रखरखाव नहीं होने एवं साफ-सफाई संतोषजनक नहीं पाए जाने पर इम्प्रूवमेंट नोटिस दिया गया। कोटपूतली स्थित छीपा ढाबा एंड स्वीट्स का निरीक्षण कर बेसन लड्डू का नमूना लिया गया। यहां साफ-सफाई संतोषजनक नहीं पाए जाने एवं खाद्य पदार्थ खुले में बिना ढके पाए जाने पर फर्म को इम्प्रूवमेंट नोटिस दिया गया।

मनोहरपुर में अर्जुन मोहनपुरिया ने चेयरमैन की कमान संभाली

मनोहरपुर। नगर पालिका मनोहरपुर के नवनिर्वाचित चेयरमैन अर्जुन मोहनपुरिया ने शुक्रवार को विधायक मनीष यादव की मौजूदगी में विधिवत रूप से पद ग्रहण किया। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी शुभम गुप्ता ने उन्हें पदभार ग्रहण करवाया। इस दौरान नवनिर्वाचित वाइस चेयरमैन सुरज्ञान गुर्जर सहित पार्षद, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पदभार ग्रहण समारोह में उमड़ा जनसमर्थन, विकास को लेकर जनप्रतिनिधियों ने संकल्प लिया।

पदभार ग्रहण के अवसर पर विधायक मनीष यादव ने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र के विकास में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाएगा। सभी वार्डों में आवश्यकता और प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करना होगा। इस दौरान नवनिर्वाचित चेयरमैन अर्जुन मोहनपुरिया ने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है, उस विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास किया जाएगा। प्रत्येक वार्ड में समान रूप से विकास कार्य करवाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, सड़क, नाली और अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

वहीं वाइस चेयरमैन सुरज्ञान गुर्जर ने कहा कि चेयरमैन, पार्षदों और अधिकारियों के साथ मिलकर नगर पालिका के विकास को गति देने के लिए पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने आमजन से भी विकास कार्यों में सहयोग की अपील की। इस दौरान नवनिर्वाचित पार्षदों ने नगर पालिका क्षेत्र के विकास के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

■ चेयरमैन की कुर्सी संभालते ही अर्जुन का बड़ा संकल्प-हर वार्ड में होगा समान विकास

समारोह में धर्मवीर, रामजीलाल, बाबूलाल, गिरधारी, पंकज, कालू, सुनील, कानसिंह, विजय, गणेश, सुमन बेनीवाल, शमा बानो, शमा, कृष्णा रातावाल, ज्योति खजोतिया, रूखसाना, शशिकांत बेनीवाल, महेश, दिनेश, महावीर, अशोक, अंजना, सुनीता और कैलाश सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। समारोह के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष नाथु सैनी, पूर्व प्रधान नंदलाल गोठवाल, ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश गुर्जर, नगर अध्यक्ष अल्लादीन खान, नगर अध्यक्ष मुकेश खुडानिया, सेवादल नगर अध्यक्ष राकेश हलकारा, पूर्व पार्षद राजेंद्र पलसानिया, हेमचंद, ओमप्रकाश बागड़ी, रामनारायण सरपंच, धोलाराम, जितेंद्र शर्मा, बाबूलाल, इमरान, मुनीर मनियार, महेश, कैलाश, रवि, दीपक, जगदीश, हनुमान और राजू सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

'मूलभूत सुविधाओं के लिए हाईकोर्ट से अपील करें'

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के डिस्ट्रिक्ट जज दिनेश गुप्ता को सलाह दी, जिन्होंने मूलभूत सुविधाओं के अभाव पर सुप्रीम कोर्ट में शिकायत की थी।

-विधि संवाददाता-

जयपुर, 25 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राजस्थान के जिला जज दिनेश गुप्ता की याचिका पर सुनवाई की। गुप्ता इस समय लेबर कोर्ट-कम-इंडस्ट्रियल ट्रिब्यूनल के पीठासीन अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं और चार दिन बाद सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उन्होंने अपनी अदालत में बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर शिकायत की थी।

■ **जस्टिस गुप्ता लेबर कोर्ट-इंडस्ट्रियल ट्रिब्यूनल के प्रिसाइडिंग ऑफिसर हैं और चार दिन में रिटायर होने वाले हैं। उन्होंने याचिका में शिकायत की थी कि उनके पास ऑफिस और स्टेनोग्राफर तक नहीं है।**

सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की।

गुप्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि गुप्ता राज्य के सबसे वरिष्ठ जिला जज हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें स्टेनोग्राफर और ऑफिस जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। सिंह ने अदालत को बताया, वह अभी भी रात के 2 बजे तक फैसले लिख रहे हैं। उन्होंने बताया कि न्यायिक अधिकारी को अपने काम को पूरा करने में किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सीजेआई ने कहा कि राज्य में हाल ही में नए मुख्य न्यायाधीश ने कार्यभार संभाला है। उन्होंने गुप्ता को सलाह दी कि वे अपनी शिकायतों को लेकर हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के सामने एक लिखित आवेदन दें।

सिंह ने अदालत से अनुरोध किया कि इस बात को उसके आदेश में दर्ज किया जाए। इसके बाद उन्होंने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। साथ ही उन्होंने यह स्वतंत्रता देने का अनुरोध किया कि वे अपनी सभी शिकायतों को लेकर संबंधित अथॉरिटी के पास जा सकें और उनके जल्द समाधान की मांग कर सकें।

150 पार्षदों के साथ मिलकर करेंगे जयपुर का विकास : महापौर सुनील कोठारी

जयपुर के नवनिर्वाचित महापौर सुनील कोठारी ने शुक्रवार शाम को नगर निगम मुख्यालय में पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उनके परिवारजन और भाजपा नेता मौजूद थे।

■ **पदभार संभालते ही बोले कोठारी ''मजबूत विपक्ष से शहर को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी''**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । नगर निगम जयपुर के महापौर चुनाव में 150 में से 89 वोट हासिल करके भाजपा उम्मीदवार सुनील जयपुर के नए मेयर बन गए हैं। शुक्रवार शाम को उन्होंने पदभार संभाला। इस दौरान बीजेपी विधायक कालीचरण सर्राफ, गोपाल शर्मा, कैलाश वर्मा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, सांसद मंजू शर्मा, पूर्व मेयर सौम्या गुर्जर समेत सैकड़ों कार्यकर्ता पदभार ग्रहण समारोह में मौजूद रहे।

महापौर की जिम्मेदारी संभालने के बाद सुनील कोठारी ने मीडिया से कहा कि सभी 150 पार्षदों के साथ मिलकर जयपुर का विकास करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

उन्होंने कहा कि मजबूत विपक्ष से शहर को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। वैचारिक मतभेद हो सकता है, लेकिन सभी जयपुर का विकास चाहते है। इतिहास और परंपरा को आगे साथ लेकर जाएंगे। ऐसा शहर बनाएंगे, जो सपनों को उडान दे सके। जयपुर परकोटा एतिहासिक धरोहर बना रहे, इसको लेकर भी काम करेंगे। स्वच्छता पहली प्राथमिकता रहेगी। ज्ञात रहे कि सुनील कोठारी वार्ड 112 से पार्षद का चुनाव जीते थे। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी को करीब 900 वोटों के अंतर से हराया था। इससे पहले वे भाजपा जयपुर शहर अध्यक्ष, प्रदेश सचिव और प्रदेश उपाध्यक्ष जैसी जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 217/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री रणजीत जाट पुत्र श्री प्रभाती लाल एंव कैलाश चंदमान पुत्र श्री भगवानसहाय मान निवासी जयसिंहपुरा तहसील कोटपूतली जिला कोटपूतली-बहरोड ने राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत मंदिर श्री श्याम कलां मण्डल जयसिंहपुरा तहसील कोटपूतली जिला-कोटपूतली-बहरोड राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 23.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 27.11.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 228/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री देवेन्द्र कुमार पुत्र श्री लालाराम यादव निवासी भीटेडा, पोस्ट रिवाली तहसील बहरोड जिला कोटपूतली-बहरोड राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत श्री बाबा खेतानाथ धर्मार्थ ट्रस्ट ग्राम-भीटेडा तहसील बहरोड जिला कोटपूतली-बहरोड के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 23.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 27.11.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

एक साल से फरार बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस के तीन दिवसीय विशेष अभियान के तहत खोह नागोरियान थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मारपीट और जबरन रुपए ट्रांसफर कराने के मामले में एक साल से फरार चल रहे दो हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर स्मैक का सेवन करते एक युवक को भी पकड़ा और दो स्थाई वारंटों का निस्तारण किया।एडीसीपी पूर्व पारस जैन ने बताया कि पुलिस ने प्रकरण में वांछित अंकित मीणा (20) निवासी रामनगरिया जयपुर को बापर्दा गिरफ्तार किया। आरोपी पर दो हजार रुपए का इनाम घोषित था। इसी अभियान के तहत पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर स्मैक का सेवन करते कुश चतुर्वेदी (32) निवासी जामडोली, जयपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से स्मैक सेवन के उपकरण जब्त किया। इसके अलावा क्षेत्र में वांछित अपराधियों और स्थाई वारंटियों की धरपकड के दौरान दो स्थाई वारंटों का भी निस्तारण किया गया। कार्रवाई में थानाधिकारी सुनील गोदारा, एएसआई वींरेंद्र चौधरी, एएसआई जयपाल, एसआई मुकेश कुमार, एसआई रेखा चौधरी सहित पुलिसकर्मियों की भूमिका रही।

शॉर्टकट नहीं, मेहनत चुनें, राष्ट्र प्रथम की भावना रखें सर्वोपरि : नितिन नवीन

राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया युवाओं से संवाद

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद नितिन नवीन ने युवाओं से कहा कि देश के प्रति अपने दायित्वों को पूरा करते हुए जीवन को सार्थक बनाना ही वास्तविक सफलता है। भले ही अच्छा इंजीनियर, डॉक्टर या व्यवसायी बनना महत्वपूर्ण है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण अच्छा इंसान और अच्छा नागरिक बनना है। उन्होंने युवाओं से हमेशा बड़ा विजन रखने और ऊंचा सोचने की अपील करते हुए कहा कि जिस भी काम को हाथ में लें, उसे पूरे समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ करें, तो सफलता मिलना निश्चित है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद नितिन नवीन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में युवाओं से संवाद किया।

■ **युवाओं के सपनों की उडान में सरकार हर कदम पर साथ : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा**

सेवा संकल्प अभियान के तहत जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के युवाओं में स्वयं की क्षमताओं पर भरोसा कर देश को आगे बढ़ाने का विश्वास जगाया है। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए देश के 140 करोड़ नागरिकों को एक साथ आगे बढ़ना होगा।

उन्होंने कहा कि जीवन में कभी शॉर्टकट को रास्ता नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन 100 मीटर की रेस नहीं, बल्कि लंबी दौड़ है। इसलिए जीवन में असफलता से घबराने के बजाय राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवाओं से समाज के प्रति संवेदनशील रहते हुए राष्ट्र सेवा करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के निर्माण के लिए सबसे बड़ी ताकत देश का युवा है। युवा शक्ति परफॉर्म, रिफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के माध्यम से भविष्य बनाए। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार युवाओं को शिक्षा, कौशल, रोजगार, उद्यिमता, खेल और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए लगातार नए अवसर उपलब्ध करवा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में भी युवाओं के लिए राजस्थान युवा नीति तथा राज्य कौशल नीति जैसी कई पहल लागू की गई हैं। पिछले ढाई वर्ष में बिना पेपरलीक के अब तक 1 लाख 90 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई हैं। वहीं, 1 लाख 22 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के सपनों की उड़ान में हर कदम पर साथ खड़ी है। इस दौरान राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ सहित विभिन्न क्षेत्रों की युवा प्रतिभाएं और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। प्रदेशभर से युवा भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुडे।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनूसूची संख्यांक 4
न्यायालय सदस्य अपीलीय अधिकरण स्थान जविप्रा जयपुर
श्रीमती रिशा खैराडी विरूद्ध जविप्रा व अन्य
वाद/प्रार्थना अपील
प्रार्थना-पत्र संख्या 35/25 सन्
नाम तारा चन्द पुत्र श्री नामालुम जाति....
R/o-67, पता केशव पथ राजेन्द्र नगर सिरसी रोड जयपुर
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि नकल संलग्न है।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 06 माह 10 सन् 2026 को 10 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो उपसंजात हो । यदि आप ऐसा करने मे असफल रहेगें तो उक्तआदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा
यह आज ता. 16 माह 09 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मुन्सरिम
अपीलीय अधिकरण
जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी चाकसू स्थान जिला जयपुर
प्रभूलाल विरूद्ध संजय माथुर
वाद बाबत-....
वाद संख्या-6708 सन् 2026
बनाम राजेन्द्र भारद्वाज पुत्र स्व.नारायणलाल जाति ब्राह्मण स्थान नि. डी-82 श्याम नगर खातीपुरा रोड जयपुर
...ने आपके विरूद्ध.... के लिये वाद पंजीयत किया है आपको इस न्यायालय में तारीख 28 माह 09 सन् 2026 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्तिहो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता हैं कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हैं। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे कें समर्थन मेंसाक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता हैं कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज ता. 23 माह 09 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर सें और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
रीडर
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट चाकसू

खोया पाया
श्रीमान जी मेरे भूखण्ड संख्या 14/ID/27 योजना रिंग रोड परियोजना के मूल आवंटन पत्र एवं कब्जा पत्र कहीं गुम हो गये है मिलने पर सूचित करें नाम-प्रकाश शर्मा मोबाईल नं.9414593222
भूखण्ड संख्या A-56 एवं A-205B योजना मंगलम पार्क व्यू ग्राम सारंगपुरा व भम्भोरिया, सांगानेर, जयपुर के रजिस्टर्ड मूल पट्टे विलेख, साईट प्लान, मय स्टाम्प गुम हो गये है। मिलने पर सम्पर्क करें। बनवारी लाल शर्मा मो.नं. 9928113214

नाम संशोधन सूचना
मै अनिल कुमार भारद्वाज पुत्र श्री मक्खन लाल भारद्वाज निवासी प्लाट न. 21, गणेश विहार , लक्ष्मी भट्टे के सामने आगरा रोड, जामडोली , राजस्थान उक्त पत्ते पर मेरे साथ मेरी पत्नी संगीता शर्मा एंवं मेरी पुत्री मृणाल शर्मा रहती है। मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में पिता का नाम भास्कर शर्मा है जिसको बदलवाकर अनिल कुमार भारद्वाज करवाना है, जिसकी गज़ट प्रकाशन संबधित कार्यवाही की जा चुकी है, भविष्य में मेरी पुत्री के शैक्षणीक एव् अन्य दस्तावेजो में पिता का नाम अनिल कुमार भारद्वाज पढ़ा व माना जाए।

(18) लिबर्टी पशुधन सहायक प्रशिक्षण संस्थान
राजस्थान वेटेनरी यूनिवर्सिटी, बीकानेर से मान्यता प्राप्त
2 वर्षीय 6 माह पशु पालन डिप्लोमा
12th कृषि अथवा जीव विज्ञान
एडमिशन मैनेजमेंट सीट
229(A), राजेन्द्र प्रसाद नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर

डिजिटल साक्ष्य की कॉपी आरोपी को देना जरूरी : हाईकोर्ट

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि आपराधिक मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से सीसीटीवी फुटेज जैसी इलेक्ट्रॉनिक सामग्री को सबूत के तौर पर उपयोग किया जा रहा है और इसे आरोप पत्र के साथ अदालत में पेश किया गया है तो उसकी कॉपी आरोपी को देना जरूरी है।

जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश अमर सिंह की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने करौली जिले की निचली अदालत के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सीसीटीवी रिकॉर्डिंग वाली डीवीडी और पेन ड्राइव की कॉपी देने से इनकार कर दिया था। अदालत ने अपने आदेश में दोहराया है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत आरोपी को निष्पक्ष सुनवाई का मौलिक अधिकार प्राप्त है। जब तक अभियोजन के इलेक्ट्रॉनिक सबूत आरोपी को नहीं मिलेंगे, वह अपना बचाव प्रभावी तरीके से नहीं कर पाएगा।

याचिका में अधिवक्ता राहुल शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं में आरोप पत्र पेश किया था। पुलिस ने चार्जशीट के साथ घटना की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग वाली डीवीडी और पेन ड्राइव भी कोर्ट में जमा की थी। अदालत की ओर से आरोपी को चार्जशीट की कॉपी दी गई, लेकिन ये इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड उसे उपलब्ध नहीं कराए गए। सीसीटीवी रिकॉर्डिंग नहीं मिलने पर आरोपी ने ट्रायल कोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर कर इसकी मांग की थी। जिसे ट्रायल कोर्ट ने यह कहते हुए आवेदन खारिज कर दिया कि चार्जशीट की कॉपी लेते समय आरोपी ने सीसीटीवी रिकॉर्डिंग की मांग नहीं की थी। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

8.14 लाख रुपए की संदिग्ध राशि के साथ लोहावट बीडीओ को पकड़ा

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की स्पेशल यूनिट बीकानेर ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए लोहावट जिला फलोदी के विकास अधिकारी नारायण सुथार को उनके निजी वाहन से 8 लाख 14 हजार रुपए की संदिग्ध राशि सहित डिटेन किया। एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता के निर्देश पर हुई कार्रवाई में एसीबी चौकी स्पेशल यूनिट बीकानेर को सूचना मिली थी कि लोहावट बीडीओ संदिग्ध राशि लेकर लोहावट से बीकानेर की ओर आ रहे हैं।

सूचना के आधार पर एसीबी बीकानेर के उप महानिरीक्षक नारायण टोगस के सुपरविजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष कुमार मय टीम ने नोखा रोड स्थित भीनासर चेक पॉइंट पर संदिग्ध हुंडई वेन्यू कार नंबर आरजे 07 सीडी 0047 को रुकवाया।वाहन की तलाशी के दौरान 8 लाख 14 हजार रुपए बरामद हुए। राशि के संबंध में विकास अधिकारी से पूछताछ की जा रही है।

'एकात्म मानव दर्शन केवल भारत नहीं, समस्त मानवता के लिए मार्गदर्शक'

जयपुर (कासं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारत को भारत बनाने की जीवन दृष्टि दी और इसे केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि विश्व के लिए मार्गदर्शन एवं मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानवदर्शन केवल भारतीय जनसंघ या भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं अथवा भारत के लोगों के लिए नहीं, बल्कि समस्त मानवता के लिए है। होसबाले शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति की ओर से जयपुर के धानक्या में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मुझे धानक्या की पवित्र भूमि पर आने का अवसर मिला और यहां स्थित दीनदयाल उपाध्याय के प्रेरणादायी स्मारक के दर्शन कर उनके जीवन से प्रेरणा लेने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि यह स्मारक आने वाले लोगों को राष्ट्र और समाज के लिए कार्य करने की प्रेरणा देने वाला है।

उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय एक विलक्षण व्यक्तित्व और प्रेरणादायी पुरुष थे। उनके स्मरण में समारोह समिति कई वर्षों से सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्र की दृष्टि से महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन करती आ रही है। उन्होंने समिति के कार्यों के लिए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के प्रति साधुवाद व्यक्त किया। एकात्म मानवदर्शन की चर्चा करते हुए होसबाले ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय संस्कृति और भारत के जीवन दर्शन के विभिन्न विषयों को सार रूप में लेकर आधुनिक युग में जीवन जीने के लिए आधारभूमि तैयार की और इसे एकात्म मानवदर्शन के रूप में प्रस्तुत किया। होसबाले ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था कि भारत को अमेरिका, इंग्लैंड या जापान नहीं बनाना है, बल्कि भारत को भारत बनाना चाहिए। भारत के व्यक्तित्व, संस्कृति और जीवन मूल्यों के आधार पर खड़ा किया गया जीवन दर्शन केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि विश्व के लिए मार्गदर्शन और मॉडल बन सकता है।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी चाकसू स्थान जिला जयपुर
प्रभूलाल विरूद्ध संजय माथुर
वाद बाबत-....
वाद संख्या-6705 सन् 2026
बनाम राधेश्याम पुत्र रामनिवास जाति बैरवा स्थान ग्राम लखेसरा तहसील सांगानेर जिला जयपुर
...ने आपके विरूद्ध.... के लिये वाद पंजीयत किया है आपको इस न्यायालय में तारीख 28 माह 09 सन् 2026 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्तिहो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता हैं कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हैं। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे कें समर्थन मेंसाक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता हैं कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज ता. 23 माह 09 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर सें और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
रीडर
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट चाकसू

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनूसूची संख्यांक 4
न्यायालय सदस्य अपीलीय अधिकरण स्थान जविप्रा जयपुर
श्रीमती रिशा खैराडी विरूद्ध जविप्रा व अन्य
वाद/प्रार्थना अपील
प्रार्थना-पत्र संख्या 35/25 सन्
नाम बसंत असवाल पुत्र श्री नामालुम जाति....
R/o-67, पता केशव पथ राजेन्द्र नगर सिरसी रोड जयपुर
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि नकल संलग्न है।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 06 माह 10 सन् 2026 को 10 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो उपसंजात हो । यदि आप ऐसा करने मे असफल रहेगें तो उक्तआदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा
यह आज ता. 16 माह 09 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मुन्सरिम
अपीलीय अधिकरण
जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :-3791 दिनांक :- 19/09/201
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/ फ्लैट संख्या 185/206 (LIG) का आवंटन श्री सुखदेव सिंह दैया पुत्र श्री हजूर सिंह दैया को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3081 दिनांक 12.10.2000 को जारी किया गया था। उनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 15.07.2026 को उप पंजीयक सांगानेर-द्वितीय जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया।
श्री सुखदेव सिंह दैया द्वारा उक्त आवास को श्रीमती कंचन दैया पत्नी श्री दीपेन्द्र नैनावत पुत्री श्री सुखदेव सिंह दैया को उपहार कर इनके पक्ष में उपहार पत्र दिनांक 17.07.2026 को उप पंजीयक सांगानेर-द्वितीय जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती कंचन दैया पत्नी श्री दीपेन्द्र नैनावत पुत्री श्री सुखदेव सिंह दैया द्वारा आवासन मण्डल में पंजीकृत उपहार पत्र के आधार पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।
अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती कंचन दैया पत्नी श्री दीपेन्द्र नैनावत पुत्री श्री सुखदेव सिंह दैया का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

ईसरदा का पानी बदलेगा दौसा-सवाई माधोपुर की पेयजल तस्वीर

1256 गांव और 6 कस्बे जुड़ेंगे, 35 लाख आबादी को मिलेगा शुद्ध पानी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ईसरदा बांध के पानी को उपचारित कर दौसा और सवाई माधोपुर के गांवों-कस्बों तक पहुंचाने वाली 3588 करोड़ रुपए की ईसरदा-दौसा पेयजल परियोजना ने रफ्तार पकड़ ली है। परियोजना से 1256 गांवों और 6 कस्बों को जोड़ने तथा 3 लाख 6 हजार 198 से अधिक जल कनेक्शन देने का लक्ष्य है। इससे करीब 35 लाख आबादी को स्वच्छ पेयजल मिलेगा।

225 एमएलडी का फिल्टर प्लांट तैयार

परियोजना के लिए 225 एमएलडी क्षमता का फिल्टर प्लांट तैयार हो चुका है और टेस्टिंग-कमिशनिंग जारी है। ईसरदा बांध के इंटेक वेल से प्लांट तक पानी पहुंच चुका है। प्रथम पैकेज में ईसरदा से महुआ तक प्रस्तावित 341 किमी ट्रांसमिशन लाइन में 299 किमी. बिछाई जा चुकी है। ईसरदा और बगड़ी में स्वच्छ जलाशयों व फिल्टर प्लांट का निर्माण पूरा हो चुका है। प्रथम पैकेज पर 1,005.60 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

क्लस्टरों में तेजी से काम

लालसोट क्लस्टर में 302 गांव व लालसोट शहर, दौसा क्लस्टर में 248 गांव व दौसा शहर, बसवा क्लस्टर में 368 गांव व बांदीकुई तथा महुआ क्लस्टर में पेयजल नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। बसवा में प्रस्तावित 2077 किमी पाइपलाइन में 1801 किमी तथा महुआ में 315 किमी में 244 किमी पाइपलाइन बिछ चुकी है।

सवाई माधोपुर के 177 गांव भी जुड़ेंगे

षष्ठम पैकेज में बौंली के 99, मलारना डूंगर के 61 और चौथ का बरवाड़ा के 17 गांवों सहित 177 गांवों को लाभ मिलेगा। इसके लिए 260.62 करोड़ रुपए का कार्यादेश 6 सितंबर 2025 को जारी किया गया। परियोजना के शेष कार्यों को गति दी जा रही है। नवंबर तक शहरी क्षेत्रों में मुख्य पाइपलाइन से जलापूर्ति शुरू करने का प्रस्तावित लक्ष्य है। ग्रामीण क्षेत्रों में संरचनाएं पूरी होने के साथ चरणबद्ध तरीके से कनेक्शन जोड़कर जलापूर्ति शुरू की जाएगी।

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
क्रमांक :-न.नि.भ./स्टोर/2026-271864
दिनांक :- 25.09.2026
बोली आमंत्रण सूचना
नगर निगम भरतपुर के कार्यालयों में फर्नीचर सप्लाई एवं यूपीवीसी विन्डो लगवाने के कार्य हेतु उक्त कार्य करने वाली फर्मों/ संवेदको से निविदा दिनांक 29.09.26 को आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 29.09.26 समय 02:00 पी.एम. तक विक्रय की जाकर उसी दिवस को 4:00 पी.एम. तक प्राप्त की जाकर उसी दिवस 05:00 पी.एम. पर खोली जावेगी। बोली के अन्य संबधित विवरण राज्य के खरीद पोर्टल (http://sppp.raj.nic.in) पर देखे जा सकते हैं।
(यूबीएन नं.) DLB2627SSOB20502
आयुक्त नगर निगम, भरतपुर

चोटिल होना और चल रही क्रिकेट का हिस्सा नहीं बन पाना किसी के लिए भी मुश्किल होता है। रिहैब की प्रक्रिया कठिन होती है, क्योंकि आपको बार-बार वही चीजें करनी पड़ती हैं। - प्रसिद्ध कृष्णा

भारतीय क्रिकेटर, चोट से वापसी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

पी.टी. उषा

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने एशियाई खेल 2026 के छठे दिन भारतीय निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। भारतीय निशानेबाजों ने शुक्रवार को 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में एक-एक रजत और स्वर्ण पदक जीतकर भारत के पदक अभियान को मजबूती दी। पीटी उषा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भारतीय खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए उनके जज्बे और एकाग्रता को सराहा। उन्होंने रुद्रांक्ष पाटिल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार के साथ-साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली सुरूचि सिंह और कमलजीत को बधाई दी।

क्या आप जानते हैं ?... एशियाई खेल 2018 में नीरज चोपड़ा भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने।

वर्ल्ड कप कैरम चैम्पियनशिप 2026 का इटली में आयोजन : भारतीय टीम का चयन नई दिल्ली में 27 से 29 तक

नई दिल्ली, 25 सितंबर। वर्ल्ड कप कैरम चैंपियनशिप 2026 इटली में दिसंबर में आयोजित होगी, जिसमें गत वर्ष की चैंपियन भारत की पुरुष व महिला टीमें भी भाग लेंगी। राजस्थान कैरम संघ के अध्यक्ष सूरज खत्री ने यह जानकारी देते हुए बताया कि वर्ल्ड कप में जाने वाली भारतीय टीमों का चयन करने के लिए ऑल इंडिया कैरम फेडरेशन के तत्वावधान में नई दिल्ली में 27 से 29 सितंबर 2026 तक ऑल इंडिया कैरम रैंकिंग चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। सूरज खत्री ने आगे और जानकारी देते हुए बताया कि आल इंडिया रैंकिंग चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए राजस्थान राज्य की पुरुष टीम का चयन कर लिया गया है। यह चयन विगत वर्ष राजस्थान कैरम संघ द्वारा आयोजित हुई राजस्थान कैरम चैंपियनशिप के आधार पर किया गया है।

पुरुष टीम के खिलाड़ी निम्न प्रकार से होंगे :- फ़ज़ल अहमद, अंसार मोहम्मद, मोहम्मद शोएब, मोहम्मद शाहिद और टीम मैनेजर : पी. के. सेठी। इस बार राजस्थान राज्य की महिला टीम ऑल इंडिया एलआईसी कैरम चैंपियनशिप के इन्हीं तिथियों में होने के कारण नहीं जा पाएंगी।

अनाहत और अभय ने स्क्वैश सेमीफाइनल में बनाई जगह

आइची-नगोया, 25 सितंबर। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ियों अनाहत सिंह और अभय सिंह ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला और पुरुष एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले सीधे गेमों में जीतकर अंतिम चार में प्रवेश किया। 18 वर्षीय अनाहत सिंह ने महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में अपनी हमवतन 30 वर्षीय तान्वी खन्ना को 3-0 (11-2, 11-5, 11-3) से हराया। अनाहत ने महज 15 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

अभय सिंह भी अंतिम चार में - पुरुष एकल में अभय सिंह ने जापान के रयूनोसुके त्सुकुए को 3-0 (11-4, 11-3, 11-6) से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। करीब 30 मिनट चले मुकाबले में अभय ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और जापानी खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। अभय का सामना सेमीफाइनल में हमवतन वीर चोत्रानी से हो सकता है, अगर वीर अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान को हरा देते हैं। ऐसी स्थिति में पुरुष एकल में ऑल-इंडिया सेमीफाइनल होगा और भारत का कम से कम रजत पदक सुनिश्चित हो जाएगा। भारत ने स्क्वैश में पहले ही एक पदक पक्का कर लिया है। जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार की जोड़ी मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के डेविड पेलिनो और जेमस्या अरिबाडो को हराया था।

पहले ही दौर में हारकर बाहर हुई सात्विक-चिराग की भारतीय जोड़ी

आइची-नगोया, 25 सितंबर। गत चैंपियन भारतीय जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को एशियाई खेल-2026 में पुरुष युगल स्पर्धा के पहले ही दौर में बड़ा उलटफेर झेलना पड़ा। थाईलैंड के सुकफुन और पकापोन तीरारत्साकुल ने शुक्रवार को राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में चौथी वरीय भारतीय जोड़ी को 12-21, 21-19, 21-14 से हराकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। सात्विक और चिराग ने मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज में की। भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में 11-5 की बढ़त बनाई और लगातार दबाव बनाए रखते हुए 20 मिनट में गेम 21-12 से अपने नाम किया। इस हार के साथ एशियाई खेलों में गत चैंपियन सात्विक-चिराग का पुरुष युगल अभियान पहले ही दौर में समाप्त हो गया।

ध्रुव कपिला-तनिशा क्रास्टो क्वार्टर फाइनल में - भारत के ध्रुव कपिला और तनिशा क्रास्टो ने व्यक्तिगत मिश्रित युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी ने मलेशिया की विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज गोह सून हुआत और लाई शेवोन जेमी को कड़े मुकाबले में 22-20, 24-22 से हराया। ध्रुव और तनिशा का अगला मुकाबला 27 सितंबर को चीन की विश्व नंबर एक जोड़ी फेंग यांग झे और हुआंग डोंग पिंग से होगा।

नेपाल ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया

निसिन, 25 सितंबर। कुशल भुर्तेल और ललित राजबंशी की शानदार गेंदबाजी के दम पर नेपाल ने एशियाई खेलों में अपने क्रिकेट अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। नेपाल ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 102 रन बनाए, जिसके जवाब में नेपाल ने 17.2 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस हार के साथ अफगानिस्तान को प्रतियोगिता में पहली हार का सामना करना पड़ा।

जापान को 3-1 से हराकर भारतीय महिला हॉकी टीम सेमीफाइनल में

// एशियाई खेल //

गिफू, 25 सितंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 के पूल बी के अहम मुकाबले में मेजबान जापान को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में मिली इस जीत के साथ भारत ने लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए पूल में शीर्ष दो में अपना स्थान भी सुनिश्चित कर लिया। भारत के लिए लालरेमसियामी, इशिका चौधरी और नवनीत कौर ने गोल किए, जबकि जापान की ओर से शिहो कोबायाकावा ने एक गोल किया। भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। पहले क्वार्टर में नवनीत कौर के प्रयास को जापान की गोलकीपर यू कुडो ने रोक लिया, लेकिन रिबाउंड पर लालरेमसियामी ने तेजी दिखाते हुए गेंद को गोल में पहुंचाकर भारत को बढ़त दिला दी।

जापान ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन भारतीय गोलकीपर सविता पूनिया ने माही उएनो के पेनल्टी कॉर्नर प्रयास को शानदार तरीके से रोक दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने दबाव बढ़ाया और हाफ टाइम से ठीक पहले अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। नवनीत के पेनल्टी कॉर्नर प्रयास को जापानी डिफेंस ने रोका, लेकिन इशिका चौधरी ने रिबाउंड पर सतर्कता दिखाते हुए गोल कर भारत को 2-0 से आगे कर दिया। तीसरे क्वार्टर में नवनीत कौर ने जापानी डिफेंस को छकाते हुए शानदार गोल किया और भारत की बढ़त 3-0 कर दी। अंतिम क्वार्टर में जापान ने वापसी की कोशिश की और शिहो कोबायाकावा ने जोरदार टॉमहॉक के जरिए गोल कर अंतर 3-1 कर दिया।

हालांकि भारतीय टीम ने इसके बाद जापान के दबाव को बेअसर करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के बाद भारत के चार मैचों में चार जीत से 12 अंक हो गए हैं और उसने पूल बी में शीर्ष दो में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। जापान नौ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि थाईलैंड भी अपने बाकी मुकाबले जीतकर 12 अंक तक पहुंच सकता है। हालांकि जापान और थाईलैंड को अपने अंतिम पूल मुकाबले में एक-दूसरे का सामना करना है, इसलिए दोनों टीमों का एक साथ भारत के 12 अंकों तक पहुंचना संभव नहीं है। भारत अब रविवार को पूल बी के अपने अंतिम मुकाबले में सिंगापुर का सामना करेगा। भारत ने 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था।

नेपाल को 48-24 से हराकर भारतीय महिला कबड्डी टीम फाइनल में

आइची-नगोया, 25 सितंबर। गत चैंपियन भारत ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 की महिला कबड्डी स्पर्धा के सेमीफाइनल में नेपाल को 48-24 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और अब स्वर्ण पदक के लिए खेलेगी। भारत ने मुकाबले की तेज शुरुआत की और शुरुआती पांच मिनट के बाद 9-5 की बढ़त बना ली। भारतीय रेडरों ने लगातार अंक जुटाए, जबकि नेपाल ने भारतीय डिफेंस पर दबाव बनाने की कोशिश की।

नेपाल ने वापसी का प्रयास करते हुए सोनाली को सुपर टैकल से रोककर अहम अंक हासिल किया। इसके बावजूद भारत ने 15-10 की बढ़त बनाए रखी। इसके बाद नेपाल की गंगा घिमिरे ने शानदार रेड करते हुए चार अंक हासिल किए। एंकल होल्ड के बावजूद उन्होंने लाइन को छू लिया और लंबी जांच के बाद उनकी रेड को चार अंकों के रूप में मान्यता दी गई। इससे भारत की बढ़त 21-15 रह गई। हालांकि, भारतीय टीम ने इसके बाद मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। संजू देवी और सोनाली के प्रभावी प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पहले हाफ की समाप्ति तक 31-17 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे हाफ में भी भारत ने अपना दबदबा कायम रखा और नेपाल को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। भारतीय डिफेंस और रेडिंग दोनों ने लगातार अंक जुटाए और अंततः टीम ने 48-24 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ गत चैंपियन भारतीय महिला कबड्डी टीम ने फाइनल में जगह पक्की कर ली है। स्वर्ण पदक के मुकाबले में भारत का सामना चीनी ताइपे या ईरान से होगा। फाइनल शनिवार को खेला जाएगा। भारतीय टीम अब एशियाई खेलों में अपने खिताब का बचाव करने और देश के पदकों की संख्या में एक और स्वर्ण जोड़ने के इरादे से उतरेगी।

हिमांशु, जादौन ओवर ऑल चैम्पियन बने, शिक्षा जैन ने गर्ल्स कैटेगरी जीती

जयपुर, 25 सितंबर। 100 मेडल्स टारगेटेड फाउंडेशन और एडपॉड कम्युनिकेशंस द्वारा आयोजित टैलेंट आइडेंटिफिकेशन गोल्फ टूर्नामेंट का तीसरा सीज़न आज आर्मी गोल्फ कोर्स जयपुर में आयोजित हुआ। जिसमें तीन कैटेगरी - गर्ल्स (21 साल तक), बॉयज़ (18 साल तक) और कैडीज (16 से 29 साल तक) - के युवा गोल्फर और कैडी शामिल हुए। 100 मेडल्स टारगेटेड फाउंडेशन के डायरेक्टर कर्नल हिम्मत वर्मा ने बताया कि टूर्नामेंट में कुल 62 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें 7 लड़कियां, 10 लड़के और 45 कैडी शामिल थे। हिमांशु पाल सिंह जादौन ओवरऑल चैंपियन बने, जबकि शिक्षा जैन ने गर्ल्स कैटेगरी में पहला स्थान हासिल किया।

भारत ने थाईलैंड को 66-28 से रौंदकर पुरुष कबड्डी के फाइनल में बनाई जगह

आइची-नगोया, 25 सितंबर। आठ बार की चैंपियन और गत विजेता भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने सेमीफाइनल में थाईलैंड को 66-28 से हराकर एशियाई खेल 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम अब अपने खिताब का बचाव करने से एक जीत दूर है। भारत ने पुरुष कबड्डी स्पर्धा के अपने नौवें फाइनल में जगह बनाई है। टीम ने पूरे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों हाफ में थाईलैंड पर दबदबा बनाए रखा। भारत ने पहले हाफ में 37 अंक हासिल किए, जबकि थाईलैंड 18 अंक ही जुटा सका। दूसरे हाफ में भी भारत ने 29 अंक जोड़े और थाईलैंड को केवल 10 अंक मिले। पहले हाफ में भारत ने 21 आउट अंक, 12 बोनस अंक और दो ऑलआउट हासिल किए। थाईलैंड ने 13 आउट अंक, तीन बोनस अंक जुटाए और एक ऑलआउट लगाया। मुकाबले के शुरुआती हिस्से में थाईलैंड ने भारतीय टीम को चुनौती देने की कोशिश की, लेकिन भारत ने जल्द ही अपनी पकड़ मजबूत कर ली। पहले हाफ की समाप्ति पर भारत ने 37-18 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाफ में भारतीय टीम ने 22 आउट अंक और तीन बोनस अंक हासिल किए तथा दो और ऑलआउट लगाए। थाईलैंड को इस दौरान सात आउट अंक, दो बोनस अंक और एक तकनीकी अंक मिला। भारत ने लगातार आक्रामक रेडिंग और मजबूत डिफेंस के दम पर मुकाबला एकतरफा कर दिया। थाईलैंड के खिलाड़ी थकान से जूझते दिखे, जिसका भारत ने पूरा फायदा उठाया। देवांक ने शानदार रेड करते हुए लगातार अंक जुटाए, जबकि अयान, अर्जुन देशवाल और असलम इनामदार ने भी टीम की बढ़त बढ़ाने में योगदान दिया। भारतीय पुरुष टीम प्रतियोगिता में अब तक अजेय है। उसने ग्रुप ए में अपने चारों मुकाबले जीतने के बाद सेमीफाइनल में भी शानदार जीत दर्ज की। फाइनल में भारत का सामना ईरान या चीनी ताइपे से होगा।

टीम कैवेलरी मेफेयर को हराकर फाइनल में पहुंची टीम जयपुर

जयपुर, 25 सितंबर। वार्षिक सितम्बर जयपुर पोलो सीज़न 2026 के तहत शुक्रवार को राजस्थान पोलो क्लब (आरपीसी) ग्राउंड पर फ्लडलाइट्स में आर्मी कमांडर्स कप (06 गोल्स) का सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। नाइट पोलो में टीम जयपुर और टीम कैवलरी मेफेयर के बीच फाइनल के लिए टक्कर हुई, जिसमें टीम जयपुर ने फाइनल में अपनी जगह बनाई। टीम जयपुर ने 12-8 के स्कोर से टीम कैवेलरी मेफेयर को शिकस्त दी। मुकाबले में टीम जयपुर की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए सवाई पद्मनाभ सिंह ने 7 गोल और मार्टिन कार्लोस डोनोवन ने 5 गोल दागे। टीम से विश्वराज सिंह और अक्षय मलिक भी खेले। दूसरी ओर, टीम कैवेलरी मेफेयर से कड़ी टक्कर देते हुए शमशीर अली ने अकेले 7 गोल हासिल किए। टीम के लिए अनंत राजपुरोहित ने 1 गोल किया। टीम में जयवीरसिंह गोहिल और प्रताप सिंह कानोता भी शामिल रहे। इससे पूर्व, कैवेलरी ग्राउंड पर आर्मी कमांडर्स कप के लिए वी पोलो और नेवी पोलो टीम के बीच पहला सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में टीम वी पोलो 9-8.5 के स्कोर से नेवी पोलो टीम को हराकर फाइनल में पहुंच गई।

गौरवी, फरीद व दिव्यांशी को रजत, युवान को कांस्य

जयपुर, 25 सितंबर। कोलकाता में 19 से 24 अक्टूबर तक आयोजित इंडियन जूनियर ओपन 2026 में राजस्थान के युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में भारत के अलावा हांगकांग, मलेशिया, अमेरिका, श्रीलंका और सिंगापुर के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। एसएमएस स्टेडियम स्थित स्क्वैश एकेडमी की संचालक सुरभि मिश्रा ने बताया कि गर्ल्स अंडर-11 में गौरवी अजमेरा ने सेमीफाइनल में शारन्या घोष को 11-1, 11-2, 11-9 से हराया लेकिन फाइनल में गौरवी को नाइरा फातिनरईस्या नख्रुल हागजिम के हाथों 7-11, 11-9, 9-11, 4-11 से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें रजत पदक मिला। ब्वॉयज अंडर-15 में फरीद अद्रावी ने भी रजत पदक जीता। सेमीफाइनल में उन्होंने रुआन राम तडांकी को सीधे गेमों में 11-3, 11-7, 12-10 से हराया। फाइनल में ध्रुव जोहरी ने फरीद को 5-11, 11-3, 11-7, 11-6 से पराजित किया। गर्ल्स अंडर-15 में दिव्यांशी जैन ने कड़े मुकाबले के बाद फाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने सेमीफाइनल में गौशिका एम को 5-11, 11-5, 7-11, 11-9, 11-8 से हराया। फाइनल में अनिका कलंकी ने दिव्यांशी को 14-12, 11-6, 11-6 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। दिव्यांशी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। ब्वॉयज अंडर-11 में युवान वर्मा सेमीफाइनल में अगस्त्य उप्पल से 11-5, 6-11, 6-11, 9-11 से हार गए। इसके बाद तीसरे-चौथे स्थान के मुकाबले में युवान ने शानदार वापसी करते हुए विराज वाधवानी को 11-8, 4-11, 11-8, 8-11, 11-8 से हराया और कांस्य पदक हासिल किया।

// एशियाई खेल //

शूटर कमलजीत ने एशियन गेम्स 2026 में जीता स्वर्ण

10 मीटर एयर पिस्टल मिक्सड टीम स्पर्धा में सुरुचि फोगाट के साथ भारत को दिलाया सोना

वाराणसी, 25 सितंबर। उत्तर प्रदेश में वाराणसी जिले के सिगरा स्थित नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, साई के शूटर कमलजीत ने एशियन गेम्स 2026 में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतकर काशी का गौरव बढ़ाया है। जापान में आयोजित एशियाई खेलों की 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में कमलजीत ने सुरुचि फोगाट के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कमलजीत इससे पहले भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। वर्ष 2023 में आयोजित जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल जूनियर स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया था। एशियन गेम्स 2026 में कमलजीत और हरियाणा की सुरुचि फोगाट ने संयुक्त रूप से भारत को दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। सुरुचि इंद्र सिंह, झज्जर की रहने वाली हैं। दोनों निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारतीय निशानेबाजी को भी बड़ी उपलब्धि मिली है।

बरानिका एलंगोवन ने रचा इतिहास, पोल वॉल्ट में भारत को दिलाया पहला पदक

आइची-नगोया, 25 सितंबर। भारतीय एथलीट बरानिका एलंगोवन ने एशियाई खेल-2026 में महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह एशियाई खेलों में पोल वॉल्ट में पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बन गईं। 29 वर्षीय बरानिका ने नगोया के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में 4.15 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई। कजाकिस्तान की पोलिना इवानोवा ने भी 4.15 मीटर की दूरी पार की। दोनों खिलाड़ियों का सर्वश्रेष्ठ प्रयास और काउंटबैक समान रहने के कारण कांस्य पदक दोनों के बीच साझा किया गया। बरानिका ने 3.85 मीटर और 4.00 मीटर की ऊंचाई को अपने पहले ही प्रयास में पार किया। इसके बाद उन्हें 4.15 मीटर की ऊंचाई पर पहली कोशिश में सफलता नहीं मिली, लेकिन दूसरे प्रयास में उन्होंने इसे पार कर लिया। इसके बाद तमिलनाडु की इस एथलीट ने 4.25 मीटर की ऊंचाई पार करने का प्रयास किया, लेकिन तीनों प्रयासों में असफल रहीं। इसके बावजूद 4.15 मीटर का प्रदर्शन उन्हें ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाने के लिए पर्याप्त रहा। भारत की दूसरी खिलाड़ी सिंधुश्री गणेशा कोई वैध प्रयास दर्ज नहीं कर सकीं और संयुक्त रूप से अंतिम स्थान पर रहीं।

मनप्रीत ने शॉटपुट में जीता कांस्य, पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय महिला बनी

आइची-नगोया, 25 सितंबर। भारतीय एथलीट मनप्रीत कौर ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 में महिलाओं की शॉटपुट स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। 36 वर्षीय मनप्रीत ने 17.17 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। वह एशियाई खेलों में महिलाओं की शॉटपुट स्पर्धा में पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय महिला बन गई हैं। चीन की सोंग जियायुआन ने स्वर्ण और झांग लिनरू ने रजत पदक जीता। सोंग ने 19.40 मीटर के सीजन के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत की कृष्णा जयशंकर मेनन 16.57 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। मनप्रीत की शुरुआत धीमी रही। उन्होंने पहले प्रयास में 16.32 मीटर की दूरी तय की, लेकिन इसके बाद लगातार अपने प्रदर्शन में सुधार किया। चौथे प्रयास में उन्होंने 17 मीटर का आंकड़ा पार करते हुए 17.17 मीटर की दूरी हासिल की, जो उन्हें कांस्य पदक दिलाने के लिए पर्याप्त रहा। मनप्रीत से पहले बारबरा वेबस्टर (1951) और किरण बालियान (2023) ने एशियाई खेलों में महिलाओं की शॉटपुट स्पर्धा में भारत के लिए कांस्य पदक जीता था।

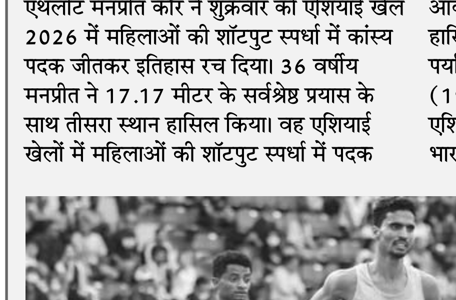

गुलवीर सिंह ने 10 हजार मीटर दौड़ में रजत जीतकर सुधारा पिछला प्रदर्शन

आइची-नगोया, 25 सितंबर। भारतीय लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने एशियाई खेल-2026 में पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ में रजत पदक जीतकर अपने पिछले प्रदर्शन में सुधार किया। टॉप्स कोर एथलीट गुलवीर ने फाइनल में 28:29.38 मिनट का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों में इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। बहरीन के बिरहानु बालेव ने 28:27.51 मिनट के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि बहरीन के ही अल्बर्ट किप्टू ने 28:34.38 मिनट के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

भारतीय मुक्केबाज सचिन सिवाच ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

आइची-नगोया, 25 सितंबर। भारतीय मुक्केबाज सचिन सिवाच ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 में पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। सचिन ने पूर्व एशियाई चैंपियन और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता जॉर्डन के मोहम्मद अबू जाजेह को 4-1 के स्प्लिट डिसीजन से हराया। सचिन ने 4-1 से स्प्लिट डिसीजन जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अंतिम आठ में उनका सामना जापान के शुनसुके कितामोटो से होगा। कितामोटो भी विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता हैं। दोनों के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला परसों खेला जाएगा। सचिन की जीत के साथ एशियाई खेलों में भारतीय मुक्केबाजी दल की पदक की उम्मीदें भी मजबूत हुई हैं।

मानुष शाह-दीया चितले ने जीता कांस्य, भारत के पदक 20 हुए

आइची-नगोया, 25 सितंबर। भारत के मानुष शाह और दीया चितले ने एशियाई खेल-2026 में मिश्रित युगल टेबल टेनिस में कांस्य पदक जीतकर देश की पदक संख्या 20 पहुंचा दी। भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में चीन की वांग चुकिन और सुन यिंगशा के खिलाफ 8-11, 5-11, 8-11, 2-11 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन सेमीफाइनल में पहुंचने के कारण उनका कांस्य पदक पक्का हो गया था। मानुष और दीया की जोड़ी ने एशियाई खेलों के मिश्रित युगल टेबल टेनिस में भारत को दूसरी बार पदक दिलाया है। इससे पहले 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में शरत कमल और मनिका बत्रा ने इस स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। यह पदक मानुष के करियर के मजबूत दौर में आया है। वह वर्तमान में विश्व रैंकिंग में भारत के शीर्ष पुरुष एकल खिलाड़ी हैं और 43वें स्थान पर हैं।

नितिन नबीन व भजनलाल ने पंचायतों के लिये 60 प्रचार रथ रवाना किये

पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर सेवा संकल्प सभा में जनप्रतिनिधियों को जनता से सीधा सम्पर्क रखने की सीख दी

जयपुर, 25 सितंबर। नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा को मिली सफलता के बाद अब पार्टी ने आगामी पंचायतीराज चुनावों की तैयारियों का बिगुल बजा दिया है। शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर जयपुर के दादिया में आयोजित

■ सेवा संकल्प सभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिये 2636 करोड़ रुपये के निकाय कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

जयपुर के दादिया में आयोजित सेवा संकल्प सभा को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबोधित किया।

"सेवा संकल्प सभा" में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यकर्ताओं एवं नवनिर्वाचित निकाय जनप्रतिनिधियों को जनसेवा का मंत्र देते हुए पंचायत चुनाव की तैयारियों में जुटने का आव्हान किया। इसी कार्यक्रम के दौरान 90 प्रचार रथों को पंचायतों के लिए रवाना किया गया। इन रथों के माध्यम से केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं तथा विकास कार्यों की जानकारी ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने का अभियान चलाया जाएगा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय की भावना को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में विधायक, सांसद तथा निकाय एवं पंचायतीराज के जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका है, क्योंकि उनका जनता से सीधा संपर्क होता है। थ्री-टियर सिस्टम के जनप्रतिनिधि ही सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचा सकते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनता के सुख-दुख में भागीदार बनना ही जनप्रतिनिधि की सार्थकता है।

मुख्यमंत्री ने निकाय चुनाव में जीतकर आए जनप्रतिनिधियों को जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश देते हुए कहा कि सरकार के विकास कार्यों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।

सेवा संकल्प सभा के दौरान राज्यसभा सांसद नितिन नबीन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिए 2636 करोड़ रुपए के 929 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

इसी कार्यक्रम में, विभिन्न योजनाओं के 36 लाख लाभार्थियों के खातों में 400 करोड़ रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई।

जयपुर, जोधपुर, कोटा में भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से बीकानेर ही एकमात्र ऐसा नगर निगम हैं, जहां पर कांग्रेस के महापौर बने हैं, बाकी 9 जगहों पर भाजपा के महापौर बने हैं। ज्ञात रहे कि गत 21 सितंबर को प्रदेश के 7 नगर निगम सहित, 303 निकायों में मेयर, चेयरमैन और अध्यक्ष चुने जा चुके हैं। इन 7 नगर निगमों में से उदयपुर, अजमेर, अलवर, पाली, भीलवाड़ा, भरतपुर में भाजपा के मेयर बने थे। शुक्रवार को जयपुर के महापौर चुनाव में भाजपा के सुनील कोठारी को 89 मत मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी सुनीता मावर को 60 वोट मिले। एक पार्षद ने नोटा का चुनाव किया। यहां कुल 150 वार्ड हैं। इसी प्रकार, जोधपुर महापौर चुनाव में भाजपा के प्रसन्नचंद मेहता को 53 वोट मिले, उनके प्रतिद्वंदी कांग्रेस उम्मीदवार राजेन्द्र सोलंकी को 47 मत मिले। यहां कुल 100 वार्ड हैं।

इसी तरह, कोटा नगर निगम के महापौर चुनाव में भाजपा उम्मीदवार अनुसुइया गोस्वामी को 65 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी सुनीता सुमन को सिर्फ 35 मत मिले। यहां 100 वार्डों में कांग्रेस के 39 पार्षद हैं, और भाजपा के 57 व 4 निर्दलीय हैं। ऐसे में कांग्रेस को सिर्फ 35 वोट मिलना साफ जाहिर करता है कि यहां कांग्रेस के 4 पार्षदों ने क्रॉस वोटिंग की है।

ज्ञानेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपलब्ध संसाधनों पर निर्भर करता है। कुछ कार्यक्रम मुख्य चुनाव आयुक्त की भूटान यात्रा के कारण भी स्थगित किए गए थे।

इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए कि एक दौरे पर 1.5 करोड़ रुपये तक खर्च हो सकते हैं, सूत्रों ने कहा कि यह खर्च केवल तब होता है जब कोई कार्यक्रम वास्तव में आयोजित किया जाता है।

मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके बाद दोपहर 1 बजे मुख्यमंत्री दशहरा मैदान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 2:05 बजे राजकीय महाविद्यालय ऑडिटोरियम पहुंचेंगे, जहां भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे। प्रतापगढ़ के कार्यक्रमों के बाद, मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से उदयपुर के लिए रवाना होंगे। शाम 4 बजे वे रुपिस रिजॉर्ट, उदयपुर में आयोजित भाजपा कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री शाम को जयपुर लौट आएंगे।

कोचिंग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और पूर्व अतिरिक्त इनकम टैक्स कमिश्नर होने का हवाला देते हुए बड़े बदमाशों से संपर्क होने की बात भी कही। शिकायत में आरोप है कि डागुर ने यह भी धमकी दी कि तीनों को इस तरह मरवाया जाएगा कि उनके परिजन भी पहचान नहीं पाएंगे।

ज्ञानेश कुमार और उनके ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जोड़ना, नाम हटाना और फिर बहाल करना, फॉर्म 6 में बदलाव, अपील दाखिल करना तथा मतदाता डेटाबेस और आईटी सिस्टम का केन्द्रीयकरण शामिल था।

एक नोट में संधू ने कुछ कार्रवाहियों को "अनधिकृत और गैरकानूनी" बताया। दोनों चुनाव आयुक्तों ने काम के बंटवारे में किए गए ऐसे बदलावों को लेकर कैबिनेट सचिव को भी अलग-अलग पत्र लिखे, जिससे मतदाता सूची टैक्नोलॉजी पर उनकी निगरानी कम हो गई थी। ईसीआई का कहना है कि सभी महत्वपूर्ण फैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे और अलग-अलग राय होना विचार-विमर्श की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है।

एक अन्य विवाद ने भी और अधिक ध्यान खींचा है। ज्ञानेश कुमार की बेटी और नोएडा की जिला मजिस्ट्रेट मेधा रूपम को लेकर नए सवाल उठे हैं। वकीलों के एक संगठन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर इलाहबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली मेधा रुपम की याचिका को सुप्रीम कोर्ट में "बारी से पहले" (आउट-ऑफ -टर्न) लिस्ट किए जाने (सुनवाई सूची में शामिल करने) पर सवाल उठाया है। हाई कोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा एवं ऐक्टिविस्ट आकृति चौधरी की राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (नैशनल सिक्योरिटी एक्ट) के तहत हिरासत को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने रूपम और अन्य अधिकारियों के वेतन से 5 लाख रुपये का मुआवजा वसूलने का आदेश दिया था और उनके आचरण की कड़ी आलोचना की थी। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इस वसूली के आदेश पर रोक लगा दी। आलोचकों ने इस प्रक्रिया के औचित्य पर सवाल उठाते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ उनके रिश्ते का उल्लेख किया है। इस बीच, विपक्षी नेताओं ने ज्ञानेश कुमार के महाभियोग की मांग और तेज कर दी है। आंतरिक आपत्तियों का हवाला देते हुए और "एक व्यक्ति के तानाशाहीपूर्ण नियंत्रण" का आरोप लगाते हुए राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, ममता बनर्जी, डैरेक ओ'ब्रायन, उद्धव ठाकरे और अरविंद केजरीवाल सहित, कई नेताओं ने उन्हें हटाने की मांग की है। कुछ नेताओं ने उनकी गिरफ्तारी और हाल के चुनावों को रद्द करने की भी मांग की है। अप्रैल में राज्यसभा के 73 सांसदों द्वारा हस्ताक्षिरत एक नोटिस, जिसमें "साबित कदाचार" के आधार पर उन्हें हटाने की मांग की गई थी, अभी लंबित है। विपक्ष एक नया प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। ईसीआई लगातार अपनी प्रक्रियाओं का बचाव कर रहा है, लेकिन इन सभी विवादों के एक साथ सामने आने से, संस्था (चुनाव आयोग) की विश्वसनीयता को लेकर सवाल और गहरे हो गए हैं।

ज्ञानेश कुमार के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने की ओर ध्यान दिलाया।

घोष ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस समय भारत में जो हो रहा है, उस पर पूरी दुनिया को ध्यान देना चाहिए। कंप्यूटर प्रोग्रामों का इस्तेमाल बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से व्यवस्थित तरीके से हटाने के लिए किया गया है। लेकिन भारत की ज़ी इस बात को समझ गई है और अब स्थिति बदल रही है।

एक अन्य समानान्तर घटनाक्रम मे, सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा कथित तौर पर, दोनों अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना, लिए गए फैसलों, जारी दिशा-निर्देशों और सॉफ्टवेयर में किए गए बदलावों को चुनौती दी गई है।

अधिवक्ता शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी द्वारा अधिवक्ता चांद कुरैशी के माध्यम से दायर याचिका में मांग की गई है कि ऐसे फैसलों को असंवैधानिक, मुख्य चुनाव आयुक्त की शक्तियों से बाहर और अमान्य घोषित किया जाए।

एक अन्य अधिवक्ता, बृजेश सिंह ने गुरुवार को अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से सुप्रीम कोर्ट की कथित अवमानना के लिए सीईसी कुमार के खिलाफ मुकदमा चलाने की वैधानिक अनुमति मांगी।

यह याचिका "द इंडियन एक्सप्रेस" की उन खोजी रिपोर्टों के कुछ दिनों बाद दायर की गई, जिनमें बताया गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने तीन सदस्यीय चुनाव आयोग के नाम पर कथित तौर पर लिए गए कई फैसलों पर लिखित आपत्तियां दर्ज की थीं। त्रिपाठी ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 की धारा 18 का भी हवाला दिया है। इस धारा में चुनाव आयोग द्वारा निर्णय लेने की व्यवस्था बताई गई है और कहा गया है कि यदि किसी मुद्दे पर मतभेद हो, तो बहुमत की राय मान्य होगी।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग में तीन चुनाव आयुक्त होते हैं। सीईसी उनमें समान लोगों में प्रथम यानी (फर्स्ट अमंग इक्वल्स) होता है, न कि सबसे वरिष्ठ सदस्य। जहां तक संभव हो, फैसले तीनों की सर्वसम्मति से लिए जाने होते हैं।

जम्मु-कश्मीर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सदन द्वारा पारित प्रस्तावों के अलावा, यह सदन भारत सरकार से जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा तत्काल और शीघ्र बहाल करने का आ ान करता है तथा यह प्रस्ताव भारत सरकार को भेजने का संकल्प लेता है।"

अमेरिका के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुकानी होगी। सी ई ए ने कहा कि जियोपॉलिटिक्स और अर्थव्यवस्था के बीच बढ़ते संबंधों ने वैश्विक आर्थिक वातावरण को बुनियादी रूप से बदल दिया है। आपूर्ति में व्यवधान, व्यापार प्रतिबंध और महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियां नीति-निर्माताओं के लिए लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही हैं।

नागेश्वरन ने कहा कि नीति-निर्माताओं को 1980 से 2020 के दौर में हावी रहे आर्थिक नीति, ढांचे के आगे बढ़ने की जरूरत है, जब मांग प्रबंधन पर मुख्य रूप से ध्यान दिया जाता था।

उन्होंने कहा, अब यह मांग प्रबंधन का मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह आपूर्ति प्रबंधन का मामला है।

उन्होंने वैश्विक व्यापार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े उत्पादों के बढ़ते महत्व को भी रेखांकित किया और कहा कि व्यापार का इस्तेमाल अब तेजी से रणनीतिक हथियार के रूप में किया जा रहा है।

नागेश्वरन ने कहा, व्यापार को हथियार बना दिया गया है, कुछ मामलों में विकल्प न होने के कारण प्रतिक्रिया के रूप में और कुछ मामलों में आक्रामक आधार पर।

सी ई ए ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने तत्काल तीन चुनौतियों की पहचान की-अमेरिका के साथ भारत के अस्थिर संबंध, वैश्विक ऊर्जा बाजारों में हो रहे बदलाव और ए आई इकोसिस्टम में भारत की अपेक्षाकृत सीमित मौजूदगी।

उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि ए आई इकोसिस्टम में भारत की कोई भूमिका नहीं है, बस बौद्धिक संपदा अभी उतनी नहीं है। यह वास्तविक समस्या है, लेकिन यह आएगी।

उन्होंने कहा कि यह मानकर नहीं चला जा सकता कि वैश्विक बाजार हमेशा जरूरी वस्तुओं और इनपुट तक निर्बाध पहुंच उपलब्ध कराते रहेंगे। आपको खुद उत्पादन करना होगा क्योंकि दुनिया आपको आपूर्ति नहीं करेगी।

उनकी टिप्पणियां इस बात को रेखांकित करती हैं कि भारत के लिए घरेलू उत्पादन, मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं और रणनीतिक विविधीकरण का महत्व बढ़ रहा है, क्योंकि देश तेजी से विभाजित होते वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच आगे बढ़ रहा है।

नागेश्वरन की यह स्वीकारोक्ति वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता हो चुका है और मामला निपट गया है तथा वाशिंगटन द्वारा अमेरिकी बाजार में भारत को उसके प्रतिस्पर्धियों की तुलना में सही प्रतिस्पर्धात्मक लाभ दिए जाने के बाद इसे लागू किया जाएगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908